धरती आबा की ऊर्जावान भूमि से प्रकाशित लोकप्रिय दैनिक

सुप्रभात
रांची, मंगलवार
04.02.2025
* * नगर संस्करण। पेज : 12

खबर मन्त्र

khabarmantralive.com
रांची और धनबाद से एक साथ प्रकाशित
सबकी बात सबके साथ

khabarmantra.net | माघ, शुक्ल पक्ष, षष्ठी-सप्तमी, संवत् 2081 | मूल्य : ₹ 3 । वर्ष : 12 । अंक : 204

12 दक्षिण अफ्रीका को वित्तीय सहायता देना बंद करेंगे ट्रंप

झामुमो ने सरकार के सामने रखा 50 सूत्री मांग पत्र

झामुमो को आदिवासी, मूलवासी, पिछड़ों की है चिंता

स्थापना दिवस समारोह

खबर मन्त्र संवाददाता

रांची/दुमका। झारखंड मुक्ति मोर्चा ने 46वें झारखंड दिवस समारोह के जरिये हेमंत सोरेन के नेतृत्व वाली सरकार के सामने 50 सूत्री मांग रखी है। इनमें आदिवासी, मूलवासी, पिछड़ों के साथ-साथ अल्पसंख्यकों के हित का ख्याल रखने पर जोर दिया गया है। इसमें ग्रामसभा को सशक्त बनाने, साहिबगंज से खासमहल व्यवस्था को खत्म करने और तृतीय/चतुर्थ वर्गीय पद को स्थानीय निवास करने वाले रैयत के वंशजों के लिए आरक्षित करने का जिक्र है। पार्टी का स्थापना दिवस समारोह रविवार की देर रात दुमका के गांधी मैदान में संपन्न हो गया। समारोह को पार्टी के कार्यकारी अध्यक्ष सह सीएम हेमंत सोरेन, उनकी पत्नी कल्पना सोरेन, भाई बसंत सोरेन समेत तमाम सांसदों, मंत्रियों और विधायकों ने संबोधित किया। ----------

स्पष्ट विस्थापन और पुनर्वास नीति बने

स्थापना दिवस समारोह में 50 सूत्री मांग पत्र राज्य सरकार को सौंपा। मांग पत्र के अनुसार रैयतों को खनिजों में मालिकाना हक मिले। राज्य में स्पष्ट विस्थापन और पुनर्वास नीति बने। एनआरसी, यूसीसी और सीएए को झारखंड में खारिज किया जाये। अल्पसंख्यक वित्त निगम का गठन हो। झारखंड में पूर्ण नशाबंदी लागू हो। दुमका में हाईकोर्ट के खंडपीठ गठित हो मिनी सचिवालय का भी निर्माण हो। जंगलों की सुरक्षा और संवर्द्धन में ग्रामीणों की भागीदारी सुनिश्चित हो। पलायन को रोकने के लिए रोजगार मुहैया कराने पर जोर। झारखंड में वित्त रहित शिक्षा नीति लागू की जाये। थर्ड और फोर्थ ग्रेड की नौकरी स्थानीय निवासियों के वंशजों के लिए आरक्षित हो। सिद्धो-कान्हू विश्वविद्यालय को केंद्रीय विश्वविद्यालय का दर्जा मिले। ग्राम शिक्षा समिति और ग्राम स्वास्थ्य समिति को सशक्त बनाने पर जोर। मदरसा बोर्ड का गठन कर आलिम-फाजिल डिग्री को सरकारी नियुक्तियों में बराबर की मान्यता मिले। झारखंड के आंदोलनकारियों को स्वतंत्रता सेनानी का दर्जा मिले।

सभी पंचायत में उप-स्वास्थ्य केंद्र को नियमित किया जाये। साहिबगंज में खासमहल की व्यवस्था समाप्त की जाये। सोहराय, बंदना और टुसू को राजकीय पर्व घोषित किया जाये। ग्रामसभा को सशक्त करने पर जोर। केंद्र सरकार राज्य सरकार को अलग-अलग मदों में बकाया 1.36 लाख करोड़ रु का भुगतान अविलंब सुनिश्चित करे। जिला स्तर पर गंभीर बीमारियों की जांच और ईलाज की सुविधा हो। उपराजधानी में ट्रांसपोर्ट नगर की स्थापना की जाये।

बजट में झारखंड को कुछ नहीं

समारोह में इस दुमका सांसद नलिन सोरेन ने कहा कि शिबू सोरेन के लंबे संघर्षों के बाद हमें झारखंड राज्य प्राप्त हुआ है। जनता ने लगातार दूसरी बार यहां महागठबंधन की सरकार बनायी। हम जनता के विश्वास पर खरा उतरते हुए विकास की गति को आगे बढ़ायेंगे। वहीं, राजमहल सांसद विजय हांसदा ने कहा कि केंद्र सरकार झारखंड राज्य की उपेक्षा कर रही है। इस बार के बजट में यहां के लिए कुछ भी नहीं है। जामा की विधायक लुइस मरांडी ने कहा कि मुख्यमंत्री ने महिलाओं को सम्मान देने का काम किया है। जबकि एनडीए ने महिला सम्मान को कोर्ट में चैलेंज किया। वे लोग समाज को बांटना चाहते हैं। कुछ लोग राज्य को और पूरे देश को नफरत की आग में झोंक रहे हैं। ऐसे दल, षडयंत्रकारियों से हमें बचना होगा। शिकारीपाड़ा के विधायक आलोक सोरेन ने कहा कि यहां आदिवासियों का शोषण हो रहा था। जल, जंगल व जमीन की लूट हो रही थी, तब दिशोम गुरू शिबू सोरेन उम्मीद की किरण बनकर आये और अलग राज्य बनाया। हम सभी पर जिम्मेदारी झारखंड को संवारने की है।

CCL सेन्ट्रल कोलफील्ड्स लिमिटेड
एक मिनीरत्न कंपनी
(कोल इण्डिया लिमिटेड की एक अनुषंगी कंपनी)
Fueling Sustainable Growth

सूचना

सामग्री, कार्यों एवं सेवाओं के खरीद हेतु सीआईएल एवं इसकी अनुषंगी कंपनियों द्वारा जारी सभी निविदाएँ कोल इण्डिया लिमिटेड की वेबसाईट www.coalindia.in/ संबंधित अनुषंगी कंपनी (सीसीएल, www.centralcoalfields.in), सीआईएल ई-प्रोक्योरमेंट पोर्टल https://coalindiatenders.nic.in एवं सेन्ट्रल पब्लिक प्रोक्योरमेंट पोर्टल https://eprocure.gov.in पर उपलब्ध हैं। इसके अतिरिक्त जीईएम पोर्टल https://gem.gov.in के माध्यम से भी खरीद की जाती है।

नॉन स्टेट सिविल सर्विस के 6 अफसरों को मिली भारतीय प्रशासनिक सेवा में प्रोन्नति

रांची एसएसपी की पत्नी कंचन सिंह बनीं आईएएस

खबर मन्त्र ब्यूरो

रांची। झारखंड के छह नॉन स्टेट सिविल सर्विस के अधिकारियों के लिए बड़ी खुशखबरी है। इन्हें भारतीय प्रशासनिक सेवा के तहत झारखंड कैडर में प्रोन्नति मिली है। केंद्र सरकार के कार्मिक मंत्रालय अवर सचिव ने इस बाबत सोमवार को अधिसूचना जारी कर दी है। साल 2023 की रिक्तियों के विरुद्ध इन सभी को प्रोन्नति मिली है। इनमें कंचन सिंह, धनंजय कुमार सिंह, सीता पुष्पा, बिजय कुमार सिन्हा, प्रीति रानी और राजेश प्रसाद के नाम शामिल हैं। वर्ष 2023 की रिक्तियों के विरूद्ध इन्हें प्रमोशन मिला है। अधिसूचना में कहा गया है कि गैर-राज्य सिविल सेवा के निम्नलिखित सदस्यों को राज्य सरकार के परामर्श से उक्त विनियमावली के विनियम 3 के अंतर्गत भारत सरकार द्वारा निर्धारित रिक्तियों के विरुद्ध भारतीय प्रशासनिक सेवा में 2023 (गैर-एससीएस) की चयन सूची के लिए अगले आदेश तक परिवीक्षा पर नियुक्त करते हैं। इन्हें भारतीय प्रशासनिक सेवा (संवर्ग) नियमावली, 1954 के नियम 5(1) के अंतर्गत झारखंड संवर्ग को आवंटित करते हैं।

रांची एसएसपी की पत्नी भी बनीं आईएएस : बताते चलें कि आईएएस कैडर में प्रोन्नति पाने वाली कंचन सिंह रांची के एसएसपी चंदन कुमार सिन्हा की पत्नी हैं। उन्होंने सीडीपीओ पद से सेवा की शुरूआत कर इस मुकाम को हासिल किया है। फिलहाल समाज कल्याण विभाग में सहायक निदेशक के पद पदस्थापित हैं। वहीं प्रीति रानी और सीता पुष्पा भी सीडीपीओ हैं। इस लिस्ट में शामिल बिजय कुमार सिन्हा इंजीनियरिंग सेवा से हैं और ऊर्जा विभाग में मुख्य अभिंयता के पद पर पदस्थापित हैं। वहीं, राजेश प्रसाद और धनंजय कुमार सिंह राज्य श्रम सेवा के अधिकारी हैं और संयुक्त श्रमायुक्त के पद पर श्रम विभाग में पदस्थापित है। नोटिफिकेशन जारी होने के बाद संबंधित अधिकारियों को बधाई देने का तांता लगा हुआ है।

समाज में संवाद स्थापित करने की जरूरत: धर्मगुरु

खबर मन्त्र संवाददाता

रांची। पुरूलिया रोड से स्थित एसडीसी सभागार हॉल में सदभावना संवाद सामाजिक सद्भावना और सामाजिक समरसता को लेकर सेमिनार आयोजित की गई। इसमें बौद्ध धर्म से भंते जितेन्द्र सिंह तथागत ,सिख धर्म से गुरु डां हरमिंद्र सिंह, ईसाई धर्म से फादर टोनी, हिंदू धर्म से रवि कुमार पिंकु शामिल थे। सभी ने प्रदेश में सद्भावना मंच बनाने पर जोर दिया, ताकि देश में फैलाया जा रही नफरत को दूर किया जा सके। इसके लिए सभी समाज के धर्मगुरुओं ने कहा कि समाज के बीच संवाद स्थापित करना होगा। सद्भावना संवाद समाज से सभी समुदाय को जोडने का प्रयास करता है।

कहा कि समाज में रहने वाले धर्म, जाति और लिंग पर भेदभाव नहीं होना चाहिए। सभी मानव जाति में इंसानियत होना चाहिए। सद्भावना स्थानीय मंच है। आज इसकी आवश्यकता पड़ गई है। नेताओं द्वारा राजनीतिक लाभ के लिए समाज को बांटने का प्रयास होता है। इस पर सभी धर्म गुरुओं को इंसानियत दिखाने की जरूरत है। धार्मिक स्थल के नाम पर समाज बंट रहा है। ऐसे स्थान पर धर्मगुरु को रोल प्ले करना होगा। राज्य स्तर पर धार्मिक जन मोर्चो बनाने का प्रयास करना होगा। गांव, मुहल्लों और शहर में सद्भावना मंच तैयार करना होगा।

सभी लोग एक ही ईश्वर की संतान हैं : कहा कि राज्य में सभी धर्म के लोग रहते आ रहे हैं। सभी लोग मिलकर जुलकर रहते हैं। सभी लोग एक ही ईश्वर की संतान हैं। सभी को एक दूसरे से प्रेम करना चाहिए. देश में धर्म को लेकर नफरत फैलाया जा रहा है। हरेक इंसान को आदर पूर्वक और समानता लाने का प्रयास करना चाहिए। अपने धर्म में उच्च नीच का भावना को दूर करने की जरूरत है। समानता के लिए काम करने की जरूरत है। आज लोगों के धर्म के नाम पर दिल,मन में नफरत फैलाया जा रहा है। इसे दूर करने के लिए लोगो के बीच समाज संवाद करना होगा।

भारतीयता ही धर्म है : कहा कि साम्प्रदायिक एकता को बनाए रखने के लिए समाज के बीच संवाद स्थापित करना होगा। भारतीयता ही धर्म है। समाज में संवाद करना होगा। मौके पर सिख धर्म गुरू हरमिंदर सिंह, बौद्ध धर्म गुरू भंते जितेंद्र सिंह तथागत, ईसाई धर्म से फादर टॉनी, सामाजिक कार्यकार्ता रतन तिर्की, हिंदू धर्म से महावीर मंडल अध्यक्ष रवि कुमार पिंकु, खालिद साजिद, मतलूब अहमद, मोहम्मद साजिद, जमात -ए-इस्लामी हिंद के नायब अमीर इंजिनियर सलीम, मुहम्मद सुफयाना समेत अन्य मौजूद थे।

नयी झारखंड स्टार्टअप पॉलिसी 2023 के तहत आज से दे सकते हैं नये आईडिया

मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन राज्य में स्टार्टअप को बढ़ावा देने के प्रति है गंभीर

7 दिसंबर 2023 की कैबिनेट में मिली थी नयी झारखंड स्टार्टअप नीति की स्वीकृति

खबर मन्त्र ब्यूरो

रांची। मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन राज्य में स्टार्टअप को बढ़ावा देने के प्रति गंभीर हैं। इसी के मद्देनजर बीते 7 दिसंबर 2023 को हुई कैबिनेट बैठक में राज्य की नई झारखंड स्टार्टअप नीति 2023 को स्वीकृति मिली थी। अब झारखंड सरकार द्वारा राज्य में नई झारखंड स्टार्टअप पॉलिसी 2023 के अंतर्गत एबीवीआईएलडॉटझारखंडडॉटगॉभडॉटइन पोर्टल के माध्यम से नए स्टार्टअप आईडिया मंगलवार से प्रारंभ किया जा रहा है। अब, इस पोर्टल के माध्यम से एप्लिकेंट अपने आज से आइडियाज दे सकेंगे।

राज्य में नई झारखंड स्टार्टअप नीति 2023 है लागू : राज्य में नई झारखंड स्टार्टअप नीति 2023 लागू है। इसके सफल संचालन एवं क्रियान्वयन के लिए एबीवीआईएल का गठन कंपनीज एक्ट 2013 के तहत सेक्शन 8 के रूप में किया गया है।

इस एजेंसी का कार्य राज्य में स्टार्टअप का चयन करना, स्टार्टअप इकोसिस्टम को बढ़ावा देना तथा पॉलिसी में प्रावधानित फिस्कल एवं नॉन फिस्कल इंसेंटिव्स का कॉमन इंसेंटिव डिसबर्समेंट गाइडलाइन के तहत क्रियान्वयन करना है।

ऑनलाइन आइडिया प्राप्त करने के लिए बनाया गया है डिजिटल प्लेटफॉर्म : इस पॉलिसी के तहत ऑनलाइन डिजिटल प्लेटफॉर्म बनाया गया है। इसका यूआरएल एबीवीआईएलडॉटझारखंडडॉटगॉभडॉटइन है। इसके माध्यम से नई स्टार्टअप आईडिया को एप्लीकेंट द्वारा ऑनलाइन प्राप्त किया जाएगा तथा विभाग द्वारा स्टेट इवैल्यूएशन बोर्ड की बैठक बुलाकर स्टार्टअप की चयन प्रक्रिया दिनांक 4 फरवरी 2025 से प्रारंभ की जाएगी।

2028 तक राज्य में 1 हजार स्टार्टअप विकसित करने का लक्ष्य

मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन ने पुरानी स्टार्टअप पॉलिसी 2016 को रद्द करते हुए 7 दिसंबर 2023 को नई पॉलिसी(नई झारखंड स्टार्टअप नीति 2023) को स्वीकृति दी। कैबिनेट की स्वीकृति के बाद सूचना तकनीक एवं ई-गवर्नेंस विभाग ने इसे अधिसूचित कर दिया है। इसी के साथ 2016 में लागू नीति रद्द कर दी गई है। नई स्टार्टअप पालिसी अगले पांच साल के लिए लागू की गई है। इस दौरान (साल 2028 तक) राज्य में कम से कम एक हजार स्टार्टअप को विकसित करने का लक्ष्य रखा गया है। इस अवधि तक राज्य में अनुकूल इकोसिस्टम तैयार कर अग्रणी 10 राज्यों में झारखंड को सम्मिलित करने का लक्ष्य रखा गया है।

बार कौंसिल की रिपोर्ट का हाईकोर्ट के वकीलों को इंतजार

रांची। झारखंड हाईकोर्ट एडवोकेट एसोसिएशन के चुनाव पर वकीलों को झारखंड बार कौंसिल के निर्णय का इंतजार है। 23 जनवरी को मतगणना के दौरान भारी हंगामा के बाद चुनाव कमेटी ने मतदान रद्द कर दिया था। चुनाव कमेटी ने अपनी रिपोर्ट झारखंड बार कौंसिल को भेज दी थी। इस रिपोर्ट के बाद बार कौंसिल ने अपने पर्यवेक्षकों से भी रिपोर्ट मांगी थी। अब बार कौंसिल के निर्णय का इंतजार हो रहा है। झारखंड बार कौंसिल को मतदान दोबारा कराने या नये सिरे से मतगणना कराने पर अपना निर्णय देना है। झारखंड एसोसिएशन के मतदान के बाद जब मतगणना शुरू हुई तो कुल वोटिंग को लेकर विवाद हो गया था। कुल मत 1509 पड़े थे, लेकिन मतदान के बाद कुल मतदान की घोषणा में 1409 वोट बताए गए थे। इस कारण वकीलों और कुछ उम्मीदवारों ने हंगामा कर दिया था। इसके बाद चुनाव कमेटी ने चुनाव रद्द कर झारखंड बार कौंसिल को अपनी रिपोर्ट भेज दी। रिपोर्ट में सभी बिंदुओं की जानकारी देते हुए तीन वकीलों को हंगामा में मुख्य भूमिका निभाने के लिए दोषी बताया गया था और उनके खिलाफ कार्रवाई करने की अनुशंसा झारखंड बार कौंसिल से की गयी। रिपोर्ट मिलने के बाद बार कौंसिल ने तीन वकीलों को शोकॉज जारी किया था। इसके बाद बार कौंसिल के पर्यवेक्षकों ने पूरी घटनाक्रम की जांच शुरू की। इस दौरान सभी उम्मीदवारों और हंगामा करने वालों से बात की। अब पर्यवेक्षकों को अपनी रिपोर्ट बार कौंसिल को सौंपनी है।

विधवा पुनर्विवाह योजना के लिए रांची में आया पहला आवेदन

रांची। राज्य सरकार की विधवा पुनर्विवाह योजना का लाभ लेने के लिए रांची में एक आवेदन आया है। कांके प्रखंड की एक महिला ने योजना का लाभ लेने के लिए आवेदन दिया है। आवेदन मिलने के बाद जिला प्रशासन ने योजना का लाभ देने के लिए जरूरी प्रक्रियाएं शुरू कर दी है। इस योजना के तहत पुनर्विवाह करने पर सरकार दो लाख रुपये प्रोत्साहन राशि देती है। पिछले वर्ष तत्कालीन मुख्यमंत्री चंपाई सोरेन ने इस योजना की शुरूआत की थी। योजना का मुख्य उद्देश्य कई बार जीवन साथी के बिछड़ने के बाद कम उम्र में भी महिलाओं को काफी समस्याओं और चुनौतियों का सामना करना पड़ता है। ऐसे में झारखंड सरकार की इस योजना से समाज को प्रेरणा मिलेगी।

भाकपा माले नेता विनोद लहरी का निधन

रांची। भाकपा माले के पूर्व राज्य कार्यालय सचिव विनोद लहरी का रविवार देर रात निधन हो गया। उन्होंने रांची स्थित सरकारी अस्पताल रिम्स में अंतिम सांस ली। यह जानकारी पार्टी नेता त्रिलोकी नाथ ने सोमवार को प्रेस बयान जारी कर दी है। उन्होंने बताया कि भाकपा-माले नेता के निधन से पूरी पार्टी आहत है। पार्टी राज्य कमेटी ने उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की है। इससे पहले सोमवार सुबह को उनका पार्थिव शरीर पार्टी कार्यालय लाया गया। यहां पार्टी के तमाम नेताओं ने उन्हें श्रद्धांजलि दी और लाल झंडे के साथ अंतिम विदाई दी। भाकपा माले के राष्ट्रीय महासचिव दीपांकर भप्ताचार्य ने भी उनके निधन पर शोक व्यक्त किया है। डॉक्टरों के अनुसार बिनोद लहरी की मृत्यु डिसइलेक्ट्रोलाइटीमिया के कारण हुई।

डीजीपी के पद पर पदस्थापित किये गये अनुराग गुप्ता, अधिसूचना जारी

सरकार ने किया डीजीपी नियुक्ति प्रक्रिया में बड़ा बदलाव, अब केंद्र को नहीं भेजी जायेगी पैनल

खबर मन्त्र ब्यूरो

रांची। सरकार की मंजूरी के बाद 1990 बैच के आईपीएस अधिकारी अनुराग गुप्ता झारखंड डीजीपी के पद पर पदस्थापित किए गए। इसे लेकर सोमवार की दोपहर गृह कारा एवं आपदा प्रबंधन विभाग के द्वारा अधिसूचना जारी कर दी है। इससे पहले रविवार की रात सरकार ने अनुराग गुप्ता को डीजीपी के पद पर नियमित नियुक्ति करने की मंजूरी दे दी थी। उनकी नियुक्ति दो साल के लिए होगी। उनका कार्यकाल 26 जुलाई 2024 से दो साल के लिए होगा। अनुराग गुप्ता अभी झारखंड के प्रभारी डीजीपी थे। साथ ही वह सीआईडी डीजी के पद पर पदस्थापित हैं और वह एसीबी के डीजी पद के अतिरिक्त प्रभार में हैं।

2022 में मिली थी डीजी रैंक में प्रोन्नति : बताते चलें कि साल 2022 में सरकार ने अनुराग गुप्ता को डीजी रैंक में प्रोन्नति दी थी। प्रोन्नति मिलने के बाद वह डीजी ट्रेनिंग के पद पर पदस्थापित रहें। 26 जुलाई 2024 को सरकार ने उन्हें झारखंड का प्रभारी डीजीपी बनाया। विधानसभा चुनाव के दौरान चुनाव आयोग ने उन्हें प्रभारी डीजीपी के पद से हटाने का आदेश जारी किया था और अजय सिंह को डीजीपी बनाया गया था। इसके बाद बीते 28 नवंबर को सरकार ने अनुराग गुप्ता को दुबारा झारखंड पुलिस का प्रभारी डीजीपी बनाया। अनुराग गुप्ता झारखंड पुलिस में कई महत्वपूर्ण पदों पर अपनी सेवाएं दे चुके हैं। गढ़वा, गिरिडीह, हजारीबाग जैसे जिलों में एसपी और रांची के एसएसपी के पद पर रहते हुए उन्होंने कई उल्लेखनीय कार्य किये। एकीकृत बिहार में भी अनुराग गुप्ता ने बेहतर कार्य किये थे। तब उन्हें वीरता के लिए राष्ट्रपति का गैलेंट्री अवार्ड मिला था। डीआईजी बनने के बाद उन्होंने बोकारो रेंज के डीआईजी के पद पर लंबे समय तक काम किया। आईजी रैंक में प्रोन्नति मिलने के बाद वह झारखंड पुलिस मुख्यालय में आईजी प्रोविजन के पद पर रहे। उन्होंने सीआईडी के आईजी के पद पर भी काम किया। अनुराग गुप्ता को एडीजी स्पेशल ब्रांच के पद का लंबा अनुभव है। सीआईडी डीजी रहते हुए उन्होंने कई साइबर अपराधियों को गिरफ्तार कराया।

राज्य सरकार ने डीजीपी नियुक्ति में किया बदलाव : मालूम हो कि यूपी, पंजाब, आंध्र प्रदेश, पश्चिम बंगाल और तेलंगाना की तर्ज पर झारखंड सरकार राज्य में भी डीजीपी (पुलिस महानिदेशक) नियुक्ति प्रक्रिया में महत्वपूर्ण बदलाव किया है। महानिदेशक एवं पुलिस महानिरीक्षक झारखंड (पुलिस बल प्रमुख) का चयन एवं नियुक्ति नियमावली 2024 दिया गया है। सात जनवरी को मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की अध्यक्षता में हुई कैबिनेट की बैठक में लिया गया था। सरकार के इस फैसले से पहले डीजीपी के चयन के लिए राज्य सरकार यूपीएससी को आईपीएस अधिकारियों के नामों का पैनल भेजती थी।

दक्षिण पूर्व रेलवे-निविदा

ई-निविदा सूचना सं.: आरएसओ-सीकेपी-आरआर-बीएसपीएक्स-24-27-3, दिनांक 01.02.2025; भारत के राष्ट्रपति के लिए तथा उनकी ओर से मंडल रेल प्रबंधक (विद्युत), चक्रधरपुर, दक्षिण पूर्व रेलवे द्वारा निम्नलिखित कार्य के निष्पादन के लिए "दो पैकेट प्रणाली" (पैकेट-I: तकनीकी बोली तथा पैकेट-II: वित्तीय बोली) में ई-निविदाएं आमंत्रित की जाती हैं। इस निविदा के लिए मैनुअल प्रस्तावों की अनुमति नहीं है तथा इस तरह के प्राप्त किसी भी मैनुअल प्रस्ताव पर ध्यान नहीं दिया जाएगा। कार्य का नाम: रनिंग रूम बांसपानी (बीएसपीएक्स) का 1095 दिनों के लिए अनुरक्षण। निविदा मूल्य: रु. 1,16,52,746.40; ईएमडी: रु. 2,08,300; निविदा प्रपत्र की कीमत: रु. 5,000; ई-निविदा खुलने का स्थान: वरिष्ठ मंडल विद्युत अभियंता (ओपी)/चक्रधरपुर, दक्षिण पूर्व रेलवे का कार्यालय। निविदा बंद होने की तारीख एवं समय: 24.02.2025 को अपराह्न 3.00 बजे। निविदा खुलने की तारीख एवं समय: 24.02.2025 को अपराह्न 3.30 बजे। निविदा वेबसाइट http://www.ireps.gov.in पर देखी जा सकती है। निविदादाताओं/बोलीदाताओं के पास क्लास-III डिजिटल सिग्नेचर सर्टिफिकेट होना चाहिए तथा आईआरईपीएस पोर्टल के अधीन पंजीकृत होना चाहिए। सिर्फ पंजीकृत निविदादाता/बोलीदाता ई-निविदा प्रणाली में भाग ले सकते हैं। (PR-1095)

हमें झारखंड में संगठन के मजबूतीकरण की दिशा में काम करना है : मीर

झारखंड प्रदेश कांग्रेस पॉलीटिकल अफेयर्स कमेटी की बैठक में खुलकर हुई चर्चा

खबर मन्त्र ब्यूरो

रांची। झारखंड प्रदेश कांग्रेस पॉलीटिकल अफेयर्स कमेटी की बैठक प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष केशव महतो कमलेश की अध्यक्षता में सोमवार को हुई। बैठक में मुख्य अतिथि के रूप में प्रदेश कांग्रेस प्रभारी गुलाम अहमद मीर उपस्थित थे। बैठक में उपस्थित सदस्यों ने संगठन के संबंध में अपने विचार रखें साथ ही साथ झारखंड की राजनीतिक परिस्थितियों पर भी खुलकर चर्चा की आने वाले नगर निकाय चुनाव की गंभीरता को देखते हुए प्रमुख तथ्यों पर सदस्यों ने अपना मंतव्य दिया। सदस्यों के विचारों के प॰ात गुलाम अहमदम मीर ने कहा कि हमें झारखंड में संगठन के मजबूतीकरण की दिशा में काम करना है। आने वाले कुछ दिनों के अंदर में सभी के सुझावों के अनुसार अनुरूप प्रदेश कमेटी का गठन कर दिया जाएगा। कमेटी में गणेश परिक्रमा करने वाले लोगों को जगह नहीं दिया जाएगा, बल्कि ऐसे लोगों को कमिटी में रखा जाएगा, जो पूर्व से ही संगठन के क्रियाकलापों में आंदोलन और कार्यक्रमों को सफल बनाने में अग्रणी रहे हैं। अपनी मजबूत भूमिका निभाई है।

उन्होंने कहा कि विगत लोकसभा चुनाव से लेकर वर्तमान के विधानसभा चुनाव में सक्रिय रहने वाले लोगों को संगठन में उचित स्थान और मान सम्मान दिया जाएगा। संगठन की मजबूती के लिए काम करने वाले लोगों की समीक्षा लोकसभा चुनाव के समय से ही लगातार जारी है। संगठन के आगामी कार्यक्रम और संगठन और सरकार के बीच समन्वय के लिए एक रोड मैप तैयार करने की आवश्यकता पर उन्होंने बल देते हुए कहा कि एक मजबूत संगठन के लिए बेहतर कार्य योजना की आवश्यकता होती है। संगठन मजबूत रहेगा तभी हम विरोधी दलों से जीत सकते हैं। सभी के लिए यह चेतावनी है संगठन में खींचतान बंद करें और अपना हर कदम मजबूती के लिए बढ़ाएं।

संगठन हित में किया गया कोई भी काम राष्ट्रीय नेतृत्व को मजबूती प्रदान करता है आज हम जिन मुद्दों को लेकर देश में संघर्ष कर रहे हैं उन मुद्दों पर जीत के लिए आपसी एकता बहुत जरूरी है। विभाजनकारी शक्तियां देश को तोड़ने में लगी हैं हमें उनके खिलाफ लड़ना है इसके लिए हमें खुद को तैयार करना होगा। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष केशव महतो कमलेश ने कहा कि 2025 का वर्ष संगठन सशक्तिकरण का वर्ष है आने वाले कुछ दिनों में हम एक और चुनावी परीक्षा की घड़ी से गुजरेंगे इस परीक्षा मे पास करने के लिए हमें एक दूसरे का साथ देना होगा। नगर निकाय चुनाव में हमारी जीत होती है तो यह संगठन के लिए बेहतर होगा क्योंकि नगर निकाय चुनाव वार्ड स्तर से होते हैं और संगठन की पहली सीढ़ी ही वार्ड स्तर से शुरू होती है। सह प्रभारी सिरिबेला प्रसाद ने कहा कि संगठन की मजबूती के लिए हमें नए लोगों की भर्तियां करनी होगी कांग्रेस के विचारों से लोगों को अवगत कराना होगा सरकार के कार्यकाल के दौरान सरकार की और कांग्रेस की उपलब्धियों को जनता को बताना होगा ताकि हम जनता का भरोसा जीतने में कायम हो सके। कांग्रेस विधायक दल नेता प्रदीप यादव ने कहा कि सभी मंत्री और विधायक अपने कार्यों से जनता का दिल जीते और कार्यकताओं को प्राथमिकता दें कार्यकर्ता मजबूत होंगे तो संगठन मजबूत होगा संगठन के नेताओं कार्यकताओं को चाहिए की जनता के पास जाएं उनकी समस्याओं को जाने और उसके निराकरण की दिशा में प्रशासनिक और सरकारी स्तर पर पहल करें ताकि लोग हमसे जुड़ते चले। कांग्रेस की मजबूती के लिए समाज के सभी वर्गों को साथ लेकर चलना जरूरी है, सामाजिक समीकरणों के हिसाब से भी संगठन की मजबूती की दिशा में काम करना चाहिए।

बैठक में प्रमुख रूप से सह प्रभारी सिरिबेला प्रसाद वित्त मंत्री राधाकृष्ण किशोर शिल्पी नेहा तिर्की पूर्व प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष डॉ रामेश्वर उरांव, प्रदीप कुमार बलमुचू, पूर्व केंद्रीय मंत्री सुबोधकांत सहाय, अनूप सिंह, ममता,देवी, सुरेश बैठा, नमन विक्सल कौनगाड़ी, सोनाराम सिंकू, रामचंद्र सिंह रविंद्र सिंह संजय लाल पासवान शहजादा अनवर केएन त्रिपाठी,मंजूर अहमद अंसारी,सतीश पाल मुजनी,बंधु तिर्की, बादल पत्रलेख,रियाज अंसारी,अभिलाष साहू जेपी भाई पटेल,बलजीत सिंह बेदी,बृजेंद्र सिंह, सुल्तान अहमद बन्ना गुप्ता अंबा प्रसाद अनवार अहमद अंसारी राम खलको भीम कुमार गजेंद्र सिंह उपस्थित थे।

सुप्रभात
रांची, मंगलवार
04.02.2025
नगर संस्करण। पेज : 12

धरती आबा की ऊर्जावान भूमि से प्रकाशित लोकप्रिय दैनिक

खबर मन्त्र

रांची और धनबाद से एक साथ प्रकाशित
सबकी बात सबके साथ

khabarmantralive.com
khabarmantra.net
माघ, शुक्ल पक्ष, षष्ठी-सप्तमी, संवत् 2081
मूल्य : ₹ 3 । वर्ष : 12 । अंक : 204

राज्यभर में सरस्वती पूजा की धूम

न्यूज डायरी

दिल्ली में थमा चुनावी शोर, पांच को मतदान

नयी दिल्ली। दिल्ली में विधानसभा चुनाव के लिए करीब एक महीने तक चला चुनावी शोर थम गया। विधानसभा की 70 सीटों पर पांच फरवरी को मतदान होगा। चुनाव नतीजे आठ फरवरी को आयेंगे। इस बार 699 प्रत्याशी मैदान में हैं।

मां शारदे की भक्ति में डूबा झारखंड

रांची। वसंत पंचमी पर सोमवार को झारखंड समेत राजधानी रांची मां शारदे के भक्ति में डूबी रही। रांची के विभिन्न गली मोहल्लों में सुबह से विद्यर्थियों का उत्साह देखते बन रहा है। बच्चे नहा धोकर मोहल्लों में स्थापित मां सरस्वती की प्रतिमा की पूजा अर्चना की तैयारी में जूट गये। पंडालों में आचार्य ने विधिवत पूजा अर्चना करायी। मां सरस्वती का फूल, ऋतुफलं, धूप और दीप दिखाकर पूजा की गयी।

तीसरी आंख

केंद्र सरकार को सिर्फ पूंजीपतियों की चिंता, गरीबों की नहीं : हेमंत सोरेन

केंद्र शीघ्र बकाया दे, नहीं तो होगा हूल

खबर मन्त्र संवाददाता

रांची, दुमका। मुखय्मंत्री हेमंत सोरेन केंद्र सरकार पर झारखंड की उपेक्षा करने का आरोप लगाया और कहा कि खनिज संपदा और रेल रेवेन्यू से इस राज्य से केंद्र सरकार को बड़ा राजस्व मिलता है, लेकिन हमें कुछ नहीं मिलता है। केंद्र सरकार को सिर्फ देश के पूंजीपतियों की चिंता है। बजट में भी यह दिखा। केंद्र सरकार सभी प्रदेशों के माई-बाप है, उन्हें तो सब पर बराबर नजर रखनी चाहिए। केंद्र सरकार के पास हमारा जो कुल 1 लाख 36 हजार करोड़ रुपये का बकाया है, हमें वह भी नहीं मिल रहा। श्री सोरेन दुमका में आयोजित पार्टी के स्थापना दिवस समारोह में रविवार की देर रात बोल रहे थे। इस मौके पर पार्टी के तमाम नेताओं ने कहा, अब केंद्र से बकाया राशि लेने के लिए आंदोलन (हूल) होगा।

केंद्र की नजर सिर्फ खनिज संपदा पर : केंद्र सरकार की नजर यहां की खनिज संपदा पर है और वह इसे लूटना चाहती है। जब डबल इंजन की सरकार थी तब ना जाने कितना लूटा भी। कल्पना ने कहा कि आने वाले दिनों में हमलोग झारखंड से निकल कर देश के अन्य राज्यों में भी अपनी पार्टी का विस्तार करेंगे।

खनिज भेजना रोक देंगे : बसंत सोरेन : समारोह में दुमका विधायक बसंत सोरेन ने कहा कि केंद्र सरकार झारखंड का बकाया देने में आनाकानी कर रही है। लेकिन हम अपना हक लेना जानते हैं। अगर केंद्र सरकार नहीं मानती है तो खनिज पदार्थ का एक टुकड़ा भी राज्य से बाहर जाने नहीं देंगे।

आदिवासी यहां आयें, हम बसायेंगे: सोरेन : सीएम हेमंत सोरेन ने कहा कि असम में झारखंड के 20 प्रतिशत आदिवासी समाज के लोग रहते हैं लेकिन उन्हें वहां आदिवासी का दर्जा प्राप्त नहीं है। उन्हें उनका हक नहीं मिल रहा है। संथाली भाषा में उन्होंने मंच से ऐलान किया कि देश के किसी कोने में जहां आदिवासी समाज के लोग रह रहे हैं आप यहां आयें, हम आपको बसायेंगे।

हो जायें अब आंदोलन को तैयार: कल्पना

इस मौके पर सीएम की पत्नी व विधायक कल्पना सोरेन और भाइ बसंत सोरेन समेत तमाम नेताओं ने बकाया राशि को ले कर आंदानन आंदोलन का एलान किया है। कल्पना सोरेन ने कहा कि केंद्र सरकार के पास झारखंड का जो करोड़ों रुपये बकाया है, उसे पाने के लिए आप सभी हूल (आंदोलन) के लिए तैयार रहें। झारखंड की यह धरती आंदोलन और संघर्ष की धरती है। गुरुजी शिबू सोरेन ने वर्षों पहले महाजनी प्रथा के खिलाफ आंदोलन कर हमें यह राह दिखायी है। झारखंड में अभी आंदोलन थमा नहीं है। हमारा आंदोलन अपने बकाया राशि की प्राप्ति को लेकर होगा।

महिलाओं को सशक्त बना रही सरकार : सीएम

सीएम श्री सोरेन से सोमवार को दुमका के खिजुरिया स्थित आवास पर विभिन्न क्षेत्रों से पहुंचे आम लोगों ने भेंट की और कर अपनी समस्याएं सुनायी। सीएम ने लोगों की समस्याओं के शीघ्र निराकरण करने का निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिये। इस मौके पर उन्होंने कहा, यह अबुआ सरकार है। आप सभी के आशीर्वाद से राज्य में फिर मजबूत सरकार बनी है। आपकी समस्याओं का निराकरण सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल है। सीएम ने कहा, मुख्यमंत्री मंईयां सम्मान योजना के माध्यम से राज्य में महिलाओं को सशक्त बनाने का कार्य किया जा रहा है। हमारी सरकार ने जो भी वादे किये हैं, उन सभी वादों को पूरा करते हुए राज्य को सकारात्मक दिशा की ओर ले जाने का काम कार्य हो रहा है।

सीबीआइ जांच में नैक की रेटिंग में घोटाले का खुलासा

झारखंड व आंध्र में छापा वीसी समेत 10 गिरफ्तार

खबर मन्त्र ब्यूरो

रांची। सीबीआइ की जांच में नेशनल असेसमेंट एंड एक्रेडिटेशन काउंसिल (नैक) की रेटिंग में बड़ा घोटाले सामने आया है। इस मामले को लेकर सीबीआइ की टीम ने लगातार दो दिनों तक झारखंड से लेकर आंध्रप्रदेश तक छापेमारी की। सीबीआई ने आंध्रप्रदेश के गुंटूर में स्थित कोनेरु लक्ष्मैया एजुकेशन फाउंडेशन के पदाधिकारियों और नैक निरीक्षण टीम के अध्यक्ष, समन्वयक व सदस्यों समेत 10 लोगों को गिरफ्तार किया है। इनमें पलामू स्थित निजी शिक्षण संस्थान रामचंद्र चंद्रवंशी युनिवर्सिटी के कुलपति भी शामिल हैं। रामचंद्र चंद्रवंशी विश्वविद्यालय के कुलपति समरेन्द्र नाथ साहा नैक निरीक्षण समिति के अध्यक्ष हैं।

घूस के बल पर रेटिंग बढ़ाना की साजिश : सीबीआई की जांच में पता चला है कि आंध्र प्रदेश का शिक्षण संस्थान केएलईएफ रिश्वत देकर ए प्लस प्लस रेटिंग हासिल करने की कोशिश कर रहा था।

(शेष पेज 11 पर)

रांची-टाटा रोड पर हादसा, दो की मौत

रांची। टाटा मुख्य मार्ग पर कार और ट्रेलर की भिड़ंत में दो लोगों की मौत हो गयी। यह भीषण हादसा तमाड़ थाना क्षेत्र के रड़गांव के पास हुआ। मृतकों में जमशेदपुर के गोलमुरी निवासी रितु राज कुमार (25) और जान्हवी कुमारी (20) शामिल हैं। रितु राज की बहन रोहिणी सिंह गंभीर रूप से घायल हैं। ये लोग एक कार रांची में एक शादी समारोह में भाग ले कर जमशेदपुर लौट रहे थे। टक्कर इतनी भीषण थी कि कार चकनाचूर हो गयी। कार में सवार तीनों लोग कार में फंस गये।

अमृत स्नान पर नागा साधुओं का अद्भुत प्रदर्शन

संगम में डुबकी लगाने पांच को आयेंगे पीएम मोदी

प्रयागराज(एजेंसी)। महाकुंभ में सोमवार को बसंत पंचमी के अमृत स्नान पर करीब ढाई करोड़ श्रद्धालुओं ने आस्था की डुबकी लगायी। सरकार को देर रात तक पांच करोड़ लोगों के डुबकी लगाने का अनुमान है। सोमवार को 13 अखाड़ों का तीसरा और अंतिम अमृत स्नान था। अमृत स्नान के दौरान नागा साधुओं का अद्भुत प्रदर्शन श्रद्धालुओं के लिए आकर्षण का केंद्र बना। त्रिवेणी तट पर इन साधुओं की पारंपरिक और अद्वितीय गतिविधियों ने सभी का ध्यान अपनी ओर खींचा। इन नागा साधुओं का अनुशासन और उनका पारंपरिक शस्त्र कौशल देखने लायक था। कभी डमरू बजाते हुए तो कभी भाले और तलवार लहराते हुए, इन साधुओं ने युद्ध कला का अद्भुत प्रदर्शन किया। लाठियां भांजते और अठखेलियां करते हुए ये साधु अपनी परंपरा और जोश का प्रदर्शन कर रहे थे। नगाड़ों की गूंज के बीच उनके जोश ने इस अवसर को और भी खास बना दिया। त्रिशूल और डमरू के साथ उनके प्रदर्शन ने यह संदेश दिया कि महाकुंभ केवल धार्मिक आयोजन नहीं, बल्कि प्रकृति और मनुष्य के मिलन का उत्सव है।

कल आयेंगे मोदी, सिर्फ डुबकी लगायेंगे : महाकुंभ में स्नान के लिए बुधवार पांच फरवरी को पीएम मोदी प्रयागराज आ रहे हैं। उनके प्रोटोकॉल में बदलाव हो गया है। उनका कार्यक्रम बेहद छोटा कर दिया गया है। पीएम मोदी अब केवल एक घंटा ही प्रयागराज में रहेंगे।

(शेष पेज 11 पर)

यूएई में झामुमो की धमक, मनाया स्थापना दिवस

रांची। दुबई में झारखंड के विभिन्न जिलों से आए झामुमो समर्थकों ने झारखंड मुक्ति मोर्चा का स्थापना दिवस मनाया। इस अवसर पर सभी ने नई सरकार के गठन के लिए हेमंत सोरेन और कल्पना सोरेन को बधाई दी। वक्ताओं ने उम्मीद जताई कि मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के नेतृत्व में झारखंड वासियों का और राज्य का चौमुखी विकास होगा। उन्होंने कहा कि हेमंत सोरेन भारत में आदिवासियों और मूलवासियों के सबसे बड़े नेतृत्वकर्ता के रूप में उभरे हैं। यूएई में बसे झारखंडी उद्यमियों ने कहा कि वे राज्य में निवेश करने के लिए तैयार हैं। उन्होंने कहा कि राज्य में उद्योग, पर्यटन, स्वास्थ्य और शिक्षा के क्षेत्रों में निवेश की असीम संभावनाएं हैं।

शहर में सरस्वती पूजा की धूम

पूजा पंडालों में ज्ञान की देवी की पूजा-अर्चना शुरू

खबर मन्त्र संवाददाता

रांची। सोमवार वसंत पंचमी पर मां सरस्वती की प्रतिमाएं शहर के पूजा पंडालों में स्थापित कर पूजा अर्चना की गयीं। विभिन्न शैक्षणिक संस्थानों, चौक-चौराहों सहित रिम्स में मां सरस्वती की धूम है।

पूजा में विद्यार्थी, शिक्षक, संगीतकार-कलाकार, लेखक-पत्रकार समेत आम लोग शामिल रहे। विभिन्न स्थानों पर मां सरस्वती की प्रतिमा को विशेष रूप से सजाया गया है।

मां सरस्वती के चरणों में फल-फूल अर्पित किये गये

ज्ञान, संगीत, कला और शिक्षा की देवी मां सरस्वती के चरणों में फल-फूल अर्पित किये गये। प्रसाद स्वरूप सेब, केला, बेर, बुंदिया, नारियल, इलाइची दाना, बादाम, सूजी से बना हलुआ सहित दूध, घी, शहद और गंगाजल को मिलाकर बनाया गया पंचामृत मां को अर्पित कर पूजा की गयी।

सुबह सात बजे से शुरू हो गयी मां सरस्वती की पूजा : मां सरस्वती की पूजा सुबह सात बजे से शुरू हो गयी। शाम तक सामूहिक रूप से पूजा पाठ होगा। सरस्वती मां की मूर्ति को विशेष रूप से सजाया गया है। जहां पर मां सरस्वती की प्रतिमाएं विराजमान की गयी हैं। वहां फूल मालाएं और वृक्षों के पत्तों से स्टेज को संवारा-सजाया गया है। पूजा पंडालों के मुख्य द्वार को फूल-मालाओं और विद्युत लाइटों से सजाया गया है। डीजे साउंड पर भक्ति गीत बजाये जा रहे हैं।

विद्यार्थी पाठ्य पुस्तकें मां सरस्वती के समक्ष रखकर ज्ञान और बुद्धि की कर रहे कामना

विद्या की लक्ष्मी मां सरस्वती की आराधना में विद्यार्थी बढ़-चढ़ कर हिस्सा लिये। विद्यार्थी अपनी पाठ्य पुस्तकें और लेखन सामग्री मां सरस्वती की प्रतिमा के समक्ष रख कर पूजा किये। मां से ज्ञान और बुद्धि की कामना कर रहे हैं। पूजा के बाद प्रसाद का वितरण किया गया। पूजा के बाद सरस्वती मां की प्रतिमाओं का विसर्जन पांच फरवरी को शाम में नदियों और तालाबों में किया जायेगा।

विश्व कैंसर दिवस पर पारस हॉस्पिटल ने लोगों को जागरूक रहने की दी सलाह

खबर मन्त्र संवाददाता

रांची। कैंसर जैसी बीमारी और इसकी गंभीरता के बारे में लोगों को जागरूक करने के मकसद से हर साल चार फरवरी को विश्व कैंसर दिवस मनाया जाता है। इस वर्ष 2025 में विश्व कैंसर दिवस की थीम यूनाइटेड बाय यूनिक है, जो कैंसर के खिलाफ लड़ाई में व्यक्तिगत, रोगी-केंद्रित देखभाल की महत्वपूर्ण भूमिका को परिभाषित करती है। पारस हॉस्पिटल के अन्कोलॉजी विभाग के डॉ गुंजेश कुमार सिंह ने कैंसर के प्रति लोगों को जागरूक रहने की सलाह दी है। उन्होंने कहा कि हमें कैंसर से डरना नहीं बल्कि लड़ना है। हमारे गलत लाइफस्टाइल, खानपान, स्मोकिंग, ड्रिंकिंग, प्रदूषण, पेस्टिसाइड केमिकल से संक्रमित भोजन का सेवन कैंसर के प्रमुख कारण है। बेशक कैंसर एक खतरनाक बीमारी है लेकिन जीवन शैली में बदलाव और कैंसर बढ़ाने वाले रिस्क फैक्टर को दूर कर इसके 30 से 50 प्रतिशत खतरे से बचा जा सकता है।

सुबोधकांत सहाय ने किया इंडिपेंडेंस क्लब के सरस्वती पूजा पंडाल का उद्घाटन

रांची। पूर्व केंद्रीय मंत्री सुबोधकांत सहाय ने बतौर मुख्य अतिथि सोमवार को एचईसी आवासीय परिसर के सेक्टर-3 स्थित इंडिपेंडेंस क्लब के सरस्वती पूजा पंडाल का उद्घाटन किया। इस अवसर पर श्री सहाय ने ज्ञान की देवी मां शारदे की पूजा-अर्चना कर प्रतिमा के पट का अनावरण किया। इसके साथ ही विधिवत पूजा अनुष्ठान के साथ श्रद्धालुओं के लिए मां सरस्वती का पट खोल दिया गया। इस दौरान इंडिपेंडेंस क्लब के संयोजक आदित्य ने उन्हें पुष्पगुच्छ देकर उनका स्वागत किया। जैसे ही उन्होंने माता सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्ज्वलित किया, उसी क्षण मां सरस्वती की प्रतिमा के मुखावरण का उद्घाटन किया गया। तत्पश्चात मां सरस्वती को चुनरी अर्पित की गई, जिससे पूरा माहौल भक्तिमय हो गया। पूजा के आयोजन में इंडिपेंडेंस क्लब के हर्ष कुमार, उत्कर्ष चौहान, कृष श्रीवास्तव, वैभव पांडेय, जीत, पीयूष गिरी, रुद्र, नितिन, यश, वैभव सिंह सहित अन्य सदस्यों ने सरस्वती पूजा के आयोजन को सफल बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

ईस्टर्न रीजनल कॉन्फ्रेंस 14 से

रांची। एनआईपीएम रांची चैप्टर के द्वारा ईस्टर्न रीजनल कॉन्फ्रेंस का आयोजन 14 और 15 फरवरी को किया जायेगा। कॉन्फ्रेंस को लेकर सोमवार को ब्रॉशर का विमोचन किया गया। इस सम्मेलन में देशभर के एचआर, बिजनेस लीडर्स, शिक्षाविदों, शोधकर्ता एवं छात्र भाग लेंगे। कार्यक्रम की अध्यक्षता रांची चैप्टर के अध्यक्ष हर्षनाथ मिश्र ने की।

शैक्षणिक संस्थानों में विद्या की देवी मां शारदे की पूजा बड़े ही धूमधाम से की गयी

खबर मन्त्र संवाददाता

रांची। शैक्षणिक संस्थानो में प्रतिमा स्थापित कर विद्या की देवी मां सरस्वती की आराधना की गई। खासकर स्कूली बच्चों में सरस्वती पूजा को लेकर खासा उत्साह देखा गया। राजधानी के महिला कॉलेज, मारवाड़ी कॉलेज, रामलखन कॉलेज, सीआईटी सहित कई शैक्षणिक संस्थानों में सरस्वती पूजा का आयोजन किया गया।

रांची विश्वविद्यालय और श्यामा प्रसाद विश्वविद्यालय के हॉस्टल में हुई पूजा : रांची विश्वविद्यालय और श्यामा प्रसाद विश्वविद्यालय के हॉस्टल परिषद मोराबादी में सरस्वती पूजा का आयोजन किया गया। सुबह में सबसे पहले मां सरस्वती की पूजा अर्चना की गई और आरती के बाद प्रसाद का वितरण किया गया। इस मौके पर पूर्व उपमुख्यमंत्री सुदेश महतो, पूर्व शिक्षा मंत्री बंधू तिर्की, पूर्व सांसद रामटहल चौधरी ने भी मां सरस्वती का आशीर्वाद लिया। भक्तों की भीड़ और शानदार सजावट ने इस उत्सव को और भी खास बना दिया।

तिरुपति अपार्टमेंट में सरस्वती पूजा हर्षोल्लास के साथ मनायी गयी : कांके रोड स्थित तिरुपति अपार्टमेंट में मां सरस्वती पूजा का उत्सव बड़े ही उमंग एवं आस्था के साथ मनाया गया। सुबह तिरुपति अपार्टमेंट में मां सरस्वती की प्रतिमा स्थापना की गई तथा अपार्टमेंट के महिलाओं-पुरुषों एवं बच्चों द्वारा शिक्षा, कला और संगीत की देवी मां सरस्वती की पूजा-अर्चना पूरे विधि- विधान से की गई। पूजा के दौरान विशेष रूप से विद्यार्जन, कला और संगीत से संबंधित वस्तुएं जैसे किताबें, वाद्य यंत्र पूजा स्थल में रखा गया। पूजा के उपरांत प्रसाद वितरण किया गया।

आनंद ग्राम में हुई पूजा : आनंद ग्राम मोराबादी मैदान रोड नंबर 1 में डॉ प्रणव कुमार बब्बू अधिवक्ता एवं भाजपा नेता के आवास पर धूमधाम से सरस्वती पूजा का आयोजन किया गया।

बालाजी मंदिर में बसंत पंचमी पर हुआ महाभिषेक

रांची। तिरुपति बालाजीद्ध मंदिर में सोमवार को वाणी पूजन वसंतोत्सव के उपलक्ष्य पर विशेष महाभिषेक हुआ। मंगलाशासन के बाद पांचरात्र आगम विधि से दीप, तुलसी दल और फूलों से समाकीर्ण दिव्य सुगंधित युक्त तथा धूप से सौरभ तिरुवाराधना की गयी। फिर कृपातरंग मन्दहास्ययुक्त मुखवाले भगवान का दूध, दही, हल्दीचूर्ण, सुगंधित चंदन, शहद, गंगाजल आदि औषधिये पदार्थों से क्रमवद्ध तरिके से महाभिषेक हुआ। इसके उपरान्त भगवान के चारों व्यूह के वाहन गरुड़जी और भगवान के द्वारपाल जय और विजय सभी विग्रहों को दिव्य रेशमी वस्त्रों से आवृत करके सुंदर आभूषणों के समुदाय से अलंकार हुआ। फिर सुवासित पुष्पराशियों से भव्य श्रृंगार निवेदन करके 27 नक्षत्रसमूह की वाती से महाआरती की गयी। फिर भगवान को केसरिया पोंगल, फुल्हेरा चावल, फल और मेवे का बाल भोग लगा । तदन्तर स्तोत्रमाला से स्तवन हुआ। महाभिषेक के यजमान राजेश सुल्तानिया, रेखा सुल्तानिया हुये । अर्चक गोपेश आचार्य और नारायण दास जी ने मिलकर दिनभर के अनुष्ठान को विधिवत संपन्न कराया ।

दस साल में झारखंड का रेलवे बजट हुआ 16 गुना

- 57 अमृत स्टेशनों पर खर्च हो रहे 2134 करोड़ रुपये

खबर मन्त्र संवाददाता

रांची। पिछले 10 वर्षों में (2009-14 से 2025-26) झारखंड में रेलवे का बजट सोलह गुना हो चुका है। नयी दिल्ली से वीडियो कॉन्फ्रेंस के जरिए अलग-अलग रेल मंडल के पदाधिकारियों को जानकारी देते रेल मंत्री (यूनियन) अश्वनी वैष्णव ने कहा कि इस बार के बजट में झारखंड में रेलवे के लिए अच्छे प्रयास हुए हैं।

पिछले दस सालों की तुलना में 457 करोड़ रुपए से बजट 7302 करोड़ का हो चुका है जो सोलह गुना है। साथ ही उन्होंने झारखंड में रेलवे के 100% इलेक्ट्रिफाइड होने पर खुशी जाहिर की। इसके बाद डीआरएम जसमीत एस बिंद्रा ने मीडिया को विस्तृत जानकारी देते कहा कि 2009-14 के दौरान प्रतिवर्ष औसतन 57 किमी नये ट्रैक बिछाए गये जबकि 2014-25 के दौरान 119 किमी जो दोगुने से भी अधिक है। इसी अवधि में 100 फीसदी विद्युतीकरण का कार्य भी झारखंड में हुआ। 2014 से अबतक राज्य में 1311 किमी नये ट्रैक बिछाए गये।

राज्य में फिलहाल नये ट्रैक बिछाने को 34 प्रोजेक्ट चल रहे हैं। 3251 किमी के इन ट्रैक के बिछाए जाने पर 56694 करोड़ रुपए व्यय होंगे। 57 अमृत स्टेशनों को विकसित किये जाने का कार्य जारी है, जिस पर 2134 करोड़ की लागत आनी है। कवच के लिए 400 टेंडर/वर्क्स प्रोग्रेस में हैं जिस पर 1693 करोड़ की लागत आनी है। 2014 से अबतक राज्य में 445 रेलवे फ्लाईओवर और अंडर ब्रिज बनाये गए हैं। झारखंड से 12 वंदे भारत ट्रेन अलग-अलग राज्यों (बिहार, पश्चिम बंगाल, ओड़िशा) के लिए चलाई जा रही है जो राज्य के 14 जिलों से 22 स्टेशनों पर सेवा देते चलायी जा रही है।

रांची, हटिया और टाटानगर रेलवे स्टेशन को वर्ल्ड क्लास बनाया जा रहा है जिस पर कुल लागत 1147 करोड़ की आनी है। रांची स्टेशन के लिए 444 करोड़, हटिया के लिए 355 और टाटानगर के लिए 348 करोड़ रुपए तय हैं। मौके पर रेलवे अधिकारी निशांत कुमार, लक्ष्मण कुमार, हेमराज मीणा, साकेत कुमार सहित अन्य भी मौजूद थे।

खबर एक नजर में

शारदा ग्लोबल स्कूल में धूमधाम से हुई विद्या की अधिष्ठात्री देवी सरस्वती की पूजा

रांची। सोमवार को बुकरू, कांके स्थित शारदा ग्लोबल स्कूल में विद्या की देवी हंसवाहिनी मां सरस्वती की पूजा मंत्रोच्चारण एवं आरती द्वारा सम्पन्न हुई। छात्रों ने माँ भारती की पूजा 'या देवी सर्वभूतेषु बुद्धिरुपेण संस्थिता, नमस्तस्यै नमस्तस्यै नमस्तस्यै नमो नमः' का गान कर बुद्धि, बल एवं यश की कामना की। मंत्रोच्चार के बीच मां हंसवाहिनी की विधिवत पूजा की गई। पूजा स्थल पर विद्यालय के डायरेक्टर दीपक बंका, श्रीमती दीपा बंका, डायरेक्टर एकेडमिक्स डॉ. रंजना स्वरुप, प्राचार्या जसमीत कौर, शिक्षक वृन्द एवं छात्रगण उपस्थित थे। सभी ने मां सरस्वती से विद्या एवं उज्ज्वल भविष्य की प्रार्थना की।

ईस्टर्न कॉलेज ऑफ नर्सिंग एंड हेल्थ स्टडीज में धूमधाम से मनी सरस्वती पूजा

रांची। कटहल मोड़ स्थित ईस्टर्न कॉलेज ऑफ नर्सिंग एंड हेल्थ स्टडीज में सोमवर को सरस्वती पूजा (बसंत पंचमी) बड़े हर्षोल्लास के साथ मनायी गयी। वहां पर उपस्थित सभी जीएनएम नर्सिंग की छात्र-छात्राओं ने श्रद्धापूर्वक पूजा-अर्चना की एवं मां शारदे से अपने सफल तथा मंगल जीवन की कामनाएं की। पूजा के दौरान वहां पर नीलम कुमारी, नितेश ठाकुर, राकेश कुमार, सेजल कुमारी, धीरज कुमार, लाडली कुमारी, अमृता कुमारी तथा समस्त छात्र-छात्राएं उपस्थित थे।

सरस्वती शिशु विद्या मंदिर धुर्वा में धूमधाम से मनाई गई सरस्वती पूजा

रांची। सरस्वती शिशु विद्या मंदिर धुर्वा में सरस्वती पूजा धूमधाम से मनाई गई। इस अवसर पर प्राचार्य ललन कुमार ने पूजन आरती कर मां सरस्वती का आशीर्वाद लिया। इस पूजन उत्सव पर शिशु विकास मंदिर समिति के माननीय सदस्य, आचार्य गण, भैया बहनों ने पूरे मनोभाव एवं निष्ठा के साथ मां सरस्वती की वंदना एवं आराधना की। तत्पश्चात पुष्पांजलि एवं मां सरस्वती की आरती की गई। नन्हे बच्चों का अक्षरांभ कराया गया तथा सभी के बीच प्रसाद वितरण किया गया। इस अवसर पर विद्यालय परिसर में कक्षा 6 के भैया द्वारा भारत माता मंदिर की विद्यालय में न्यू रखी गई। संध्या काल में आरती पूजन किया गया। इस अवसर पर शिशु विकास मंदिर समिति के अध्यक्ष शक्ति नाथ लाल दास, मंत्री अखिलेश्वर नाथ मिश्र, सह मंत्री डॉ धनेश्वर महतो, कोषाध्यक्ष एस वेंकटरमन, सत्यनारायण पांडे, श्रीमती दीपा रानी कुंज, हरि नारायण, उप प्राचार्य सुश्री मीना कुमारी, प्रभारी राकेश पांडे, प्रभारी श्रीमती शुभश्री तिवारी उपस्थित रहे।

बायोम में मां सरस्वती की हुई आराधना

रांची। बायोम इंस्टीट्यूट में सोमवार को मां सरस्वती की पूजा हुई। संस्था के विद्यार्थियों ने आयोजन में बढ़चढ़ कर हिस्सा लिया। पूजा के मौके पर विद्यार्थी पारंपरिक परिधान में पहुंचे और मां सरस्वती की पूजा कर विद्या दान मांगा। पूजा के बाद संस्था में प्रसाद वितरण किया गया। वहीं शाम को सांस्कृतिक संध्या का आयोजन हुआ, जहां संस्था के विद्यार्थी और शिक्षक शामिल हुए। आयोजन को सफल बनाने में संस्था के निदेशक सह एमडी पंकज सिंह समेत अन्य का सहयोग रहा।

सीएमपीडीआई में अंतर कंपनी कैरम टूर्नामेंट शुरू

रांची। सीएमपीडीआई के रबींद्र भवन में आयोजित तीन दिवसीय कोल इंडिया अंतर कंपनी कैरम टूर्नामेंट सोमवार से शुरू हो गया। संस्थान के अध्यक्ष सह प्रबंध निदेशक मनोज कुमार ने इसका उद्घाटन किया। यह प्रतियोगिता 5 फरवरी तक चलेगी। इसमें सिंगल्स एवं डबल्स ओपन और टीम चैंपियनशिप का मुकाबला होगा। इस टूर्नामेंट में सीएमपीडीआई (मुख्यालय) सहित होल्डिंग कंपनी कोल इंडिया लिमिटेड, ईसीएल-संकटोरिया, बीसीसीएल, सीसीएल, डब्ल्यूसीएल, एसईसीएल, एनसीएल, एमसीएल व एससीसीएल की टीमें हिस्सा ले रहीं हैं। प्रबंध निदेशक मनोज कुमार ने कहा कि यह टूर्नामेंट अंतर कंपनी के खिलाड़ियों से मिलने, विचार एवं अनुभव साझा करने तथा खेलने का मंच प्रदान करता है। उन्होंने कहा कि खेल न केवल शारीरिक स्वास्थ्य प्रदान करता, बल्कि यह मानसिक रूप से सबल बनाता है। खेल भावना में हार-जीत का कोई स्थान नहीं होता है। खेल हमें बेहतर करने का प्रेरणा व उत्साह उत्पन्न करता है। मौके पर तकनीकी पीएंडडी/आरडीएंडटी निदेशक अजय कुमार, जेसीसी सदस्य अशोक यादव, आर पी सिंह व देवेन्द्र तिवारी, कार्मिक महाप्रबंधक संजय कडम्बार, मुख्यालय व क्षेत्रीय संस्थान-3-रांची के महाप्रबंधक सहित अन्य उपस्थित थे।

सीआरपीएफ के जवान को 10 साल की सजा

रांची। सिविल कोर्ट रांची के अपर न्यायायुक्त की अदालत ने शादी का झांसा देकर लगातार महिला साथी से शारीरिक संबंध बनाने के मामले में सीआरपीएफ के जवान अमित उरांव को दोषी करार कर 10 साल कैद की सजा सुनाई है। साथ ही उस पर 10 हजार रुपए का जुर्माना भी लगाया है। जुर्माने की राशि नहीं देने पर उसे अतिरिक्त 12 महीने जेल काटनी होगी। अभियुक्त लोहरदगा के कुडू थाना निवासी है। घटना को लेकर पीड़िता ने नगड़ी थाना में 15 मार्च 2019 को नामजद प्राथमिकी दर्ज कराई थी। जिसमें कहा गया था कि अभियुक्त अमित उरांव का सीआरपीएफ में 2017 में चयन हुआ था। वह प्रशिक्षण के लिए चला गया और अप्रैल 2018 में आया। अभियुक्त और पीड़िता रॉक गार्डेन आई थी। जहां अभियुक्त ने शारीरिक संबंध बनाया। इसके बाद शादी का झांसा देकर संबंध बनाता रहा। बाद में शादी से मुकर गया। मामले में सुनवाई के दौरान एपीपी ने पीड़िता समेत 4 गवाहों की गवाही दर्ज कराई थी। पीड़िता ने घटना का समर्थन किया। जिसके आधार पर अदालत ने सजा सुनाई है।

मारवाड़ी युवा मंच समर्पण शाखा की आमसभा आयोजित

रांची। समर्पण शाखा की साधारण सभा की बैठक सोमवार को हुई। बैठक की अध्यक्षता शाखा अध्यक्ष विनीता सिंघानिया ने की। बैठक में आगामी कार्यक्रमों के अंतर्गत कृत्रिम अंग प्रत्यारोपण शिविर, कैंसर डे, गौ सेवा, रक्तदान शिविर, स्वास्थ्य जांच शिविर, जन सेवा से संबंधित कार्यकमों के आयोजन पर चर्चा की गई। साधारण सभा की बैठक में सचिव शुभा अग्रवाल, पूर्व अध्यक्ष सुमिता लाठ, मीना टाईवाला, विनीता विहानी, ज्योति अग्रवाल कार्यकारिणी सदस्य रितु पोद्दार, पूजा अग्रवाल, दिशा जैन, सौम्य सामंतों, स्मिता अग्रवाल, रंजू मालपानी, सदस्य पिंकी शर्मा, संगीता पोद्दार, अनीता सोमानी, वेदिका सिंघानिया, सोनम शर्मा, कविता जालान, पायल जैन उपस्थित थी। यह जानकारी मीडिया प्रभारी सरिता बथवाल ने दी।

कैंब्रियन पब्लिक स्कूल में एनुअल स्पोर्ट्स मीट आयोजित

- जूबिलेशन-2025 में संकल्पों की सिद्धि का जज्बा, सामंजस्य और समन्वय दिखा

खबर मन्त्र संवाददाता

रांची। 'चैंपियंस इन द मेकिंग' के सूत्र वाक्य को साकार करने के जज्बे के साथ शनिवार को कांके रोड स्थित कैंब्रियन पब्लिक स्कूल में एनुअल स्पोर्ट्स मीट जूबिलेशन-2025 का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन बतौर मुख्य अतिथि झारखंड सरकार में आपदा प्रबंधन विभाग के सचिव राजेश कुमार शर्मा ने किया। उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि कक्षा में पढ़ाए जानेवाले पाठ्यक्रमों के अलावा खेल के मैदान में प्राप्त शिक्षा और अनुभव विद्यार्थियों को जीवन भर काम आता है।

प्राचार्या डॉ. नीता पांडेय ने अतिथियों का स्वागत एवं विद्यालय का वार्षिक प्रतिवेदन प्रस्तुत किया। उपप्राचार्या प्रेमलता कुमारी ने अतिथियों का परिचय कराया। उन्होंने विद्यार्थियों के समग्र और निरंतर विकास में स्कूल की भूमिका पर प्रकाश डाला।

जूबिलेशन -2025 में संकल्पों को सिद्ध करने की प्रेरणा, आपसी सहयोग और परस्पर सामंजस्य का जज्बा दिखा। बच्चों ने फिटनेस, स्वस्थ जीवन और टीमवर्क पर आधारित कई आकर्षक प्रस्तुतियां दी। पीयूष मिश्रा रचित आरंभ है प्रचंड शीर्षक गीत के माध्यम से बच्चों ने शारीरिक सुरक्षा के महत्त्व को दर्शाया। बच्चों ने शरीर और मन को स्वस्थ रखने वाले विभिन्न योग मुद्राओं का प्रदर्शन किया। कैंब्रियन टूप के मार्च पास्ट का नेतृत्व शैलेश अनीस हेंब्रम और अनामिका सिंह ने किया। मार्च पास्ट में गंगा हाउस को चैंपियन जबकि सतलज हाउस को ओवर ऑल चैंपियन घोषित किया गया।

व्यक्तिगत स्पर्धाओं के लिए विभिन्न आयु वर्ग के विजेताओं को पुरस्कृत किया गया। दीपक मुंडा को स्टूडेंट ऑफ द ईयर, हेडबॉय अनमोल राज को बेस्ट रोल प्लेयर के खिताब से नवाजा गया। सोनाली कुमारी को एकेडमिक और रीमा कुमारी को-कोकरिकुलर एक्टिविटी में अच्छे प्रदर्शन के लिए पुरस्कृत किया गया। सानिया राजवंशी को बेस्ट एनसीसी कैडेट के खिताब से नवाजा गया। ईशान सिंह, मान्या गुप्ता, अदिति स्नेह, आद्रिका बनर्जी, रूप मलिक, कुमारी मीनाक्षी, सोनू कुमारी और मोनू कुमारी को जिला, राज्य एवं राष्ट्रीय स्तर के विभिन्न प्रतिस्पधाओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए बेस्ट अचीवर्स अवार्ड प्रदान किया गया।

जूबिलेशन-2025 का शुभंकर ' द हॉक ' है। यह एक बाज है जो तेज उड़ान, तेज नजर और तेज दिमाग का प्रतीक है। यह शुभंकर हर विषम परिस्थिति में जूझने की प्रेरणा देता है। कार्यक्रम का सूत्रवाक्य' चैंपियंस इन द मेकिंग' नई पीढ़ी को देश और दुनिया में अपनी पहचान स्थापित करने का संदेश देता है।

जूबिलेशन- 2025 के सफल आयोजन पर विद्यालय के संस्थापक पंचम सिंह ने सभी को बधाई दी। मौके पर भारत सरकार के ग्रामीण विकास मंत्रालय में हिंदी सलाहकार समिति के सदस्य एवं वरिष्ठ पत्रकार विनय कुमार, रामगढ़ के ज़िला खेल पदाधिकारी सह पर्यटन, कला एवं संस्कृति के नोडल अधिकारी मार्कस हेमरोम, श्रीमती आनंदमयी सिंह, जयवर्धन ठाकुर, हरिनंदन शर्मा एवं आरएस मीडिया के पंकज कुमार सिंह बतौर विशिष्ट अतिथि में मौजूद थे। कार्यक्रमों का संयोजन उप प्राचार्या प्रेमलता कुमारी, एक्टिविटी कॉर्डिनेटर मोनिका कुमारी और रौनक कुमार सिंह जबकि संचालन डॉ. अभयनाथ मिश्र, विनीत कौर और वाणी आनंद तथा छात्रों श्रीजा चौधरी, आशना रहमान और आदित्य कुमार ने धन्यवाद ज्ञापन किया।

आम बजट से आम लोगों को फायदा

रांची। आम बजट पर प्रतिक्रिया देते हुए सीए दिवलीन कौर ने बताया कि बजट 2025 टैक्स नियमों को सरल बनाने की दिशा में एक बड़ा कदम है। जिससे आम लोगों को फायदा होगा। वेतनभोगी नहीं होने वाले व्यक्तियों के लिए सालाना बचत 62,400 की बचत होगी। साथ ही हर महीने करीब 5,200 की बचत होगी। वेतनभोगी लोगों को अतिरिक्त लाभ होगा। सरकार को भले ही राजस्व में कुछ कमी हो, लेकिन उसका मुख्य ध्यान मध्यम वर्ग को राहत और फायदा पहुंचाने पर है।

युवक की संदेहास्पद मौत, परिजनों ने दोस्त पर हत्या का लगाया आरोप

- परिजनों ने न्यायिक जांच एवं मुआवजे की मांग पर अड़े
- सड़क बंद कर पांच घंटे तक कोयला ढुलाई बंद रहा

खबर मन्त्र संवाददाता

खलारी। खलारी थाना क्षेत्र की सरना क्लब केडीएच ट्रांसपोर्टिंग पुल के नीचे रविवार की रात एक युवक की संदेहस्पद मौत हो गई। मृतक युवक की पहचान पिपरवार के बेंती गांव के बैजनाथ राम के रूप में हुई है। परिजनों के अनुसार बैजनाथ आरकेटीसी कम्पनी बचरा निजी कंपनी में काम करता था। रविवार की रात्रि 10:30 ऑफिस से फोन आया कि ड्यूटी से छुट्टी मिलने के बाद बैजनाथ के घर जाने के क्रम में केडीएच पुल के समीप दुर्घटना हो गया है। जानकारी मिलने के बाद परिजन और गांव वाले घटनास्थल में पहुंचकर आनन-फानन में बैजनाथ को लेकर डकरा अस्पताल लेकर पहुंचे। जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। इसके बाद परिजनो को पता चला कि मृतक बैजनाथ अपने दोस्त अफरोज के साथ मोटरसाइकिल में सवार होकर धाम धमिया आ रहा था। इसके बाद परिजनो ने सोमवार की सुबह 10 बजे से 3 बजे तक पांच घंटे रोड जाम कर बैजनाथ का हत्या कर शव फेंके जाने का आरोप लगाया और मामले का न्यायिक जांच एवं मुआवजे की मांग पर अड़े थे। सड़क बंद कर दिए जाने से पूरा कोयला ढुलाई पांच घंटे तक बंद रहा। बाद में मजदूर नेता अब्दुल्ला अंसारी, खलारी इंस्पेक्टर विजय कुमार सिंह लोगों से वार्ता करने पहुंचे। मृतक के पिता अरुण राम के लिखित शिकायत के बाद घटना के समय बैजनाथ के साथ मौजूद उसका दोस्त अफरोज अंसारी को गिरफ्तार कर लिया गया इसके बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए रांची भेजा गया और जाम हटाया गया मृतक गरीब परिवार से है और पिता राजमिस्त्री का काम करते हैं। घटना से पूरा परिवार मर्माहत है।

बैजनाथ दुर्घटना का शिकार हुआ है : अफरोज

खलारी बैजनाथ मेरे साथ बाइक पर था और दुर्घटना स्थल पर सड़क बहुत खराब है जिसके कारण बाइक असंतुलित हुआ और वह पास के नाला में गिर गया। यह कहना है अफरोज अंसारी का। दोनों बचरा से धमधमियां लौट रहे थे। बताया कि बैजनाथ आरकेटीसी कंपनी में काम करता था और बचरा रेलवे साइडिंग में ड्यूटी करता था हमलोग अच्छे दोस्त थे और घटना से खुद भी दुखी हैं लेकिन इसे कोई समझने को तैयार नहीं है।

मोटरसाइकिल में कोयला लोड कर ले जा रहे व्यक्ति की मौत

मुरी/सिल्ली। सिल्ली प्रखंड अंतर्गत सोमवार के दिन हलमाद निवासी कुलदीप गोराई उम्र 30 वर्ष अपने मोटरसाइकिल पर कोयला लोड कर जा रहे थे इसी क्रम में बरवाटोली में असंतुलित होकर एक गड्ढे में गिर गए जिससे वह घायल हो गए। घायल अवस्था में ग्रामीणों के द्वारा उन्हें इलाज हेतु सामुदायिक अस्पताल सिल्ली ले जाया जा रहा था परंतु अस्पताल लाने क्रम में ही उनकी मृत्यु हो गई। अस्पताल पहुंचते ही डॉक्टर के द्वारा उन्हें मृत घोषित कर दिया गया। तत्पश्चात सिल्ली पुलिस शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम हेतु रांची रिम्स भेज दिया।

खबर एक नजर में

मैक्लुस्कीगंज में बोलेरो ने बाइक को मारी ठोकर मौके पर युवक की मौत

खलारी। मैक्लुस्कीगंज थाना क्षेत्र के (मैक्लुस्कीगंज चंदवा मुख्य पथ) विकास नगर तोरण द्वार के नजदीक के पास बोलेरो ने बाइक सवार व्यक्ति को अपने चपेट में लिया,मौके पर हुई मौत। जानकारी के अनुसार बोलेरो जेएच 01 डीक्यू 7361 पिपरवार थाना क्षेत्र के बेंती से मैक्लुस्कीगंज के तरफ से मरमर जाने के क्रम में मोटरसाइकिल जेएच 01बी वाई 6013 चंदवा के तरफ से आ रहे व्यक्ति को जो मैक्लुस्कीगंज होते हुए बचरा जा रहा था। इसी क्रम में बोलेरो ने मैक्लुस्कीगंज में बाइक सवार साजिद आलम लगभग (उम्र 50) को अपने चपेट में लेने से मौके पर मौत हो गया। वही बोलेरो में सवार छः व्यक्ति चालक उमेश गंझू, सावर साइमन गंझू, आकाश गंझू,उदय गंझू, ललिता देवी, खुशबू देवी को आंशिक चोट आई थी। बताया जाता है कि बोलेरो में एक डेढ़ वर्ष की बच्ची को गंभीर चोट आई हुई थी। जिसे परिजन हॉस्पिटल ले गए। बोलेरो व बाइक की टक्कर से मोटरसाइकल का अगला हिस्सा का परखच्चे उड़ गए। वही बोलेरो टक्कर मारते हुए 50 फिट दूर जाकर एक गड्ढे में जाकर पलट गया।

ओरमांझी में धूमधाम से की गयी मां शारदे की पूजा

ओरमांझी। बसंत पंचमी के शुभवसर पर प्रखंड क्षेत्र के शैक्षणिक संस्थान व क्लब सहित विभिन्न स्थानों में पूजा पंडाल में विद्या दायनी मां सरस्वती की प्रतिमा स्थापित कर धूमधाम से पूजा की गई। कई पूजा पंडालों के साथ शैक्षणिक संस्थानों में आकर्षक ढंग से फुलमाला व लरियों से सजाया व संवारा गया था। स्कूली छात्र-छात्राओं के अलावे स्कूल के छोटे बच्चों में भी सरस्वती मां की पूजा को लेकर काफी उत्साह देखा गया। गली मुहल्ले के भी पूजा पंडालों में बच्चों को मां सरस्वती की आराधना कर व आरती करते देखा गया। सरस्वती मां की आरती मां शारदे कहां तू, वीणा बजा रही है, के अलावे माता की भक्ति गीत से क्षेत्र गुजयमान थी। वहीं पूजा पंडालों के पट खुलने व पूजा होने के साथ ही माता के दर्षन करने वाले काफी संख्या में लोग पूजा पंडाल पहुंच रहे थें। वहीं कई स्कूलों में छात्र-छात्राओं के साथ विद्यालय के षिक्षक व षिक्षकाएं भी झुमर नृत्य कर सरस्वती पूजा को उत्सव के रूप में मनाया गया। इधार पुलिस प्रषासन विधि व्यवस्था बनाए रखने को लेकर चैकन्य थी। लगातार चैक चैराहे व प्रतिमा स्थापित पूजा पंडालों में पुलिस द्वारा पेट्रोलिंग की जा रही थी।

मां सरस्वती की आराधना में लीन हुए सिल्ली एवं मुरीवासी

मुरी/सिल्ली। बसंत पंचमी के अवसर पर सिल्ली शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्र के वासी मां सरस्वती की पूजा अर्चना में लीन हुए जबकि सरस्वती पूजा दो दिन होने के कारण कुछ लोग रविवार के दिन पूजा अर्चना किये और कुछ लोग सोमवार को पूजा अर्चना किये। आसपास के क्षेत्र में पंडाल को पूरे भव्यता के साथ सजाया गया था। छात्र-छात्राओं द्वारा मां सरस्वती की प्रतिमा स्थापित कर विधिवत पूजा अर्चना की गई। क्षेत्र के चारों ओर भक्तिमय गीतों से वातावरण गूंजयमान हो गया। रेलवे क्षेत्र में भी हर मोहल्ले में पंडाल बनाकर पूजा अर्चना की गई। पंडालों में पुरोहित द्वारा विद्यादायिनी को पुष्पांजलि अर्पित की गई। कई पूजा पंडालों में सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन भी किया गया। इस अवसर पर सभी छात्र-छात्राओं रंग बिरंगे अलग-अलग परिधानों में पंडाल पहुंचे थे। पंडालों में पूजा के बाद प्रसाद वितरण भी किया गया। कई पंडालों में प्रतियोगिता का भव्य आयोजन किया गया जिसमें छात्र-छात्राओं ने भाग लेकर बड़े उत्साह और रचनात्मक के साथ विभिन्न रंगों एवं डिजाइनों से रंगोलिया में अपनी प्रतिभा दिखाई।

इटकी के गांवों में सरस्वती पूजा मनाया गया

इटकी। सरस्वती पूजा सह वसंत पंचमी का त्यौहार इटकी व आसपास के गांवों में सोमवार को मनाया गया। मौके पर क्षेत्र के शिक्षण संस्थानों के अलावा विभिन्न स्थानों पर विद्यादायिनी मां सरस्वती की प्रतिमा स्थापित कर पूजा अर्चना की गयी। आम की मंजरी व गुलाल ग्रहण कर वसंत ऋतु का स्वागत भी किया गया। शाम में कई पूजा पंडालो में फाग गायन का भी आयोजन हुआ। न्यू शिशु विद्या मंदिर, महतो टोली, बनिया टोली सहित क्षेत्र के अन्य पूजा पंडालों में आकर्षक ढंग से प्रतिमा स्थापित की गयी है। प्रतिमाओं का विसर्जन 4 और 5 फरवरी को किया जायेगा।

प्रेम मंजरी उच्च विद्यालय पिठोरिया में सरस्वती पूजा के साथ भव्य विज्ञान प्रदर्शनी का आयोजन

पिठोरिया। प्रेम मंजरी उच्च विद्यालय में आज सरस्वती पूजा साथ भव्य विज्ञान प्रदर्शनी का आयोजन किया गया, जिसमें छात्रों ने अपनी रचनात्मकता और वैज्ञानिक सोच का शानदार प्रदर्शन किया। प्रदर्शनी में विभिन्न विषयों पर आधारित मॉडलों और प्रोजेक्ट्स को प्रदर्शित किया गया। जिनमें नाभिकीय ऊर्जा संयंत्र, वृक्कीय कार्य मॉडल जल आसवन कार्य मॉडल गैस उत्सर्जन अभिक्रिया अम्लीयत एवं क्षारीयता की जांच के मॉडल प्रस्तुत किया गया। साथ ही पिठोरिया के प्रमुख स्थल जगतपाल सिंह का किला, नागपुरी संस्थान, दुर्गा मंदिर, शिव मंदिर एऐ मस्जिद के साथ अन्य प्रमुख स्थलों का मॉडल प्रस्तुत किया गया। इस प्रदर्शनी का उद्घाटन मुख्य अतिथि समाजसेवी सह शिक्षाविद् स्वामी देवेंद्र प्रकाश के द्वारा किया गया। उन्होंने छात्रों द्वारा प्रस्तुत नवाचारों की सराहना की और उन्हें आगे भी विज्ञान के क्षेत्र में नई खोज करने के लिए प्रेरित किया। छात्रों ने अपने-अपने प्रोजेक्ट्स का विस्तृत विवरण दिया और आगंतुकों के सवालों के उत्तर भी दिए। दर्शकों ने छात्रों की प्रतिभा का लोहा माना और सभी मॉडलों की प्रशंसा की गई। विशेष आकर्षण का केंद्र जगतपाल सिंह का भग्नावशेष किला रहा, जिसे दर्शकों ने खूब सराहा। इस मौके पर विशिष्ट अतिथि डॉ राम मनोहर लोहिया+2 विद्यालय के प्रधानाचार्य डॉ अमरेन्द्र कुमार ने कहा कि इस तरह की प्रदर्शनियां छात्रों की वैज्ञानिक सोच को विकसित करने में सहायक होती हैं और उन्हें नए आविष्कार करने के लिए प्रेरित करती हैं। इस मौके अनिल केसरी, रुपाश्री गाड़ी, अमीर अंसारी और पर विद्यालय के निदेशक सुजीत कुमार केसरी मुख्य रूप से उपस्थित थे।

मदरसा जामिया अजीजिया में तालिमी मुजाहरा सह तकमिल ए हिफ़्ज उपाधि कार्यक्रम का आयोजन

इटकी। इटकी प्रखंड के कुंदी गांव स्थित मदरसा जामिया अजीजिया में रविवार को तालिमी मुजाहरा सह तकमिल ए हिफ़्ज उपाधि कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरूआत कुरआन ए पाक की तिलावत से हुई। कार्यक्रम में कुरआन मजीद कंठस्त (हिफ़्ज) करने वाले मदरसा के पांच छात्रों को हाफिज की उपाधि प्रदान की गई। उपाधि पाने वालों में अब्दुल समी (मुरकुनी चन्हों), मो हंजला (केदल इरबा), अब्दुल वाहिद (चनगनी बेड़ो), मो वारिश व मो शाहिद इटकी कुंदी शामिल हैं। कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि मजलिसे उलेमा झारखंड के जनरल सेक्रेटरी मुफ़्ती तल्हा नदवी शामिल हुए। उन्होंने जलसे को संबोधित करते हुए कहा कि आज के दौर में दीनी शिक्षा के साथ आधुनिक शिक्षा भी जरूरी है। वहीं कारी सोहेब अहमद रांची ने अपने दिलकश आवाज में नात प्रस्तुत किया। साथ ही पांच छात्रों को कुरआने पाक की तकमिल मोकम्मल कराया। इससे पूर्व तालीमी मुजाहरा कार्यक्रम में मदरसा के बच्चों ने नातिया कलाम, तिलावत, तकरीर, कुरआन के आयतों का अनुवाद सहित अन्य कार्यक्रम प्रस्तुत किये। बेहतर प्रदर्शन करने वाले बच्चों को अतिथियों द्वारा पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का संचालन मौलाना मनीरउद्दीन ने किया। मौके पर हाजी तैयब, कारी इरफान, अब्दुल राजिक, मो मोइनुद्दीन, हाजी रेयासत, अबरार इमाम, जमील अख्तर सहित सैकड़ों लोग मौजूद थे।

भक्ति भाव के साथ मां सरस्वती की पूजा संपन्न

सोनाहातू/राहे। प्रखंड क्षेत्रों में सोमवार को विद्या की देवी मां सरस्वती की पूजा हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। शिक्षण संस्थान, स्कूलों और क्लब ओर मोहल्ले के युवकों ने जगह-जगह मां सरस्वती की प्रतिमा स्थापित कर पूजा-अर्चना की। वहीं घरों में छोटे मूर्ति या चित्र स्थापित कर पूजा अर्चना किया गया। इसे लेकर सुबह से ही सभी जगहों पर उत्सव का माहौल बना रहा। हर चौक-चौराहे पर मंत्रोचारण के साथ पूजा अर्चना की गई। इस दौरान युवक डीजे के गानों पर थिरकते रहे। वहीं शाम होते ही पंडालों में प्रतिमा दर्शन के लिए श्रद्धालुओं आना जाना लगा रहा। सोनाहातू, जामुदाग, बारेंदा,राहे दुलमी, पंडाडीह, लांदुपडीह, बारेडीह, आदि जगहों में भव्य प्रतिमा स्थापित किया गया है।

चान्हो-मांडर प्रखंड में सरस्वती पूजा व बसंत पंचमी धूमधाम से मनायी

चान्हो/मांडर। चान्हो-मांडर प्रखंड में सरस्वती पूजा व बसंत पंचमी धूमधाम से मनायी जा रही है। मां सरस्वती की दर्जनों प्रतिमाएं स्कूल, कालेजो के साथ-साथ गांवों के मुहल्ले व प्रमुख जगहों पर स्थापित हैं। छात्र-छात्राएं मां की पूजा अर्चना व वरदान मांगने में लीन दिखे। प्रतिमा स्थलों, पंडालों व अखाड़ों को सजाया गया है। सुबह से ही मंदिरों में भीड़ उमड़ रही है। महिलाओं व छात्र-छात्राओं व युवाओं में अधिक उत्साह है। तक्षशिला इंस्टिट्यूट सोंस समेत ओपा , पतरातु, बेतलंगी, गणेशपुर, रघुनाथपुर, सिलागाई, चोरेया, चामा, आरा, बीजूपाड़ा, टांगर, आदि कई गांवों में विधि विधान से पुजा करते लोग दिखे। वातावरण माइक पर बज रहे गीतों से गुंजायन है। कई जगह सांस्कृतिक कार्यक्रम भी आयोजित हैं। साथ ही साथ मांडर के माण्डर स्थित भारथी ग्रुप ऑफ इंस्टीच्यूशन कंदरी, पुनगी, ब्राम्बे, राहे , सोसई आश्रम, शिव मंदिर, कंजिया, मांडर, करगे आदि सभी जगह माहौल पूजामय है। बताते चले सरस्वती पूजा केवल एक धार्मिक अनुष्ठान नहीं, बल्कि ज्ञान और संस्कृति के प्रति श्रद्धा व्यक्त करने का अवसर है। यह पर्व हमें शिक्षा और कला के महत्व को समझने की प्रेरणा देता है,और जीवन में सतत ज्ञानार्जन की भावना को प्रोत्साहित करता है।

स्पीड न्यूज

25 एकड़ में लगे अफीम खेती को किया नष्ट

बुंडू। थाना प्रभारी रामकुमार वर्मा के नेतृत्व में बुंडू थाना क्षेत्र के गितीलडीह वन क्षेत्र में 25 एकड़ में लगे अफीम खेती को ट्रैक्टर से जोतकर नष्ट की गई। ज्ञात हो कि पिछले डेढ़ महीने से पूरे अनुमंडल क्षेत्र में 500 एकड़ से ज्यादा लगे अफीम खेती को विनष्ट किया गया परंतु अफीम खेती में संलिप्त किसान लोग को कारवाई नहीं की गई। जिसे सम्मिलित किसान लोगों का मनोबल बढ़ा हुआ है। अभी तक 5 व्यक्तियों को पहचान कर कारवाई की गई है। प्रतिदिन अनुमंडल क्षेत्र में 60 एकड़ से अधिक क्षेत्र में लगे पोस्ता खेती को नष्ट किया जा रहा है। वहीं किसान बताते हैं विनष्ट किए हुए अफीम खेती को उर्वरक, खाद देकर फूल निकलने लगी है।

हनुमान मन्दिर का नौवां वार्षिक महोत्सव मनाया गया

अनगड़ा। प्रखंड के चतरा गांव में श्री श्री शंकर सुवन हनुमान मंदिर निर्माण का नौवें वार्षिक महोत्सव मनाया गया। इस मौके पर भव्य भंडारा एवं भक्ति जागरण का आयोजन समिति द्वारा किया गया। भक्ति जागरण का शुभारंभ मुख्य संरक्षक जैलेंद्र कुमार, उप प्रमुख जयपाल हजाम, मुखिया डोली मुंडा ने फीता काटकर किया। मौके पर सुरेन्द्र महतो पूर्व मुखिया सोहन मुंडा धर्मेंद्र सिंह विक्रम ठाकुर आदि उपस्थित थे।कार्यक्रम को सफल बनाने में समिति के अध्यक्ष शंकर महतो सचिव वरुण महतो आकाश महतो शुकुल महतो मुकुल महतो,सहदेव महतो पुजारी जय किशोर पांडे का सराहनीय योगदान रहा।

बुंडू में सरस्वती पूजा धूमधाम से मनायी गयी

बुंडू। बुंडू में पूरे धूमधाम के साथ सरस्वती पूजा मनाई गई। बुंडू नगर एवं ग्रामीण क्षेत्र में सरकारी एवं गैर शिक्षण संस्था में मां सरस्वती की प्रतिमा स्थापित की गई। नगर क्षेत्र में सर्कल पब्लिक स्कूल बुंडू ,स्वामी विवेकानंद पब्लिक स्कूल बुंडू, सियर कोचिंग वाई-फाई इंस्टीट्यूट्स, करियर लॉन्चर, आइडियल क्लासेस, यूलर, द परफेक्ट ट्यूटोरियल कोचिंग संस्थान, दोस्ताना एवं जगह-जगह पर पंडाल बनाकर आकर्षक प्रतिमा स्थापित कर उसकी पूजा अर्चना विधिवत पंडितों द्वाराकी गई।

बेड़ो के भसनंदा गांव में पुआल का गांज जलकर हुआ राख

खबर मन्त्र संवाददाता

बेड़ो। बेड़ो थाना क्षेत्र के हरिहरपुर जमटोली पंचायत के भसनंदा गांव में सोमवार की दोपहर लगभग दो बजे किसान विनोद गोप के घर के समीप रखे पुआल का गांज आग लग जाने से सारा पुआल जलकर राख हो गया। जिससे किसान का मवेशियों के लिए रखा चारा जलकर राख हो गया। वहीं ग्रामीणों द्वारा आग बुझाने का प्रयास किया गया लेकिन तब तक देर हो गई थी। वहीं किसान को इससे हजारों रुपये की आर्थिक क्षति हुई है। इधर घटना की सूचना मिलने पर पूर्व मुखिया सुनील कच्छप ने घटना स्थल पर पहुंचकर स्थिति का जायजा लिया। उन्होंने बताया कि इस घटना से किसान को भारी क्षति हुई है। उन्होंने कहा कि घटना के कारणों का पता नहीं चल पाया है। साथ ही उन्होंने इस घटना को लेकर क्षतिपूर्ति के एवज में भुक्तभोगी किसानों को स्थानीय प्रशासन से मुआवजे देने की मांग किया है।

आग को बुझाते ग्रामीण।

बलेनो कार की ओवर स्पीड के कारण ऑटो और मोटरसाइकिल हुआ दुर्घटना ग्रस्त, तीन घायल

खबर मन्त्र संवाददाता

लापुंग। लापुंग प्रखंड के सरसा सरना के पास नवाटोली की ओर से आ रही बलेनो कार नंबर जेएच 01डीभी 9467 ओवर स्पीड के कारण ऑटो और मोटरसाइकिल हुआ दुर्घटना ग्रस्त। घटना के संदर्भ में मिली जानकारी के अनुसार जैसे ही बलेनो कार स्पीड से साईं मंदिर रास्ता में घुमा उसी समय बेड़ो की ओर से आ रही ऑटो असंतुलित होकर वही पर पलट गया। जिसमें कुल 5 लोग घायल हो गए। जिसमें ऑटो में सवार नेहालु निवासी बुधनाथ भोगता और उसकी पत्नी गोमिदा और उसकी 3 दिन का नवजात शिशु , तुको चचकॉपी की एक युवती और डूमरगढ़ी की महिला और उसकी 3 वर्ष का बचा शामिल है। जिसे किसी तरह ऑटो में ही नवाटोली स्वस्थ उपकेंद्र भेजा गया। वही बलेनो भागने के क्रम में इतनी तेज गति में थी कि सरसा नहर के पास एक मोटरसाइकिल सवार को अपने चपेट में लेते हुए मोटरसाइकिल सवार को गंभीर रूप से घायल कर दिया। जिसमें मोटरसाइकिल सवार पोला नदीटोली निवासी सुदीप उरांव पिता हरि उरांव का दोनों पैर टूट गया। जिसे सरसा के ग्रामीणों ने एम्बुलेंस बुला कर बेड़ो स्वस्थ उपकेंद्र भेजा। बलेनो कार को सरसा के ग्रामीणों ने पकड़ने का कोशिश किए लेकिन कार वाला भागने में सफल रहा। इधर लापुंग थाना प्रशासन भी घटना की खबर पाकर घटनास्थल पहुंचे और कार के चालक को पकड़ने के लिए करवाई शुरू कर दी।

सड़क दुर्घटना मे घायल।

पिता के इंकार के बाद ग्रामीणों की पहल पर प्रेमी युगल का कराया विवाह

खबर मन्त्र संवाददाता

ओरमांझी। थाना क्षेत्र से भागे प्रेमी युगल समाजिक पहल के वैवाहिक बंधन में बांध गए। बताया गया कि थाना क्षेत्र के पतराटोली की 19 वर्षीय युवती सुशमा कुमारी व गुड्डू पांचा का 25 वर्षीय युवक रामकुमार महतो के बीच लगभग आठ माह से प्रेम संबंध था। एक सप्ताह पूर्व दोनो अपने घर से भाग गए थें। स्वजनों द्वारा दोनो को तलास कर ले आए और इसे लेकर डहु गांव में दोनो के स्वजनों के साथ ग्रामीणों की बैठक हुई। दोनो स्वजाति व बालिग थें। जिसे देखते हुए समाज द्वारा दोनो का 06 फरवरी को लगन व 08 फरवरी को विवाह कराने का निर्णय लिया गया। युवती पक्ष द्वारा विवाह कार्ड भी छपवा लिया, और युवक के घर निमंत्रण कार्ड देने पहुंचा तो उसके पिता महरू महतो ने बेटे का विवाह कराने से इंकार कर दिया। जिसकी शिकायत लेकर युवती के पिता बरराम महतो गांव वालों के साथ थाना पहुंच गए। ओरमांझी थाना पुलिस द्वारा युवक व उसके पिता को थाना बुलवाया। थाना में ही दोनो पक्ष व ग्रमीणों की बैठक हुई। समझाने के बाद युवक के पिता विवाह के लिए तैयार हो गया। जिसके बाद ओरमांझी स्थित पंचमुखी हनुमान मंदिर में दोनो का विवाह करा दिया गया। मौके पर दोनो के माता-पिता, स्वजना व कई ग्रामीण उपस्थित थें।

ग्रामीण व स्वजनों के साथ प्रेमी युगल।

प्रखंड में सरस्वती पूजनोत्सव की धूम

झखराटांड़ में क्लब के पदधारी।

खबर मन्त्र संवाददाता

रातू। प्रखंड में सरस्वती पूजनोत्सव की धूम मची है। पूरे दिन क्षेत्र में चहल-पहल रहा। सरकारी और गैर सरकारी स्कूल, कॉलेज व शिक्षण संस्थानों में माता सरस्वती की पूजा-अर्चना की गयी। प्रसाद का भी वितरण किया गया। चौक-चौराहे के अलावा आमटांड़ और झखराटांड़ आदि स्थानों में भी भव्य पूजा पंडाल बनाये गये हैं। इसकी मनोहारी छटा देखते ही बन रही है। लाउडस्पीकर से बज रही भक्ति गीत से माहौल गुंज रहा है। रात में पिर्रा व सुख शांति युवा क्लब, झखराटांड़ समेत कई स्थानों में जगराता का आयोजन किया गया। लोग घंटों भक्तिरस में डुबकी लगाते रहे। चार फरवरी को अधिकांश प्रतिमाओं का विसर्जन किया जायेगा। शेष मूर्तियों का विसर्जन बुधवार को होगा। पूजा को लेकर प्रशासन चौकस है। थानेदार आरएन सिंह ने बताया कि इलाके में पुलिस गश्त तेज कर दी गयी है। असामाजिक तत्वों पर पैनी निगाह है। इधर, क्लब में मंगलवार को महाभंडारा होगा। इसमें हजारों श्रद्धालुओं के भाग लेने की उम्मीद है।

झारखंड बालिका आवासीय विद्यालय राहे की छात्राओं ने प्रस्तुत किया शानदार मूर्ति कला

खबर मन्त्र संवाददाता

राहे। प्रखंड स्थित झारखंड बालिका आवासीय विद्यालय की छात्रा प्रतिमा कुमारी और काजल कुमारी ने बेहतरीन मूर्ति कला प्रस्तुति दी है। स्कूल में माता सरस्वती की प्रतिमा स्थापित कर पूजा किया गया। स्कूल में स्थापित माता सरस्वती की प्रतिमा को दसवीं की छात्रा प्रतिमा कुमारी और काजल कुमारी ने 5 दिन के मेहनत से सरस्वती माता की प्रतिमा बनाया है। अपने हाथों से बना प्रतिमा स्कूल परिसर में स्थापित कर पूजन किया गया है। दसवीं की छात्रा प्रतिमा कुमारी विगत माह ही मूर्ति कला प्रतियोगिता के लिए झारखंड का प्रतिनिधित्व करने भोपाल गई थी। राज्य स्तरीय मूर्ति कला प्रतियोगिता में प्रतिमा प्रथम स्थान पर रही है। स्कूल के वार्डन परमेश्वरी कुमारी और विमला कुमारी के नेतृत्व में प्रतिमा को हर दिन कुछ नया सीखने को मिल रहा है।

बलिदानी जीराम बेदिया स्मारक कमिटि की बैठक

शहीद जीतराम बेदिया समाज का आदर्श

- 23 अप्रैल को बलिदान दिवस मनाया जाएगा

ओरमांझी। बलिदानी जीतराम बेदिया केन्द्रीय स्मारक कमिटि की एक बैठक घोड़ागढ़ा गगारी स्थिति बलिदानी जीतराम बेदिया भवन में हुई। इस अवसर पर केन्द्र सरकार द्वारा पुरस्कृत टुंडाहुली पंचायत ओरमांझी के मुखिया रमेश बेदिया व नवागढ़ पंचायत अनगड़ा के मुखिया भुनेष्वर बेदिया को सम्मानित किया गया। वहीं 23 अप्रैल को घोड़ागढ़ा गगारी में जीतराम बेदिया बलिदान दिवस धूमधाम से मनाने का निर्णय लिया गया। इसके अलावे समाजिक व्यवस्था, पेशा कानून व रुढ़ीवादी प्रथा पर चर्चा किया गया। बैठक की अध्यक्षता करते हुए जीतनाथ बेदिया ने कहा केन्द्र सरकार द्वारा लागू पेशा कानून 1996 छत्तीसगढ़ में लागू हो गया है। झारखंड सरकार से भी राज्य में पेशा कानून लागू करने की मांग की, कहा समाजिक व्यवस्था, रुढ़िवादी प्रथा पाईल, परगना, चटाई, सरदार, महतो, कोटवार, दिवान, पैनभैरा आदि रिति रिवाज को पुनर्जीवित कर सख्ती से पालन करना जरूरी है। बलिदानी जीतराम बेदिया को समाज के लिए आदर्श बताया और कहा इससे बेदिया जनजाति समुदाय का अस्तित्व जुड़ा हुआ है।

शिक्षकों की लापरवाही से स्कूल में नहीं हो सकी सरस्वती पूजा

खबर मन्त्र संवाददाता

सोनाहातू। प्रखंड के बारेंदा गांव के उत्क्रमित हाई स्कूल में शिक्षकों के लापरवाही के कारण स्कूल के बच्चों के द्वारा माता सरस्वती की पूजा नहीं की गई। स्कूल इस रवैया से ग्रामीण काफी आक्रोशित है। ग्रामीणों का कहना है कि विद्यालय का प्रभारी हेड मास्टर समीर बाखला ने पूजा करने में कोई दिलचस्पी नहीं है बता कर सहायक शिक्षकों को पूजा करने की जिम्मा देकर पल्ला झाड़ लिया था। सहायक शिक्षकों ने बिना किसी तैयारी के बच्चों को पूजा करने की बात कह कर अपना पल्ला झाड़ लिया था। पूजा के समय स्कूल बंद रहा। न कोई शिक्षा की स्कूल आए और ना कोई बच्चे हैं स्कूल आए स्कूल में पूजा होते नहीं देख ग्रामीण काफी आक्रोश हुए शिक्षक हेड मास्टर और सहायक शिक्षक से बात की। इन दिनों से कोई संतोषजनक जवाब नहीं मिलने पर ग्रामीणों ने अपने स्तर से सार्वजनिक रूप से चंदा एकत्रित कर स्कूल परिसर में माता की प्रतिमा स्थापित कर पूजा अर्चना किया। विद्यालय के प्रबंधन समिति के अध्यक्ष सत्यनारायण सिंह मुंडा, मोहित कर्मकार, गुड्डू कर्मकार, सोनू खंडित, जिबू मिश्रा, तनु पाण्डेय, गोपी प्रामाणिक, सौरभ प्रामाणिक के देख रेख से पूजा किया गया। गांव के प्रभात कर्मकार, ओम साहू, अप्पू कर्मकार, संतोष सिंह देव, कुंदन कर्मकार, संजय पुरान, सत्यनारायण सिंह मुंडा, महेश प्रसाद साहू ने मां सरस्वती की पूजा अर्चना को सफल बनाने में महत्वपूर्ण योगदान दिया एवं बंटी कर्मकार ने मां सरस्वती का प्रतिमा दिया। इस संबंध में प्रभारी हेड मास्टर समीर बाखला ने कहा कि स्कूल में पूजा करने का कोई रुचि नहीं है। सहायक शिक्षक को पूजा करने के लिए कहा गया था। सहायक शिक्षक गणपति कोइरी ने कहा कि स्कूल के बच्चों को पूजा करने को कहा गया था। प्रबंधन समिति के अध्यक्ष सत्यनारायण सिंह मुंडा का कहना है कि स्कूल के प्रधानाध्यापक हमारी बातों का अनसुनी करते हैं। सरस्वती पूजा को लेकर प्रधानाध्यापक से बात किए थे, लेकिन कोई सार्थक जवाब नहीं मिला। स्कूल के छह शिक्षक बाहर के विद्यालय में डेपुटेशन में है। लेकिन वेतन यहां की विद्यालय के नाम से ले रहे हैं सिर्फ दो-तीन शिक्षक ही सही समय पर आते हैं एवं उन्हीं के सहारे पूरा विद्यालय चल रहा है। स्कूल के मजरूल हक, प्रीति टोप्पो, दीप्ति रीमा किंडो, प्रति पांडे, मिथिलेश पाठक ओर बनमाली पुराण का प्रतिनियुक्ति रांची में किया गया है।

खबर मन्त्र

रांची. मंगलवार. 04 फरवरी 2025

अभिव्यक्ति

epaper.khabarmantra.net

आयकर छूट की सीमा

केंद्रीय बजट 2025 में मोदी सरकार ने आयकर छूट सीमा बढ़ाकर व कर दरों में कमी से राहत देने की कोशिश की है। किंतु-परंतु न हो तो अब बारह लाख तक की आय वाले व्यक्ति को कोई कर नहीं देना होगा। धारणा है कि इससे लोगों की आय बढ़ने से उपभोक्ता खर्च में वृद्धि होगी। खपत में वृद्धि से मांग बढ़ेगी जो कालांतर उद्योगों-अर्थव्यवस्था को गति देगी। निस्संदेह आयकर व्यवस्था का सरलीकरण स्वागत योग्य कदम है। वरिष्ठ नागरिकों की ब्याज आय पर कटौती की सीमा को दुगनी करके एक लाख रुपये सालाना करने से उन्हें लाभ मिलेगा। इसी तरह किराये की आय पर निर्भर सेवानिवृत्त लोगों को बढ़ी हुई टीडीएस सीमा का लाभ होगा, जिसे अब बढ़ाकर छह लाख सालाना कर दिया गया है। लेकिन दूसरी ओर ईपीएफ,पीपीएफ, बीमा और होम लोन पर प्रमुख कटौतियों का लाभ हटाने से आम आदमी की वास्तविक बचत खत्म हो सकती है। जिससे दीर्घकालीन बचत में गिरावट संभवित है। नई व्यवस्था पीएफ और सामाजिक सुरक्षा योजनाओं में निवेश को हतोत्साहित करती है। निजी क्षेत्र के सेवानिवृत्त लोगों की सामाजिक सुरक्षा के बारे में भी सोचना जरूरी है। लेकिन आयकर राहत से मध्यम वर्ग की बचत-खपत बढ़ने से क्या वास्तव में आर्थिकी को गति मिल सकेगी? मांग कम होने से उत्पादन में गिरावट आई है और नया निवेश प्रभावित हो रहा है। यही वजह है कि बीते वर्ष में विकास दर पिछले चार सालों में सबसे कम 6.4 रही है जिसके आर्थिक सर्वे में इस साल 6.8 तक रहने का अनुमान है। जो विकसित भारत के लक्ष्यों के अनुरूप नहीं है। सरकार का बजट एक प्रयोग ही होता है जिसका परिणाम हमें आगे आने वाले वित्त सर्वेक्षणों में मिलता है। लेकिन दिशा सही हो तब देश में सामाजिक समरसता के साथ खुशहाली बढ़ती है गिग ईकोनॉमी की समस्या कम होती है।

कार्टून वर्ल्ड

मेष - कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश सफल होगी। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। नवीन जिम्मेदारी बढ़ने के आसार रहेंगे। यात्रा शुभ रहेगी। अपने काम को प्राथमिकता से करें। शुभांक-3-7-9

वृष - मांगलिक कार्योक्रमों का आयोजन होगा। आर्थिक हित के काम को साधने में मदद मिल जाएगी। कारोबारी काम में बाधा उभरने से मानसिक अशांति बनी रहेगी। यात्रा का दूरगामी परिणाम मिल जाएगा। सुविधा और समन्वय बना रहने से कामकाज में प्रगति बन जाएगी। यात्रा शुभ रहेगी। शुभांक-3-4-6

मिथुन - स्वास्थ्य लाभ में समय और धन व्यय होगा। लेन-देन में अस्पष्टता ठीक नहीं। मध्याह्न पूर्व समय आपके पक्ष का बना रहेगा। कारोबारी काम में प्रगति बनती रहेगी। लेन-देन में आ रही बाधा दूर करने का प्रयास होंगे। परिश्रम से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। शुभांक-3-6-9

कर्क - पर-प्रपंच में ना पड़कर अपने काम पर ध्यान दीजिए। कल का परिश्रम आज लाभ देगा। आलस्य का त्याग करें। कारोबारी काम में नवीन तालमेल बन जाएगा। यार-दोस्तों के साथ किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। शुभांक-5-8-9

सिंह - कार्यक्षेत्र में संतोषजनक सफलता मिलेगी। अपनों का सहयोग प्राप्त होगा। पत्नी व संतान पक्ष से थोड़ी चिंता रहेगी। शिक्षा में आशानुकूल कार्य होने में संदेह है। व्यापार व व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी। नौकरी में पदोन्नति की संभावना है। मित्रों से सावधान रहें तो ज्यादा उत्तम है। शुभांक-3-5-7

कन्या - पठन-पाठन में स्थिति कमजोर रहेगी। खान-पान में सावधानी रखें। कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। मान-सम्मान में वृद्धि होगी। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। निष्ठा से किया गया कार्य पराक्रम व आत्मविश्वास बढ़ाने वाला होगा। शुभांक-3-4-8

तुला - शारीरिक सुख के लिए व्यसनों का त्याग करें। संतान पक्ष की समस्या समाप्त होगी। खान-पान में सावधानी रखें। व्यापार में प्रगति होगी। अधीनस्त लोगों से कम सहयोग मिलेगा। भ्रातृपक्ष में विरोध होने की संभावना है। शिक्षा में आशानुकूल कार्य होने में संदेह है। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। शुभांक-3-5-8

वृश्चिक - जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा। व्यापार व नौकरी में स्थिति अच्छी रहेगी। आलस्य का त्याग करें। पुरुषार्थ का सहारा लें। कार्यसिद्धि होने में देर नहीं लगेगी। आर्थिक लाभ उत्तम रहेगा। शैक्षणिक कार्यो में रुचि बढ़ेगी। किसी मांगलिक कार्य पर वार्ता होगी। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। शुभांक-4-6-9

धनु - मध्याह्न पूर्व समय आपके पक्ष का बना रहेगा। कारोबारी काम में प्रगति बनती रहेगी। लेन-देन में आ रही बाधा दूर करने का प्रयास होंगे। धार्मिक कार्य में समय और धन व्यय होगा। अपना काम दूसरों के सहयोग से पूरा होगा। ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। शुभांक-6-7-9

मकर - समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। अपने हितैषी समझे जाने वाले ही पीठ पीछे नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे। परिवारजन का सहयोग व समन्वय काम को बनाना आसान करेगा। कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा। शत्रुपक्ष से सावधान रहें। शुभांक-5-7-9

कुंभ - हित के काम में आ रही बाधा मध्याह्न पश्चात दूर हो जाएगी। अपने काम आसानी से बनते चले जाएंगे। साथ ही आगे के लिए रास्ता भी बन जाएगा। धार्मिक स्थलों की यात्रा का योग। दोस्तों के साथ साझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। पूंजी निवेश सोच-समझकर करें। शुभांक-3-5-7

मीन - व्यर्थ प्रपंच में समय नहीं गंवाकर अपने काम पर ध्यान दीजिए। कहीं रुका हुआ पैसा वसूलने में मदद मिल जाएगी। कार्यक्षेत्र में आगे बढने.में रुकावट का एहसास होगा। विरोधियों के सक्रिय होने की संभावना है। शुभकार्यो में अड़चनें और परिवार के बुजुर्ग-जनों से मतभेद रहेगा। शुभांक-2-4-6

खेलो इंडिया अब हर एथलीट की यात्रा का एक हिस्सा क्यों है?

सात वर्ष पूर्व, हमने 2018 में खेलो इंडिया स्कूल गेम्स (केआईएसजी) के शुभारंभ के साथ एक आंदोलन की ज?योति प्रज्वलित की थी। आज जब मैं देखता हूं कि हम इस मामले में कितना आगे निकल चुके हैं, तो मुझे बेहत गर्व होता है, न केवल उन पदकों के लिए जो हमने जीते हैं, बल्कि जिस तरह से खेलो इंडिया ने हमारे देश में खेलों के मूल स?वरूप में बदलाव किया है, उसको देखते हुए भी यह अनुभूति होती है। प्रधानमंत्री श्री नरे?द्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व में संकल्पित, खेलो इंडिया कभी भी केवल पदक जीतने के संदर्भ से जुड़ा नहीं था, सही मायने में यह खेलों के लिए एक राष्ट्रव्यापी आंदोलन को प्रज्वलित करने के साथ-साथ एक ऐसी संस्कृति को बढ़ावा देने की परिकल?पना थी, जहां हर बच्चे को खेलने और समग्र रूप से विकसित होने का अवसर मिले।

आज, यह आंदोलन खेलो इंडिया गेम्स के 16 संस्करणों में विस?तारित एक बहुआयामी राष्ट्रीय कार्यक्रम के रूप में विकसित हो चुका है, यह एक ऐसी पारिस्थितिकी ०?यवस?था बना रहा है जो युवा प्रतिभाओं का पोषण करती है, विश्व स्तरीय बुनियादी ढांचा तैयार करती है और खेलों में समावेशिता को बढ़ावा देने के साथ-साथ भारत के एक प्रमुख वैश्विक खेल राष्ट्र बनने के महत्वाकांक्षी लक्ष्य की आधारशिला भी रखती है।खेलो इंडिया स्कूल गेम्स (केआईएसजी) के उद्घाटन ने भारत में जमीनी स्तर की खेल क्रांति की दिशा तय की है। विद्यालय स्तर की प्रतियोगिताओं में अपार संभावनाओं को पहचानते हुए, केआईएसजी ने युवा एथलीटों के लिए अंतर-स्कूल प्रतियोगिताओं से राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय खेल आयोजनों में शामिल होने के लिए एक ०?यवस्थित मार्ग बनाया। पिछले कुछ वर्षों में, इस पहल ने हजारों एथलीटों की पहचान की है और उनका पोषण किया है, जिनमें से कुछ ओलंपिक और एशियाई खेलों में भारत का प्रतिनिधित्व कर चुके हैं। इस ०?यवस?था का सबसे बड़ा उदाहरण खेल रत्न पुरस्कार विजेता मनु भाकर हैं, जिन्होंने स्कूल गेम्स से यूनिवर्सिटी गेम्स में पदार्पण किया और वह पेरिस ओलंपिक में दोहरी कांस्य पदक विजेता बनीं।

खेलो इंडिया गेम्स के व्यापक ढांचे में केआईएसजी के विस्तार के साथ, जमीनी स्तर पर प्रतिभाओं की पहचान अधिक मजबूत हो चुकी है। विद्यालय, छोटी आयु की प्रतिभाओं के केंद्र बने हुए हैं और खेलो इंडिया ने यह सुनिश्चित करने में महत्वपूर्ण

भूमिका निभाई है कि इन युवा एथलीटों को विश्व स्तरीय प्रशिक्षण के साथ-साथ बुनियादी सुविधाएं और प्रदर्शन करने के अवसर मिलें। आज, खेलो इंडिया के विद्यालय और विश्वविद्यालय स्तर के

- मनसुख मंडाविया

> खेलो इंडिया के माध्यम से, हमने सुनिश्चित किया है कि वित्तीय बाधाओं के कारण प्रतिभा पीछे न छूट जाए। खेलो इंडिया के अंतर्गत महिला फुटबॉल लीग अरुणाचल प्रदेश के मोनिगोंग जैसे दूरदराज के इलाकों तक भी पहुंच गई है, इससे संगठित खेल गतिविधियों से अछूते क्षेत्रों में खेल भागीदारी को बढ़ावा मिला है। खेलो इंडिया के माध्यम से, हमने सुनिश्चित किया है कि वित्तीय बाधाओं के कारण प्रतिभा पीछे न छूट जाए।

चैंपियन उच्चतम स्तर पर पदक जीत रहे हैं और यह कार्यक्रम की प्रभावशीलता का प्रमाण है। अपनी स्थापना के बाद से, खेलो इंडिया ने अपने खेलों के 16 संस्करण आयोजित किए हैं, जिनमें छह युवा खेल, चार विश्वविद्यालय खेल, पांच शीतकालीन खेल और एक पैरा-खेल शामिल हैं। प्रत्येक संस्करण ने भारत के खेल परिदृश्य में नए आयाम पेश किए हैं।

स्कूली खेल और उसके बाद के युवा खेल अब युवा एथलीटों के लिए प्रमुख प्रतियोगिता और भारत के भावी ओलंपियनों के लिए एक महत्वपूर्ण प्रतिभा-खोज कार्यक्रम बन चुके हैं। इस विस्तार ने प्रतिस्पर्धा के विभिन्न स्तरों पर एथलीटों के लिए एक सहज प्रोत?साहन मार्ग सुनिश्चित किया है, जिससे भारत की खेल श्रृंखला मजबूत हुई है।

खेलो इंडिया सिर्फ. एथलीट पहचान कार्यक्रम से कहीं आगे बढ़ चुका है। अब इसमें कॉर्पोरेट, राज्य सरकारें, निजी अकादमियां और जमीनी स्तर के संगठन समेत कई हितधारक शामिल हैं।

निजी क्षेत्र की भूमिका काफी बढ़ गई है, जिसमें निगम प्रायोजन, बुनियादी ढांचा परियोजनाओं और एथलीट मेंटरशिप कार्यक्रमों के माध?यम से खेल विकास में निवेश कर रहे हैं। सरकार, राष्ट्रीय खेल महासंघों (एनएसएफ) और कॉर्पोरेट संस्थाओं के साथ भागीदारी के जरिए लक्षित समर्थन सुनिश्चित करके खेलों में कॉर्पोरेट जुड़ाव को और बढ़ाने के लिए ₹एक कॉर्पोरेट, एक खेल₹ पहल शुंभारभ कर रही है। राज्य सरकारों ने भी पहल की है, क्षेत्रीय खेल प्राथमिकताओं के आधार पर खेलो इंडिया केंद्र (केआईसी) का प्रस्ताव दिया है, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि खेल विकास स्थानीय जरूरतों के अनुरूप हो।

इसके अलावा, देश के विभिन्न क्षेत्रों में ओलंपिक प्रशिक्षण केंद्र (ओटीसी) स्थापित करने की योजनाएं हैं। ये विश्व स्तरीय उच्च प्रदर्शन केंद्र पैरा-स्पोर्ट्स और स्वदेशी खेलों सहित शीर्ष एथलीट प्रशिक्षण प्रदान करेंगे और अत्याधुनिक खेल बुनियादी ढांचे, खेल विज्ञान और खेल चिकित्सा सुविधाओं से लैस होंगे। इसके अलावा, उच्च गुणवत्ता वाले प्रशिक्षण कार्यक्रम प्रदान करने के लिए राज्य उत्कृष्टता केंद्र (एससीओई) स्थापित किए जाएंगे, जो प्राथमिकता वाले खेलों में एथलीटों का समर्थन करेंगे।

समावेशिता खेलो इंडिया की आधारशिला रही है, और ह्यअचीविंग स्पोर्ट्स माइलस्टोन बाय इंस्पायरिंग वीमेन थ्रू एक्शनह्ल (एएसएमआईटीए) लीग जैसी पहलों ने खेलों में महिलाओं को सशक्त बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। 2021 में अपनी शुरूआत के बाद से, एएसएमआईटीए ने 880 से अधिक प्रतियोगिताओं का आयोजन किया है जिससे मीराबाई चानू जैसी ओलंपिक पदक विजेता सहित 1,00,000 से अधिक महिला एथलीटों को लाभ मिला है। माननीय प्रधानमंत्री मोदी ने हमेशा ग्रामीण भारत और छोटे शहरों के एथलीटों का समर्थन करने के महत्व पर बल दिया है, जिन्हें अक्सर अतिरिक्त समर्थन की आवश्यकता होती है।

खेलो इंडिया के माध्यम से, हमने सुनिश्चित किया है कि वित्तीय बाधाओं के कारण प्रतिभा पीछे न छूट जाए। खेलो इंडिया के अंतर्गत महिला फुटबॉल लीग अरुणाचल प्रदेश के मोनिगोंग जैसे दूरदराज के इलाकों तक भी पहुंच गई है, इससे संगठित खेल गतिविधियों से अछूते क्षेत्रों में खेल भागीदारी को बढ़ावा मिला है।

पैरा-एथलीटों के लिए, खेलो इंडिया पैरा गेम्स ने एक समावेशी मंच प्रदान किया है, जिसके तहत अब कई एथलीट पैरालिंपिक जैसे वैश्विक आयोजनों के लिए क्वालिफाई कर रहे हैं। इसके अतिरिक्त, इस पहल ने योगासन, मल्लखंब, कलारीपयट्टू, थांग-ता और गतका जैसे स्वदेशी खेलों को सक्रिय रूप से बढ़ावा दिया है तथा उन्हें खेलो इंडिया यूथ एंड यूनिवर्सिटी गेम्स में एकीकृत करके उनके संरक्षण और विकास को सुनिश्चित किया है। स्वदेशी खेलों को और बढ़ावा देने के लिए कबड्डी और खो-खो जैसे पारंपरिक खेलों के लिए भारत-आधारित अंतर्राष्ट्रीय महासंघों की स्थापना करने का प्रयास किया जाएगा, जिसका उद्देश्य विश्व चैंपियनशिप का आयोजन करना और अंतर्राष्ट्रीय बहु-खेल आयोजनों में उनके समावेशन की दिशा में कार्य करना है। (केंद्रीय युवा कार्यक्रम एवं खेल तथा श्रम एवं रोजगार मंत्री)

लेटर टू एडिटर

उत्पादकता पर असर

विश्व में बड़े संघर्ष के बाद कामकाजी लोगों ने सप्ताह में 48 घंटे का काम और एक दिन विश्राम का हक हासिल किया है। भारत में फैक्टरी एक्ट 1948 के तहत ऐसे नियमों को लागू किया गया। विकसित देशों में तो सप्ताह में केवल 40 घंटे ही काम किया जाता है। आज कुछ उद्योगपति काम के घंटों को बढ़ाकर 70 और 90 घंटे करना चाहते हैं। इससे काम की गुणवत्ता और श्रमिकों के जीवन पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ सकता है।

-देवी दयाल, हजारीबाग

चुनौतियां और समाधान

कुछ उद्योगपतियों ने सप्ताह में 70 या 90 घंटे काम करने की सलाह दी। हालांकि, काम के घंटे और गुणवत्ता दोनों महत्वपूर्ण हैं। अधिक काम के घंटे उत्पादकता बढ़ा सकते हैं, लेकिन यह गुणवत्ता के नुकसान पर नहीं होना चाहिए। लंबे समय तक काम करने से थकान और एकाग्रता में कमी हो सकती है।

- पूनम कश्यप, रांची

X ट्वीट

कोविड के कठिन दौर में भी झारखण्ड में किसी ने भूख से दम नहीं तोड़ा, क्योंकि अबुआ सरकार हर जरूरतमंद के साथ खड़ी रही। लेकिन डबल इंजन सरकार के दौर में गरीब-गुरबों की कोई सुनवाई नहीं थी, उस वक़्त भूख से हुई मौतें दर्दनाक गवाही हैं।

इन्होंने विकास की गाड़ी नहीं चलाई, बल्कि डबल इंजन की ताकत से झारखण्ड को लूटा। लेकिन आप सभी के प्यार और भरोसे ने हेमन्त जी को झारखण्ड की सेवा करने का अवसर दिया, जिसे हमने दिल से निभाया और झारखण्ड हित में काम किया!

- कल्पना मुर्मू सोरेन, विधायक

भाप से बिजली तक का सफर: भारतीय रेल में विद्युतीकरण के 100 साल

डॉ. जयदीप गुप्ता

विकास

भारतीय रेल के विद्युतीकरण की शुरूआत को 100 वर्ष पूरे हो चुके हैं, 3 फरवरी, 1925 को भारत ने महत्वपूर्ण घटना देखी- तत्कालीन भारतीय रेल नेटवर्क पर पहली इलेक्ट्रिक ट्रेन की शुरूआत। विक्टोरिया टर्मिनस को कुर्ला से जोड़ने वाली यह पहली यात्रा मील का पत्थर साबित हुई। भाप से डीजल तकः भारतीय रेल की कहानी 1853 में एक ऐतिहासिक क्षण से शुरू हुई। बोरीबंदर (अब मुंबई) और ठाणे के बीच 34 किलोमीटर की पहली यात्रा। आयातित भाप इंजनों द्वारा संचालित इन शुरूआती ट्रेनों ने कनेक्टिविटी के एक नए युग की शुरूआत की। हालाँकि, यह 1895 में हुआ था जब भारत ने एफ-क्लास स्टीम लोकोमोटिव के साथ अपनी औद्योगिक क्षमता का प्रदर्शन किया, जो अजमेर में निर्मित होने वाला पहला स्वदेशी इंजन था। 38 टन वजनी और 15,869 की लागत से निर्मित यह एक नवोदित राष्ट्र की इंजीनियरिंग महत्वाकांक्षाओं का प्रतीक था। शुरूआती वर्षों में इनका महत्व होने के बावजूद भाप इंजन ने चुनौतियां पेश कीं।

20वीं सदी के मध्य में डीजल इंजनों का उदय हुआ, जिसने रेल परिवहन में क्रांति ला दी। वाईडीएम क्लास जैसे अधिक शक्तिशाली, विश्वसनीय और लागत प्रभावी डीजल इंजनों ने रेल को ऊबड़-खाबड़ इलाकों में जाने और दूरदराज के क्षेत्रों को जोड़ने में सक्षम बनाया, जिससे आर्थिक विकास को बढ़ावा मिला।

विद्युतीकरणः एक आदर्श बदलाव भारतीय रेल का विद्युतीकरण 1925 में शुरू हुआ, जब विक्टोरिया टर्मिनस (अब छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस) और कुर्ला के बीच 1.5 केवी डीसी सिस्टम पर पहली इलेक्ट्रिक ट्रेन चली। यह परिवर्तनकारी कदम गति, दक्षता और पर्यावरण पर कम नकारात?मक प्रभाव का अग्रदूत था। इस प्रणाली ने अपने पूर्ववर्तियों की कई अक्षमताओं को समाप्?त किया, जिससे एक टिकाऊ भविष्य की नींव रखी गई। 1957 में 25 केवी एसी ट्रैक्शन को अपनाने के साथ एक महत्वपूर्ण मोड़ आया, जो फ्रांसीसी विशेषज्ञता से प्रेरित एक तकनीक थी। इस उन्नत तकनीक ने ऊर्जा संचरण घाटे को नाटकीय रूप से कम किया, बिजली उत्पादन में वृद्धि की तथा लंबी और तेज ट्रेनों के परिचालन को सक्षम बनाया। बर्द्धमान-मुगलसराय और टाटानगर-राउरकेला खंड इस प्रणाली को अपनाने वाले शुरूआती खंड बन गए, जिससे विद्युतीकृत रेल के विस्तार में तेजी आई। इलेक्ट्रिक ट्रैक्शन में बदलाव करके, भारतीय रेल ने न केवल अपने संचालन को आधुनिक बनाया, बल्कि पर्यावरण संरक्षण में भी महत्वपूर्ण कदम उठाए।

तकनीकी उपलब्धियांः एबीबी और उससे आगे भारतीय रेल के आधुनिकीकरण में एक महत्वपूर्ण क्षण 23 जुलाई, 1993 को आया, जब एबीबी ट्रांसपोर्टेशन (स्विट्जरलैंड) के साथ एक अनुबंध के तहत भारत में अत्याधुनिक लोकोमोटिव तकनीक की शुरूआत हुई। इस समझौते के तहत, उन्नत माल और यात्री इंजनों का आयात किया गया, साथ ही प्रौद्योगिकी हस्तांतरण से स्वदेशी विनिर्माण संभव हुआ। 5,400 एचपी की पावर आउटपुट और 180 किमी/घंटा तक की गति वाला डब्ल्यूएपी 5, 1995-96 में शुरू हुआ, जिसने अपनी ऊर्जा दक्षता और माइक्रोप्रोसेसर-आधारित नियंत्रणों के साथ रेल परिवहन में क्रांति ला दी। इसी तरह, 1996 में आए डब्ल्यूएजी 9 फ्रेट लोकोमोटिव, अपनी 6,000 एचपी क्षमता के साथ भारी भार ढोने के लिए एक बेंचमार्क बन गया। इन नवपरिवर्तनों के बाद किए गए विकास कार्यों के लिए आधार तैयार किया, जिसमें डब्ल्यूएपी7 (यात्री सेवाओं के लिए) और डब्लूएजी12बी, भारी माल परिवहन के लिए डिजाइन किया गया 12,000 एचपी फ्रेट लोकोमोटिव शामिल है।

वंदे भारत एक्सप्रेस की शुरूआत ने भारतीय रेल की उपलब्धियों में एक और उपलब्धि जोड़ दी है। सेल्फ-प्रोपेल्ड इलेक्ट्रिक मल्टीपल यूनिट्स (ईएमयू) की सुविधा वाली यह सेमी-हाई-स्पीड ट्रेन उन्नत प्रपल्शन सिस्टम, हल्के वजन वाली सामग्री और विश्वस्तरीय सुविधाओं के साथ 180 किमी/घंटा तक की गति प्रदान करती है। यह सिर्फ. एक ट्रेन नहीं है, बल्कि भारत की इंजीनियरिंग और विनिर्माण क्षमता की भी प्रतीक है।

आगे की राह : उत्प्रेरक के रूप में विद्युतीकरण भारतीय रेल विद्युतीकरण के 100 वर्ष पूरे होने का जश्न मना रहा है, अतीत की उपलब्धियाँ एक महत्वाकांक्षी भविष्य के लिए खाका तैयार करती हैं। 2025 तक 97% से ज्यादा नेटवर्क के विद्युतीकरण के साथ, अब सभी मार्गों पर विद्युतीकरण को पूरा करने पर ध्यान केंद्रित किया जा रहा है। तकनीकी छलांग ने देश के परिवहन ढांचे को मजबूत किया है, पर्यावरण पर इसके प्रभाव को कम किया है और वैश्विक स्तर पर इसकी स्थिति को बढ़ाया है। विद्युतीकरण के फलस्वरूप भारत की रेल पटरियाँ रोशन होने के साथ एक टिकाऊ और समृद्ध भविष्य का मार्ग प्रशस?त करती है।

(लेखक, रेलवे इलेक्ट्रिफिकेशन,

2047 तक विकसित भारत की दिशा में बजट, झारखंड की उपेक्षा

रानी राज

बजट

वित्त मंत्री द्वारा केन्दीय सदन में 2025-26 का बजट सशक्त रणनीति के द्वारा समृद्ध भारत बनाने हेतु लोकसभा में पेश किया गया। इस बजट पर बिहार-झारखंड की आकांक्षा भी जुड़ी होती है। राज्य के साथ जनता भी प्रत्यक्ष - अप्रत्यक्ष लाभों पर आँख लगाए रहती है। बजट की नजर 2047 तक विकसित भारत पर टिकी हुई है।पक्ष - विपक्ष में प्रशंसा- आलोचना के न्यूज बाइट्स आ रहे है। झारखंड - बिहार के सन्दर्भ में भी बजट का मतलब अलग - अलग है। विपक्ष का आरोप है बजट में बिहार के लिए सबकुछ है। क्योकि वहाँ इस वर्ष चुनाव है जबकि झारखंड केंद्रीय सत्ता पक्ष को शिकस्त दिया तो केंद्र ने मुँह ही फेर लिया । बजट में सरकार ने चुनाव , मध्यम वर्ग , कृषि और निर्यात - निवेश पर ध्यान केंद्रित किया है। 12 लाख तक की आय को कर मुक्त कर दिया है। 12 लाख रुपये की आदमनी पर स्लैब के हिसाब से 60 हजार रुपये का टैक्स बनेगा जो कि रिबेट के तौर पर माफ हो जाएगा। बिहार के प्रति व्यक्ति आय 2021-22 में 49,470 रुपए प्रति वर्ष था जबकि झारखंड का इसी वित्तीय वर्ष में 78,660 रुपए प्रति वर्ष रहा। बिहार - झारखंड जैसे कम आय वाले राज्यों की जनता अब अधिक खर्च कर पाएगी। तथापि इसका विशेष लाभ नहीं मिल सकेगा। अभी दोनों राज्य बेरोजगारी और कम आय की समस्या से जूझ रहे है। दोनों राज्यों में रोजगार एक बड़ी समस्या है। नौकरी देने वाली एजेंसिया विवादों में है। भूमि मानव और खनिज संसाधनों का उचित दोहन नहीं है इस मुद्दे पर केंद्र उदासीन रहा है। कृषि क्षेत्र के लिए शुरू की जाने वाली प्रधान मंत्री धन-धान्य कृषि योजना विकासशील कृषि जिला कार्यक्रम , राष्ट्रीय उच्च पैदावार बीज मिशन, , 6-वर्षीय ह्लदलहनों में आत्मनिर्भरता मिशनह्व और सब्जियों और फलों के लिए व्यापक कार्यक्रम का लाभ झारखण्ड और बिहार दोनों राज्यों के कृषको को मिल पायेगा।

झारखण्ड - बिहार के कृषक ऋण तक पहुंच नहीं पाते , न ही उनके पास उन्नत तकनीकों की पहुंच है। प्रधानमंत्री धन-धान्य कृषि योजना को आकांछी जिला योजना की तरह क्रियान्वित किया जायेगा। चुनिंदा 100 जिलों को इसका लाभ शुरू में मिलेगा। झारखंड - बिहार के जिले इसमें चयनित हो सकते है। किसान क्रेडिट कार्ड के माध्यम से ऋण सीमा 3 लाख से 5 लाख कर दिया गया है। इसका लाभ दोनों राज्यों के लगभग 7 किसान इसका लाभ ले पाएंगे। इसका प्रभाव कृषि , मत्स्य और पशुपालन क्षेत्र को मिलेगा। देश के कैंसर पीड़ितों के लिए सभी जिला अस्पतालों में डे-केयर कैंसर केंद्र की स्थापना का लाभ झारखंड - बिहार के कैंसर पीड़ित मरीजों को मिलेगा। महंगे देखभाल और राज्य में स्वास्थ्य सुविधाओं में कमी कारण बड़ी संख्या में कैंसर से मौते होती है। धनबाद को झारखंड का कैंसर राजधानी कहा जाता है। राष्ट्रीय रजिस्ट्री कार्यक्रम में अनुसार बिहार में वर्ष 2023 में भयावह लगभग 76 हजार लोगों की कैंसर के कारण मौत हुई है। साल 2022 में बिहार कैंसर से मौतों के मामले में देश के राज्यों में चौथे स्थान पर था। दोनों राज्यों में हर वर्ष 80 हजार से अधिक कैंसर मरीज मिल रहे है। जिला अस्पतालों में कैंसर केंद्र, कैंसर से होने वाली मौतों को कम कर सकती है। जिला अस्पतालों को और अधिक सुविधाएं देने का प्रयास किया जाना चाहिए था। हर कोई गावो से पटना या रांची नहीं जा सकता मगर जिला स्वास्थ्य अस्पतालों तक पहुंच होती है। अत्याधुनिक सुविधाओं के साथ डॉक्टर्स और स्टाफ की समस्या हल की जानी चाहिए थी। उभरते हुए टियर 2 शहरों में वैश्विक क्षमता केन्द्रों को बढ़ावा देने में राज्यों का मार्गदर्शन करने के लिए एक राष्ट्रीय फ्रेमवर्क तैयार किया जाएगा। झारखंड के धनबाद , रांची , जमशेदपुर और बिहार के पटना में वैश्विक क्षमता केन्द्र के विकास में सहायता मिल पायेगी।

चुनावी वर्ष होने के कारण इस बजट में मध्यम वर्ग के साथ बिहार का खास ख्याल रखा गया है।बिहार में मखाना बोर्ड की स्थापना की घोषणा की गई है।नवीनतम मखाना बोर्ड बिहार को वैश्विक पहचान दिला सकता है। इससे रोजगार के अवसर के साथ बिहार की आय में इजाफा हो सकता है। बिहार में राष्ट्रीय खाद्य प्रौद्योगिकी, उद्यमशीलता और प्रबंधन संस्थान की स्थापना की जाएगी। इस संस्थान से पूरे पूर्वी क्षेत्र में खाद्य प्रसंस्करण कार्यकलापों को पुरजोर बढ़ावा मिलेगा एवम किसानों के उत्पादों के मूल्य संवर्धन के माध्यम से उनकी आमदनी बढ़ेगी, और युवाओं को कौशल प्रशिक्षण, उद्यमशीलता और रोजगार के अवसर प्राप्त होंगे। बिहार में ग्रीनफील्ड एयरपोर्ट का निर्माण होगा। बिहार में ग्रीनफील्ड एयरपोर्टों की सुविधा प्रदान की जाएगी ताकि राज्य की भावी आवश्यकताओं को पूरा किया जा सके।बिहार के मिथिलांचल क्षेत्र में पश्चिमी कोशी नहर परियोजना से 50,000 हेक्टेयर से अधिक भूमि पर बड़ी संख्या में खेती करने वाले किसानों को लाभ होगा।

बिहार में बीजेपी सहयोगी सरकार और इस वर्ष चुनाव होने की संभावना ने विशेष लाभ दिया'है। जबकि झारखंड को इस बजट से कोई विशेष लाभ नहीं मिल पाया। इस बजट से बिहार - झारखंड के युवाओ को रोजगार की विशेष उम्मीद थी। झारखंड - बिहार में परिवहन आज भी समस्या है। सार्वजनिक परिवहन व्यवस्था एवं बारहमासी सडकों की व्यवस्था मजबूत की जानी चाहिए। शिक्षा , रोजगार और स्वास्थ्य के क्षेत्र में दोनों राज्य आज भी अन्य राज्यों पर आश्रित हैं। देश मे मात्र लागभग साढ़े तीन करोड़ लोग ही इनकम टैक्स भरते हैं तो बारह लाख तक की आय पर टैक्स न लगने से किसे लाभ होगा? 2047 में विकसित भारत का लक्ष्य तब तक अधूरा होगा जब तक देश के पिछड़े राज्य आगे नहीं बढ़ते और ये दोनों राज्य राष्ट्रीय सूचकांकों में सामाजिक आर्थिक तौर पर नीचे से प्रथम दो हैं।बजट समावेशी विकाश का आधार है ।आवश्यक है दोनों राज्यों को विशेष हिस्सेदारी मिले ताकि भारत का समतुल्य विकास हो।

स्पीड न्यूज

चोरों के अंदर पुलिस का डर खत्म, लगातार दे रहे चोरी की घटना को अंजाम

कुजू। कुजू ओपी क्षेत्र में इन दिनो चोरों का आंतक बढ़ता ही जा रहा है। जिस तरह से लगातार चोरी की घटनाएं हो रही है इससे लगता है कि चोरों के अंदर पुलिस का डर ही खत्म हो गया है। चोरों ने अब तो ओपी से महज कुछ दूरी पर मेन रोड स्थित कुछ दिन पूर्व ही खुला श्री कृष्णा स्वीट्स एंड ड्राई फ्रूट्स दुकान में चोरी कर ली। चोरों ने शीट तोड़कर रविवार की रात नगद 3 हजार रुपए व करीब 8 हजार रुपए मूल्य के ड्राई फ्रूट्स की चोरी कर ली। भुक्तभोगी संचालक विनोद प्रसाद को घटना की जानकारी सोमवार की सुबह दुकान खोलने पर हुई। उन्होंने तत्काल कुजू ओपी पुलिस को सूचित किया। पुलिस ने घटनास्थल पहुंच कर छानबीन की। भुक्तभोगी ने विनोद प्रसाद ने बताया कि प्रतिदिन की तरह रविवार की रात दुकान बंद कर चले गए। सोमवार की सुबह दुकान आने पर उन्होंने देखा कि शीट टूटी हुई है। साथ ही गल्ले में रखे नगद 3 हजार रुपए व करीब 8 हजार रुपए मूल्य के ड्राई फ्रूट्स गायब हैं।

शिक्षा बिना मानव जीवन पशु के समान है : अशोक

रजरप्पा। छोटकीपोना स्थित आदर्श ज्ञान भारती पब्लिक स्कूल में सरस्वती पूजा के समारोह पर आयोजित सांस्कृतिक कार्यक्रम का उदघाटन मुख्य अतिथि ग्राम विकास समिति अध्यक्ष अशोक राम बेदिया, विशिष्ट अथिति युगेश महतो, बढ़न राम दांगी, मोती राम, बासुदेव महतो, संजय नायक, मनोहर कुमार, वरुण महतो, संचालक महेश प्रसाद, संस्थापक बालेश्वर प्रसाद, ओमप्रकाश कुमार, प्रीतम महतो ने संयुक्त रुप से फीता काटकर एवं दीप जलाकर शुरूआत किया। मौके पर मुख्य अथिति ने कहा कि शिक्षा बिना मानव जीवन पशु के समान है। साथ ही नाटक और संगीत लोगों को मानसिक रूप से मनोरंजन करता है। इससे प्रेरणा लेकर लोगों को जीवन में आने वाले नाटक का सामना करनी चाहिए . कार्यक्रम के प्रारंभ में विद्यालय के निदेशक ने सभी आगत अतिथियों का स्वागत कर मंचासीन कराया। स्कूली छात्राओं ने सरस्वती वंदना स्वागत गीत गाए। इसके साथ ही बेहतर नृत्य, नाटक, गीत आदि कार्यक्रम में प्रथम, द्वितीय, तृतीय स्थान पर आने वाले छात्र-छात्राओं को पुरस्कार मेडल प्रदान किया गया। सांस्कृतिक कार्यक्रम को सफल बनाने में शिक्षक बेबी कुमारी, भारती, रेशमी, मोहनी, रोशन कुमार, नवीन कुमार, विकास कुमार आदि का सराहनीय योगदान रहा।

स्वर्णरेखा महिला समिति द्वारा आयोजित ब्यूटीशियन कार्यशाला संपन्न

भुरकुंडा (रामगढ़)। स्वर्णरेखा महिला समिति द्वारा आयोजित तीन महीने की ब्यूटीशियन कार्यशाला सोमवार को समारोह पूर्वक संपन्न हो गया। इस कार्यशाला में 20 प्रतिभागियों ने भाग लिया। जिसमें से 4 प्रतिभागियों ने प्रशिक्षण के बाद कार्यक्षेत्र में कदम रखा और अपनी सेवाएं देना शुरू कर दिया। कहा गया कि कार्यशाला का उद्देश्य महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाना और उनके लिए रोजगार के नए अवसर प्रदान करना था। समापन समारोह के अवसर पर स्वर्णरेखा महिला समिति की अध्यक्ष रीता सिंह ने प्रतिभागियों को प्रशिक्षण प्रमाण-पत्र प्रदान कर उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। साथ ही रीता सिंह ने कहा कि इस तरह की कार्यशालाएं महिलाओं को न केवल स्वरोजगार के अवसर देती है, बल्कि उन्हें आत्मनिर्भर और सशक्त बनाती हैं। प्रतिभागियों ने समिति को उनके इस प्रेरणादायक कदम के लिए धन्यवाद दिया।

सरस्वती पूजा धूमधाम से मनाई गयी

रजरप्पा। रजरप्पा कोयलांचल सहित चितरपुर आसपास के क्षेत्रों में सोमवार को विद्या की देवी मां वीणावादिनी का पूजा वैदिक मंत्रोच्चारण के साथ धूमधाम व साथ मनायी गयी। इस मौके पर छात्र-छात्राएं उपस्थित होकर मां सरस्वती की पूजा पूरे भक्तिभाव से किया। पूजा को लेकर एवं युवाओं में खासा रहा। यहां के विभिन्न स्कूल, कॉलेज और शैक्षणिक संस्थानों के अलावे क्लबों में मां शारदे की प्रतिमा स्थापित की गई है। इस दौरान सुबह माता सरस्वती को पूजा अर्चना कर सुख-समृद्धि की कामना की गई। पूजा पंडालों में लगे आकर्षक लाइट और भजनों से माहौल भक्तिमय हो गया है। आयोजन समिति के सदस्यों के विभिन्न स्कूल कॉलेज और शैक्षणिक संस्थानों द्वारा सोमवार को प्रतिमा विसर्जन किया जाएगा। इधर, चितरपुर विद्यालय चितरपुर, बीएड कॉलेज लारी में भी मां शारदे की प्रतिमा स्थापित कर विधिवत पूजा-अर्चना कर आशीर्वाद प्राप्त किया।

प्रयागराज में मृत्यु होने वाले व्यक्तियों को दी गई श्रद्धांजलि

भुरकुंडा (रामगढ़)। भुरकुंडा थाना मैदान स्थित श्रीश्री 108 खेपा बाबा आश्रम में रविवार की शाम श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया। इसमें प्रयागराज में मृत्यु होने वाले व्यक्तियों को भावपूर्ण श्रद्धांजलि दी गई। साथ ही दिवंगत आत्मा की शांति के लिए अगरबत्ती जलाकर मौन रखा गया। श्रद्धांजलि देने वालो में श्रीश्री 108 खेपा बाबा, बृजनंदन उर्फ बाबू भुंइया, सतीश कुमार, मिथिलेश पासवान, अजय यादव, रोहित मिश्रा, सत्यनारायण महतो, आनंद महतो, कारण पासवान, रंजीत कुमार, कुंती देवी, गीता देवी, रीना देवी, मेघा कुमारी, प्रमिला देवी, सोनाली, लीला देवी सहित दर्जनों लोग मौजूद थें।

हजारीबाग जिले में धूमधाम से मनी सरस्वती पूजा

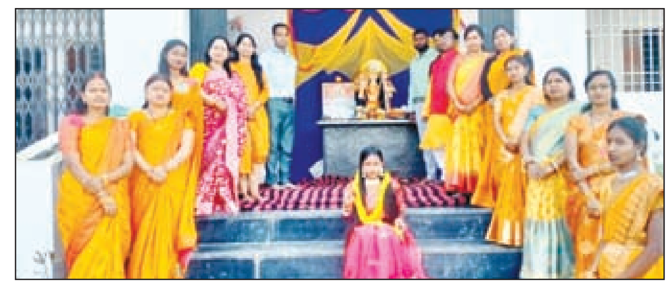

पूजा करते श्रद्धालु

खबर मन्त्र संवाददाता

हजारीबाग। जिले में सरस्वती पूजा बड़े हर्षोल्लास और भक्ति भाव से मनाई गई। स्कूल, कॉलेज, शिक्षण संस्थान और विभिन्न सामाजिक संगठनों ने मां सरस्वती की भव्य प्रतिमा स्थापित कर विधि-विधान से पूजा-अर्चना की। भक्तों ने मां शारदे से ज्ञान, बुद्धि और समृद्धि की कामना की।

पूजा पंडालों को आकर्षक फूलों और रंगीन लाइटों से सजाया गया, जिससे पूरे जिले में उत्सवी माहौल बना रहा। विद्यार्थियों ने मंत्रोच्चार के साथ मां सरस्वती की आराधना की और प्रसाद ग्रहण किया। कई स्थानों पर भजन-कीर्तन और सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन भी किया गया। शहर से लेकर ग्रामीण इलाकों तक श्रद्धालुओं की भारी भीड़ देखने को मिली। प्रशासन ने सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए थे ताकि पूजा शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हो सके।

प्रखंड क्षेत्र में धूमधाम से मनाई गई सरस्वती पूजा

दारू। प्रखंड क्षेत्र में सरस्वती पूजा पूरे हर्षोल्लास और भक्ति भाव के साथ मनाई गई। क्षेत्र के विभिन्न बस्तियों,विद्यालयों और संस्थानों में मां सरस्वती की प्रतिमा स्थापित कर विधिपूर्वक पूजा-अर्चना की गई। दारू पुराना दुर्गा मंडप, अल्फा कॉर्नर, सनराइज पब्लिक प्लस 2हाई स्कूल, छत्रपति शिवाजी प्लस 2 हाई स्कूल, ज्ञान गंगा पब्लिक स्कूल, ग्लोरियस पब्लिक स्कूल, बिरसा स्कूल, स्वामी विवेकानंद स्कूल, ज्ञान गंगा मेमोरियल स्कूल, मेडकुरी, दारू, खरिका, जिनगा और झुमरा समेत कई जगहों पर श्रद्धालुओं ने भव्य तरीके से पूजन किया। विद्या की देवी मां सरस्वती की आराधना के लिए छात्रों और शिक्षकों ने मिलकर सुंदर मंडप सजाए और भजन-कीर्तन का आयोजन किया। पूजा के दौरान हवन, प्रसाद वितरण और सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन भी किया गया। श्रद्धालुओं ने मां सरस्वती से विद्या, बुद्धि और ज्ञान की प्राप्ति की प्रार्थना की। पूरे क्षेत्र में भक्तिमय माहौल बना रहा और श्रद्धालु उत्साह के साथ पूजा में शामिल हुए।

टाटीझरिया में बहुत ही धूमधाम से मना सरस्वती पूजा

टाटीझरिया। प्रखंड क्षेत्र के झरपो, भाराजो, खैरा, डूमर, टाटीझरिया, डहरभंगा पंचायत के विभिन्न गांवों मुहल्ले के पूजा समिति क्लबों में विद्या की देवी माता सरस्वती की पूजा अर्चना आराधना किया गया गया। वही टाटीझरिया के एडिशन पब्लिक स्कूल, डीएवी सैनफोर्ड पब्लिक स्कूल,रामानुजन डिग्री कॉलेज, झरपो मध्य विद्यालय,अरुण मेमोरियल सेकेंडरी स्कूल झरपो टाटीझरिया, उचित नारायण उच्च विद्यालय झरपो समेत अन्य विद्यालय कोचिंग शिक्षा संस्थानों में विधिवत छात्र छात्राए शिक्षकों के साथ आचार्य पुरोहितों द्वारा सरस्वती महा भाग्ये विद्या कमल लोचनि ,विश्व रुपे विशालाक्षी विद्या देही नमोस्तुते। अन्य वैदिक मंत्रोच्चारण कर पूजा माता सरस्वती की प्रतिमा का विधिवत पूजा अर्चना आराधना किया गया। बताते चले कि एडिशन पब्लिक स्कूल टाटीझरिया में सरस्वती पूजा के अवसर पर सांस्कृतिक कार्यक्रम का भी आयोजन किया गया।

विद्यालय की प्रधानाध्यापिका सुधा कुमारी ने छात्र छात्राओं को सरस्वती पूजा के महत्व की जानकारी देते हुए सरस्वती पूजा की शुभकामनाएं दिया एवं उन्होंने कहा कि वेद की जननी माता सरस्वती आप सबों पर अपनी कृपा हमेशा बनाए रखें। कार्यक्रम में विद्यालय परिवार के शिक्षक शिक्षिकाओं संग कई छात्र छात्राए शामिल थे।

माता सरस्वती की भक्तिभाव से हुई पूजा

रामगढ़। वसंत पंचमी के शुभ अवसर पर 3 फरवरी को विद्या की देवी मां सरस्वती की पूजा उत्क्रमित मध्य विद्यालय गोविंदपुर मांडू में धूमधाम से हुई। पूजा का शुभारंभ विद्यारंभम करिस्यामि सिद्धिर भवतु में सदा अर्थात यह सब की कामना पूर्ण करने वाले माता सरस्वती आपको नमस्कार करता हूं मैं अपने विद्याज्ञान करना आरंभ कर रहा हूं मुझे इस कार्य में सिद्धि मिले दूसरा मंत्र या देवी सर्वभूतेषु विद्या रूपेण संस्थिता नमस्ते नमस्ते नमो नमः तीसरा मंत्र पढ़ाई में तेज होने वाला मंत्र ओम त्र्यंबकम यजामहे सुगंधिम पुष्टिवर्धनम उवार्उकमेव वंधनान मृत्यो मोक्षीय मामृत्ता मंत्र का उच्चारण के साथ विद्यालय के प्रधानाध्यापक डॉ सुनील कुमार कश्यप, सभी छात्र-छात्राओं और शिक्षकों संपन्न किया । विद्यालय के सभी छात्र-छात्राओं और शिक्षकों ने पूर्ण मनोयोग के साथ पूजा में भाग लिया।

इचाक में बिहार किंग फैमिली रेस्टोरेंट और निर्मल फर्नीचर का भव्य उद्घाटन

खबर मन्त्र संवाददाता

उद्घाटन में शामिल लोग

इचाक। क्षेत्र में व्यापार और सुविधाओं के विस्तार के तहत बिहार किंग फैमिली रेस्टोरेंट और निर्मल फर्नीचर का शुभारंभ किया गया। बिहार किंग फैमिली रेस्टोरेंट का उद्घाटन नेशनल हाईवे 33 स्थित बोंगा पेट्रोल पंप के पास हुआ, जबकि निर्मल फर्नीचर का शुभारंभ पुराना इचाक स्थित टावर के समीप किया गया।

इस अवसर पर जिला परिषद सदस्य रेणु देवी, मुखिया संघ के जिला अध्यक्ष रंजीत कुमार मेहता, पूर्व मुखिया निर्मल कुमार, पूर्व विश्व सूत्री अध्यक्ष गौतम नारायण सिंह, मुखिया अशोक राम, सिकंदर कुमार दास और कांग्रेसी नेता कैलाश प्रसाद मेहता ने नारियल फोड़कर और फीता काटकर उद्घाटन किया।

समारोह में वक्ताओं ने कहा कि नेशनल हाईवे पर एक अच्छे फैमिली रेस्टोरेंट के खुलने से यात्रियों को किफायती और स्वादिष्ट व्यंजनों का आनंद मिलेगा। वहीं, निर्मल फर्नीचर के शुभारंभ से स्थानीय लोगों को शादी-विवाह और अन्य आवश्यकताओं के लिए टिकाऊ और किफायती फर्नीचर आसानी से उपलब्ध हो सकेगा।

इस उद्घाटन कार्यक्रम में राजू कुमार, फुलवा देवी, कौशल्या देवी, आरती देवी, रामप्रवेश सिंह, पूर्व विश्व सूत्री अध्यक्ष मनोहर राम, पूर्व प्रमुख सरिता देवी, पप्पू प्रसाद मेहता, रामफल मेहता, दिगंबर प्रसाद मेहता, सुरेंद्र प्रसाद मेहता, जगदीश मेहता, नरेश प्रसाद मेहता, बंगाली प्रसाद मेहता, अंजू यादव, बबीता यादव, पिंटू कुमार, अशोक कसेरा, किशोर सिंह, राजेंद्र रवि, उमेश रवानी, पूर्व 20 सूत्री उपाध्यक्ष निरंजन कुमार, गीता देवी, प्रकाश राम, संतोष कुमार रजक, किरण देवी, संदीप कुमार, आशीष कुमार, चंद्रिका सिंह, रोहन कुमार, सजल कुमार, पंकज कुमार, नूतन सिंह, कृष्ण प्रसाद और नारायण प्रसाद सहित सैकड़ों लोग उपस्थित रहे। स्थानीय जनता और अतिथियों ने इस पहल की सराहना की और इसे क्षेत्र के आर्थिक विकास और सुविधा विस्तार की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम बताया।

बाबा श्याम प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव को लेकर भव्य कलश यात्रा का आयोजन

कलश के साथ शामिल

बड़ी संख्या में शामिल हुए श्रद्धालु

पूजा में शामिल

खबर मन्त्र संवाददाता

रामगढ़। बाबा श्याम प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव के शुभ अवसर पर 3 फरवरी को दामोदर नद स्थित मुक्तिधाम परिसर गांधी घाट से भव्य कलश यात्रा निकाली गई। हजारों महिलाओं बच्चों और पुरुषों ने इस कलश यात्रा में भाग लिया।

पीले फूलों और खूबसूरत रंगों से कलश को सजाया गया था जिसमें दामोदर नदी से पवित्र जल को पूर्ण किया गया। बाबा की सेवा में समर्पण करने के लिए श्री श्याम सेवा समिति ट्रस्ट एवं श्री श्याम महिला परिवार की सभी समस्याएं उपस्थित थी। पांच मुख्य यजमान ने सबसे पहले सपत्नीक कलश की पूजा की। जिसे वैदिक मंत्रो के साथ बनारस से आए हुए विद्वान पंडितों ने कराया। सुबह 7रू00 से लेकर 10रू00 बजे तक गांधी घाट मुक्तिधाम परिसर में ओम नमः शिवाय और ओम श्री श्याम देवाय का जाप लगातार चलता रहा।

लोग भक्ति में डूबे रहे और कलश यात्रा के प्रस्थान करने का इंतजार करते रहेऋ पश्चात जुलूस प्रस्थान किया ।आगे आगे बैंड पार्टी छात्रधारी लोग और श्याम प्रभु की तस्वीरकी एक गाड़ी फूलों से लदी हुई सजी थी। यह भव्य शोभायात्रा शहर के थाना चौक, झंडा चौक ,चट्टी बाजार एवं नेहरू रोड होते हुए बाबा श्याम के मंदिर में प्रवेश की। सभी भक्त महिलाओं से कलश मंदिर में रखवाया गया एवं मंदिर के ठीक सामने प्रसाद भोजन की व्यवस्था की गई जिसमें हजारों हजार लोगों ने प्रसाद ग्रहण किया। पुलिस प्रशासन की टीम थाना इंचार्ज कृष्ण कुमार के नेतृत्व में एवं ट्रैफिक पुलिस इंचार्ज गजेंद्र पांडे के निर्देशन में पूरी तरह सेवा में पुरुष एवं महिला टीम के साथ जुटे रहे। उनके चेहरे पर भी भक्ति की खुशबू नजर आ रही थी और बाबा श्याम का जयकारे भी लगा रहे थे। बाबा श्याम के दरबार में ध्रुव सिंह, विष्णु शर्मा निखिल गोयल, एवं कमल बगड़िया एवं अनेक भक्त भजन गाते हुए चल रहे थे। रांची से इन गोलू एंड पार्टी म्यूजिक में अपना पूरा साथ दे रही थी। इन भजनों के पीछे धमाल गर जोर मेरो चाले हीरा मोतियों से नजर उतार दूं ,मतलब कि इस दुनिया से हमको तो नफरत है, तू लग रया सोना सोना, बाबा सीन दे निशान मन खाटू जाना स ,इस तरह के भजनों पर लोग लगातार झूमते रहे। श्याम सेवा समिति के अध्यक्ष, सावर कुमार अग्रवाल, सचिव अनिल गोयल ,कोषाध्यक्ष संजय चौधरी, भवन निर्माण मंत्री रमेश अग्रवाल इस भव्य निशान के आगे आगे चल रहे थे। पांच मुखी जजमान ओमप्रकाश अग्रवाल और राधेश्याम अग्रवाल ऋषभ पटवारी विष्णु पोद्दार ऋषभ संजय जी मथुरा वाले शपतनीक कलश उठाकर आगे आगे चल रहे थे। आगे आगे बैंड पार्टी उसके पीछे भजन बजाते हुए, उसके पीछे कलाकार गाते हुए चल रहे थे। पूरा रामगढ़ श्याम मय नजर आ रहा था पीली परिधानों में महिलाएं एवं पुरुष आज सरस्वती पूजा के इस पावन पर्व पर अपनी अलग छटा बिखेर रहे थे। पूरे रास्ते फूलों की वर्षा हो रही थी एवं गुलाल से सड़क को पाट दिया गया था। सड़क के किनारे हर कोई अपने मोबाइल से इस शुभ घड़ियों को कैद करने में लगा हुआ था। श्री श्याम सेवा समिति ट्रस्ट ने रामगढ़ वासियों को इस भक्ति मय कार्यक्रम में शामिल होने के लिए ह्रदय से धन्यवाद दिया है।

एक नजर में

मजबूत इच्छाशक्ति सफलता का मार्ग प्रशस्त करती है : प्रवीण

भुरकुंडा (रामगढ़)। श्री अग्रसेन स्कूल भुरकुंडा में सोमवार को सरस्वती पूजा हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। आचार्य लीलेश्वर पांडेय ने पूजा संपन्न कराई। सरस्वती पूजा के उपरांत बोर्ड परीक्षा के विद्यार्थियों के लिए आशीर्वचन समारोह का आयोजन हुआ। इस अवसर पर पुष्प वर्षा के बीच सभी विद्यार्थियों को तिलक लगाया गया। आचार्य लीलेश्वर पांडेय के नेतृत्व में विद्यार्थियों ने हवन में भाग लिया। स्कूल के निदेशक प्रवीण राजगढ़िया ने अपने आशीर्वचन में कहा कि जीवन के हर इम्तिहान में सफल होने का संकल्प लेते हुए स्वयं को उसके लिए तैयार करें। मजबूत इच्छा शक्ति सफलता का मार्ग प्रशस्त करती है। उन्होंने कहा कि स्कूली परीक्षा में प्राप्त अच्छा अंक करियर को सही आकार देने में मदद करता है। इसके अलावा अपने व्यक्तित्व और संवाद में हमेशा अच्छे गुणों को स्थान देकर आप आगे बढ़ सकते हैं। विद्यालय परिवार को यकीन है कि आप इस विद्यालय का मान अवश्य बढ़ाएंगे। प्राचार्य विवेक प्रधान ने आशीर्वचन देते हुए कहा कि विद्यालय ने जो मूल्य आपमें गढ़े हैं, वह आपको भावी जीवन में आगे बढ़ने और व्यक्तित्व निर्माण में सहयोगी बनेंगे। अपनी सभ्यता और संस्कृति का साथ कभी न छोड़ें। जीवन में आगे ढ़ेरों चुनौतियाँ सामने आयेगी। लेकिन हमें पूर्ण विश्वास है कि हमारे द्वारा दी गयी शिक्षा व संस्कार उन तमाम चुनौतियों को छोटा साबित कर देगी। अपने लक्ष्य पर हमेशा फोकस रखें। इस अवसर पर विद्यार्थियों ने अपने स्कूली अनुभव को साझा किया।

धूमधाम से मनी सरस्वती पूजा, प्रसाद का हुआ वितरण

भुरकुंडा (रामगढ़)। पटेलनगर भुरकुंडा स्थित एसबीआई बैंक के समीप थर्ड प्लोर पर अवस्थित सेल्फ स्पेस लाइब्रेरी में सोमवार को पूरे धुमधाम व भक्तिभाव के साथ सरस्वती पूजा मनाई गई। इस अवसर पर पुरोहित द्वारा पूरे विधि-विधान एवं वैदिक मंत्रोच्चारण के बीच मां सरस्वती की पूजा-अर्चना की गई। पूजा-अर्चना के दौरान मां सरस्वती सहित अन्य आराध्य देवी-देवताओं के गगनभेदी उदघोष से पूरा लाइब्रेरी गूंजता रहा। पूजा के बाद विद्यार्थियों और श्रद्धालुओं के बीच प्रसाद का वितरण किया गया। मौके पर संस्था के निदेशक आशीष कुमार, राहुल वर्मा व सतीश वर्मा ने कहा की परिश्रही सफलता की कुंजी है। परिश्रम के बल पर हर मुकाम को पाया जा सकता है।

भव्य भंडारा के साथ 5 फरवरी को नम आंखों से मां को दी जायेगी विदाई

भुरकुंडा (रामगढ़)। श्रीश्री सरस्वती पूजा समिति गायत्री नगर के तत्वावधान में सोमवार को पूरे धूमधाम व भक्तिभाव के साथ मां सरस्वती की पूजा-अर्चना की गई। इस दौरान पुरोहित द्वारा पूरे विधि-विधान से वैदिक मंत्रोच्चारण के बीच मां सरस्वती की पूजा-अर्चना कराई गई। पूजा-अर्चना के दौरान मां सरस्वती सहित अन्य आराध्य देवी-देवताओं के गगनभेदी उदघोष से पूरा क्षेत्र गूंजता रहा। पूजा के बाद श्रद्धालुओं के बीच प्रसाद का वितरण किया गया। मौके पर पूजा समिति के सचिव प्रशांत कुमार सिंह ने कहा कि हिन्दू समाज में माता सरस्वती साहित्य, संगीत, कला तथा विद्या की देवी के रुप में प्रतिष्ठित हैं। मां सरस्वती को वीणापुस्तक धारिणी कहा गया है। उनमें भाव, विचार एवं संवेदना का त्रिविध संगम है। जहां वीणा संगीत की वहीं पुस्तक विचारों की और मयूर वाहन कला की अभिव्यक्ति है। श्री सिंह ने बताया कि बुधवार को हवन-पूणार्हुति के बाद भव्य भंडारा का आयोजन किया जाएगा।

मदरसा गुलशन-ए-रजा भुरकुंडा में जलसा-ए-दस्तारबंदी का हुआ आयोजन

भुरकुंडा (रामगढ़)। मदरसा गुलशन-ए-रजा भुरकुंडा में रविवार की रात्रि जलसा-ए-दस्तारबंदी का आयोजन हुआ। जलसे की सदारत प्राचार्य मौलाना अनवर हुसैन ने की। जलसे में हिंदुस्तान के कई नामवर उलेमा व शायर शामिल हुए। इसमें पूर्णिया के मुफ्ती डॉ मुसब्बिर रजा, हजारीबाग के मौलाना गुलाम वारिस, शायर अख्तर कासिफ, शम्स तबरेज शामिल थे। अपनी तकरीर में उलेमाओं ने मुस्लिम समाज से शिक्षा, राजनीति के क्षेत्र में आगे बढ़ने व अपने अधिकार के लिए संगठित होने की बात कही। दीनी मामलों पर कहा कि जिस दिल में कुरान की आयतें मौजूद न हो वह दिल वीरान की तरह होता है। जिस घर में कुरान की तिलावत न हो वह घर जंगल की तरह है। कुरान घर की अलमारी में रखने के लिए नहीं बल्कि पढ़ने के लिए है। लेकिन आज लोग कुरान की तिलावत के लिए रमजान का इंतजार करते हैं।

श्रद्धांजलि सभा का आयोजन

भुरकुंडा (रामगढ़)। भुरकुंडा थाना मैदान स्थित श्रीश्री 108 खेपा बाबा आश्रम में रविवार की शाम श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया। इसमें प्रयागराज में मृत्यु होने वाले व्यक्तियों को भावपूर्ण श्रद्धांजलि दी गई। साथ ही दिवंगत आत्मा की शांति के लिए अगरबत्ती जलाकर मौन रखा गया। श्रद्धांजलि देने वालो में श्रीश्री 108 खेपा बाबा, बृजनंदन उर्फ बाबू भुंइया, सतीश कुमार, मिथिलेश पासवान, अजय यादव, रोहित मिश्रा, सत्यनारायण महतो, आनंद महतो, कारण पासवान, रंजीत कुमार, कुंती देवी, गीता देवी, रीना देवी, मेघा कुमारी, प्रमिला देवी, सोनाली, लीला देवी सहित दर्जनों लोग मौजूद थें।

कुजू कोयलांचल में धूमधाम से हुआ विद्या की देवी मां सरस्वती की पूजा

कुजू। कुजू कोयलांचल क्षेत्र के विभिन्न स्थानों में सोमवार को विद्या की देवी मां सरस्वती की पूजा अर्चना पूरे धूमधाम व हर्षोल्लास के साथ किया गया। क्षेत्र के कुजू, मुरपा, श्री राम चौक, डटमा मोड़, पोस्ट ऑफिस कुजू, नया बाजार टांड़, जय हिंद युवा क्लब कुजू बस्ती के अलावे ओरला, तोपा, कुजू कोलियरी, आरा, सारूबेड़ा, सांडी, बोंगावार, दिगवार, सेवटा, करमा, रतवे, छोटकी डूंडी के गांवों सहित शिक्षण संस्थानों में मां सरस्वती की पूजा की गयी। इस बीच पूजा कमिटि द्वारा प्रसाद के अलावे खीर एवं खिचड़ी का वितरण किया।

जान माल की सुरक्षा को लेकर पीड़ित ने डीसी और एसपी को दिया आवेदन

कुजू। अबुआ आवास योजना में गड़बड़ी मामले को उजागर करने पर ओरला पंचायत मुखिया पति द्वारा एक युवक के साथ मारपीट करने का मामला प्रकाश में आया है। मामले को लेकर भुक्तभोगी ओरला निवासी टारजन मुंडा पिता स्व रामधन मुंडा ने एसपी और डीसी को आवेदन देकर जान माल की सुरक्षा की गुहार लगाई है। आवेदन में पीड़ित टारजन मुंडा ने कहा है कि अबुआ आवास योजना में गड़बड़ी मामले को लेकर गत 14 दिसंबर को प्रेस वालों को दिए गए बयान से नाराज ओरला पंचायत के मुखिया पति निर्मल करमाली पिता स्व हरि करमाली ने मुझे तीन जनवरी को अपने घर पर बुलाया। जहां उनकी उपस्थिति में लखदेव करमाली पिता वंशी करमाली और विकास करमाली पिता स्व विनोद करमाली एवं अन्य 8 से 10 लोगों ने मेरे साथ मारपीट की और मुझे प्रेस में दिए गए बयान को वापस लेने की धमकी दी गई। अन्यथा सर काट कर ले जाने की चेतावनी दी। बाद में 4 जनवरी को मुखिया पति अपने साथ अन्य 60 लोगों को लेकर मेरे घर पर आकर मुझे फिर से वही बात को लेकर धमकाया गया। उन्होंने डीसी और एसपी से जान माल की सुरक्षा करते हुए मारपीट करने और धमकाने वालों पर उचित कानूनी कार्रवाई करने की मांग की है। आवेदन की प्रतिलिपि उन्होंने कुजू ओपी पुलिस को भी दिया है।

माघे मासि सिते पक्षे पञ्चमी या श्रियः प्रिया। शुद्धसत्त्वस्वरूपा च शान्तरूपा सरस्वती

बसंत पंचमीः ज्ञान और कला को समर्पित पर्व

- योगेश कुमार गोयल

माघ माह के शुक्ल पक्ष की पंचमी ह्यबसंत पंचमीह्ल के रूप में देशभर में धूमधाम से मनाई जाती रही है, जो इस वर्ष 2 फरवरी को मनाई जा रही है। इस वर्ष पंचांग के अनुसार, पंचमी तिथि 2 फरवरी को सुबह 9 बजकर 14 मिनट पर आरंभ होगी और 3 फरवरी को सुबह 6 बजकर 52 मिनट पर समाप्त होगी, इसलिए बसंत पंचमी का पर्व इस साल 2 फरवरी को मनाया जा रहा है। 2 फरवरी को बसंत पंचमी की पूजा का शुभ मुहूर्त सुबह 7 बजकर 1 मिनट से लेकर दोपहर 12 बजकर 35 मिनट तक रहेगा। सरस्वती पूजा का मुहूर्त प्रातः 7 बजकर 8 मिनट से प्रारंभ होगा और दोपहर 12 बजकर 34 मिनट तक रहेगा। बसंत पंचमी मध्याह्न का क्षण दोपहर 12:34 बजे होगा। इस वर्ष बसंत पंचमी पर भद्रा का साया रहने वाला है। भद्रा सुबह 7 बजकर 8 मिनट पर आरंभ होगी और सुबह 9 बजकर 14 मिनट तक रहेगी। ज्योतिष शास्त्र में भद्रा को शुभ व मांगलिक कार्यों के लिए शुभ नहीं माना गया है। माना जाता है कि बसंत पंचमी का दिन बसंत ऋतु के आगमन का सूचक है। शरद ऋतु की विदाई और बसंत के आगमन के साथ समस्त प्राणीजगत में नवजीवन एवं नवचेतना का संचार होता है। वातावरण में चहुं ओर मादकता का संचार होने लगता है। प्रकृति के सौंदर्य में निखार आने लगता है। शरद ऋतु में वृक्षों के पुराने पत्ते सूखकर झड़ जाते हैं, लेकिन बसंत की शुरूआत के साथ ही पेड़-पौधों पर नयी कोंपलें फूटने लगती हैं। चारों ओर रंग-बिरंगे फूल खिल जाते हैं, वातावरण महकने लगता है। बसंत पंचमी के ही दिन होली का उत्सव भी आरंभ हो जाता है और इस दिन पहली बार गुलाल उड़ाया जाता है।

साहित्य और संगीत प्रेमियों के लिए बसंत पंचमी का विशेष महत्व है, क्योंकि यह ज्ञान और वाणी की देवी सरस्वती की पूजा का पवित्र पर्व माना गया है। बच्चों को इस दिन से बोलना या लिखना सिखाना शुभ माना गया है। संगीतकार इस दिन अपने वाद्य यंत्रों की पूजा करते हैं। ऐसी मान्यता है कि इसी दिन विद्या और बुद्धि की देवी मां सरस्वती अपने हाथों में वीणा, पुस्तक व माला लिए अवतरित हुईं थी। यही कारण है कि भारतीय संस्कृति में इस दिन लोग विद्या, बुद्धि और वाणी की अधिष्ठात्री देवी सरस्वती की पूजा-आराधना करके अपने जीवन से अज्ञानता के अंधकार को दूर करने की कामना करते हैं।

ऋतुराज वसन्त, सरस्वती और सारस्वत

-आचार्य मिथिलेशनन्दिनीशरण

वसन्त की आहट है। उसकी पगचाप सुनाई पड़ने लगी है। रूप-रंग-रस और सौरभ से समृद्ध हुई धरती अपने हृदय का सञ्चित राग उड़ेल देने को मानो उत्सुक है। हो भी क्यों न ! वसन्त सभी ऋतुओं का अधिपति जो है, यह ऋतुराज है। इसका आश्रय पाकर चराचर जगत में सर्वत्र माधुर्य और मनोहरता का प्रसार हो जाता है। वेदों के अनुसार वसन्त इस सृष्टि-यज्ञ का घृत है-ह्यवसन्तोऽस्यासीदाज्यं।ह्ल यह ब्रह्माण्ड जिसमें हमारा जीवन अधिष्ठित है, वसन्त इसका घी है, ग्रीष्म ईंधन है और शरद हवि है। वसन्त के घी होने में उसका वैशिष्ट्य निहित है। घी स्नेह है, यह रस का-राग का कारक है। महाकवि कालिदास इस वसन्त को प्रिय कहते हैं- ह्यसर्वं प्रिये चारुतरं वसन्ते।

मैथिल-कोकिल विद्यापति भी वसन्त का गुणगान करने से चूकते नहीं। वे वसन्त के जन्म की कथा कहते हैं। उनके अनुसार श्रीपञ्चमी वसन्त-प्रसवा तिथि है। नौ महीने और पाँच दिन के बाद वह शिशु वसन्त को प्रकट करने वाली है। वसन्त के जन्म के सुन्दर रूपक के साथ विद्यापति वसन्त के राजकीय वैभव का वर्णन करते हुये कहते हैं- ह्यआएल रितुपति राज बसंत। ऋतुओं के राजा वसन्त का आगमन हुआ। उसके आगमन पर केसर के पुष्पों ने स्वर्णदण्ड को धारण किया। वृक्षों के नए पत्ते राजा के लिए आसन बने। राजा वसन्त के सिर पर चम्पा के पुष्पों का छत्र सजाया गया है। आम्र मञ्जरी ऋतुराज के सिर का मुकुट बनी हुई है और कोयल उसके सामने पंचम स्वर में गा रही है। पक्षियों का समूह वहाँ आकर आशीर्वाद के मन्त्र पढ़ने लगा। कुन्द लता ने राजा वसन्त की पताका का रूप धारण कर लिया है। पलाश के पत्ते तथा लवंग लता ने एक होकर धनुष व उसकी डोरी का रूप धारण कर लिया है। राजा वसन्त के इन अस्त्र-शस्त्रों को देखकर शत्रु शिशिर ऋतु की सेना भाग खड़ी हुई।ह्ल

इसी सुराज्य और सुशासन में प्रकट होती हैं देवी सरस्वती। सरस्वती जो वाणी की अधिष्ठात्री देवी हैं। बुद्धि-विद्या और समस्त बोध-विज्ञान की जननी हैं। ब्रह्मवैवर्त्त पुराण में सरस्वती को शास्त्रों की जननी, शुद्ध शान्तस्वरूपा एवं कविगण की इष्ट देवी कहा गया है।

सस्मिता सुदती वामा सुन्दरीणाञ्च सुन्दरी। श्रेष्ठा श्रुतीनां शास्त्राणां विदुषां जननी परा॥

वागधिष्ठातृदेवी सा कवीनामिष्टदेवता। शुद्धसत्त्वस्वरूपा च शान्तरूपा सरस्वती॥

अपनी ज्ञान-परम्परा के कारण विश्व भर में समादृत भारत देश में सरस्वती ह्यभारतीह्ल कहलाती हैं। भारती जो भारत को धारण करती हैं। ऋग्वेद के वाक्सूक्त को देखते हुये यह अद्भुत बात सामने आती है कि वाग्देवी कहती हैं कि मैं ही ह्यराष्ट्रीह्ल अर्थात राष्ट्र को धारण करती हुई इसकी स्वामिनी हूँ। मैं ही यज्ञ करने वालों की पहली आकांक्षा हूँ। देवता मेरा ही सर्वत्र अनुसन्धान करते हैं और मैं ही आत्मसाक्षात्कार पूर्वक समस्त समृद्धि को प्रदान करने वाली हूँ।

अहं राष्ट्री संगमनी वसूनां चिकितुषी प्रथमा यज्ञियानाम्।

तां मा देवा व्यदधुः पुरुत्रा भूरिस्थात्रां भूयार्वेशयन्तीम्॥

रुचि और राग से समृद्ध ऋतुराज वसन्त के प्राकट्य के समय ही देवी सरस्वती के प्राकट्य का प्रसंग हमें प्राप्त होता है। शास्त्रीय व्यवस्था के अनुसार माघ शुक्लपक्ष में लक्ष्मी की प्रिय श्री देने वाली जो ह्यश्रीपञ्चमीह्ल कहलाती है उसी तिथि को पूर्वाह्न में देवी सरस्वती का उत्सव किया जाना चाहिये-

माघे मासि सिते पक्षे पञ्चमी या श्रियः प्रिया। तस्याः पूर्व्वाह्ण एवेह कार्यः सारस्वतोत्सवः॥

यहाँ यह समझना रोचक है कि सरस्वती का उत्सव तब हो जब स्नेह का, रस का, रुचि-राग का जागरण हो जाये। जो सृजनशील है, स्निग्ध है, रसमय है वही सरस्वती का साम्राज्य है। सृष्टि के आरम्भ में परमात्मा के मुख से प्रकट हुई देवी सरस्वती अपने स्वरूप से ही अपना सन्देश व्यक्त करती हैं।

आविर्ब्बभूव तत्पश्चान्मुखतः परमात्मनः। एका देवी शुक्लवर्णा वीणापुस्तकधारिणी॥

शुक्लवर्ण वाली, शुभ्र वस्त्र धारण किये हुये, हाथों में वीणा और पुस्तक सँभाले देवी सरस्वती भारत की चेतना का सांस्कृतिक स्वरूप हैं। वसन्त और सरस्वती पूजा के योग को समझते हुये गोस्वामी श्रीतुलसीदास जी के निरूपण का विशेष सन्दर्भ उल्लेखनीय है। वे श्रीरामचरितमानस में एक सादृश्य विधान करते हुये वे कहते हैं कि ह्ल श्रद्धा मानव की अन्तःप्रकृति का वसन्त है। मन तथा इन्द्रियों का निग्रह करते हुये नियमों का पालन, श्रद्धा रूपी वसन्त के पुष्प हैं।

ज्ञान इसका फल है तथा भगवद्भक्ति इस फल का परम मधुर रस है।ह्व बाह्य प्रकृति में जो वसन्त है, अन्तःप्रकृति में वही श्रद्धा है। जैसे वसन्त ऋतु में वृक्ष-वनस्पतियों का निहित रस फूल-फल बनकर व्यक्त हो जाता है, उसी प्रकार श्रद्धा का उदय होने पर चरित्रगत दिव्यता आचरण बनकर प्रकट हो जाती है।

वसन्त और सरस्वती का यह युगपत आराधन केवल भौतिक नहीं है। यह सनातन धर्म में पीढ़ियों से प्रवाहित ज्ञान-परम्परा का दिव्य अनुष्ठान है। यजुर्वेद में ह्लसरस्वती तु पञ्चधाह्व कहते हुये पाँच ज्ञानेन्द्रियों और पञ्चकोशों में सरस्वती के प्रवाह को पहचाना गया है। महाभारत में सरस्वती नदी की सात धाराओं सुप्रभा, कांचनाक्षी, विशाला, मनोरमा, ओघवती, सुरेणु और विमलोदका नाम से निर्मित सारस्वत तीर्थों का वर्णन किया गया है। सरयू के उत्तर तट पर त्रेता में श्रीराम के प्राकट्य हेतु चक्रवर्त्ती दशरथ जी का अश्वमेध यज्ञ मनोरमा नाम की सरस्वती के तट पर ही सम्पन्न हुआ था।

वाणी, जो मनुष्य को ज्ञान-सम्पदा का अधिकार देती है; वाणी, जो मनुष्य को प्राणिजगत में उत्कृष्ट बनाती है वह जीवन-यज्ञ में घी बनकर पायी जाती है। वसन्त वही घी है, जिससे जीवन लहकता है और उसकी अभिव्यक्ति जागती है। वाग्देवी के कर कमलों में शोभित वीणा और पुस्तक केवल जड़ उपादान नहीं हैं, वे हमारी जातीय चेतना में निहित विद्या-बोध का शाश्वत संकेत हैं। वेद इसे राष्ट्रस्वामिनी कहते हैं, पुराण इसे भारत की प्राणधारा कहते हैं, सन्त इसे मंगलकारिणी कहते हैं और कविगण इसे माँ कहकर पुकारते हैं। महाप्राण निराला इसी भारती की जय-विजय मनाते हैं तो राष्ट्रकवि मैथिलीशरण गुप्त इसी भद्रभावोद्भाविनी भारती के चतुर्दिक्-गुञ्जार की मंगलकामना करते हैं -

सृजनात्मक चेतना का उत्सव बंसत पंचमी

शिवानंद उपाध्याय

वसंत पंचमी नाम सुनते ही पर सबसे पहले ह्यवर दे वीणा वादिनीह्ल पंक्ति स्मृति में कौंधती है। माँ सरस्वती के अनन्य उपासक सूर्यकान्त त्रिपाठी निराला ने जब 'वर दे वीणा-वादिनी वर दे' की रचना की थी तब देश गुलाम था । निराला महज अज्ञान और अंधकार से मुक्ति को लेकर चिंतित नहीं थे बल्कि वे तत्कालीन मनुष्य की चेतना को, उसकी चिंतन शक्ति को या आत्मा को ग्रसित करने वाली गुलामी से मुक्ति भी चाहते थे` इसलिए उन्होंने अपनी वंदना में ज्ञान रूपी आलोक पूरे देश में फैलाने के साथ ही पूरे विश्व को जगमग करने की आकांक्षा रखते हैवे माँ सरस्वती से स्वयं के लिए ज्ञान के वरदान की कामना नहीं करते है बल्कि वे पूरे देश में स्वतंत्रता के अमृत मंत्र को गुंजित होने का वरदान मांगते है` वे जानते थे कि स्वतंत्रता रूपी अमृत मंत्र तभी गुंजायमान हो सकता है जब अज्ञान रूपी अंधकार, क्लेश और भेदभाव के बंधन समाप्त हो जाय` यह ₹तमसो मा ज्योतिर्गमय₹ अर्थात 'अंधकार से प्रकाश की ओर जाने की कामना' है मनुष्य की महायात्रा महज भौतिक अंधकार को दूर करने की यात्रा नहीं है, यह मनुष्य की विषमताओं से जूझने की दृढ़ इच्छा शक्ति और अदम्य जिजीविषा का भी परिचायक है` इस तरह देश को पराधीनता से मुक्त कराने के लिए शक्ति की मौलिक कल्पना करने वाले निराला माँ सरस्वती से नयी गति, नयी वाणी, नया स्वर और नया आकाश देने की कामना करते है ताकि देश एक नयी ऊर्जा के साथ सृजन और विश्व कल्याण के पथ पर अग्रसर हो सके आचार्य रामचंद्र शुक्ल ने लिखा है कि जिसे अपने देश से प्रेम है, उसे देश की प्रकृति और संस्कृति से भी प्रेम होगा` अन्यथा देश प्रेम महज दिखावटी होगा या आज के परिप्रेक्ष्य में कहें तो संविधान और तिरंगे की आड़ में किसी अन्य मंशा से प्रेरित होगा` निराला को अपने देश से प्रेम था, इसलिए वे सरस्वती को धार्मिक और पौराणिक प्रतीकों से

निकालकर पूरे देश में प्रतिष्ठित करते हैं वसंतपंचमी के अवसर पर हम 'वर दे वीणा-वादिनी वर दे' के आह्वान द्वारा कुपढों, कुपाठियों और कुमार्गियों को सांस्कृतिक चेतना के साथ साथ भारतीयता की अनन्य चेतना से जोड़ने की उम्मीद कर सकते है`

ऋग्वैदिक काल में सरस्वती एक नदी के रूप में प्रवाहमान थी` तत्कालीन आर्य-सभ्यता के सारे गढ़ और नगर, शिक्षण संस्थाएं, ऋषियों की तपोभूमि और आश्रम सरस्वती नदी के तट पर बसे थे। वेदों और उपनिषदों की रचना इन्हीं आश्रमों में हुई थी। कालान्तर में ब्राह्मण ग्रंथों और पुराणों ने सरस्वती नदी को देवी का दर्जा दिया और तभी से सरस्वती सृजनात्मकता की प्रतीक हैं। ऋग्वेद में सरस्वती के प्रति श्रद्धा में कहा गया है कि ये परम चेतना हैं, ये हमारी बुद्धि, प्रज्ञा तथा मनोवृत्तियों की संरक्षिका हैं। वसंतपंचमी के दिन सरस्वती की अर्चना वस्तुतः आर्य सभ्यता और संस्कृति के क्षेत्र में सरस्वती नदी की भूमिका के प्रति हमारी कृतज्ञता की भी अभिव्यक्ति है और हमारी अवरुद्ध मानसिकता के द्वारों को खोलने का उत्सव है।

भारत की सनातन परंपरा में किसी भी पर्व, त्यौहार या उत्सव का प्रकृति से अनन्य रूप से जुड़ा है` आज की जरूरतों के हिसाब से कहें तो सनातन परम्परा में पर्यावरण संरक्षण का एक दीर्घकालिक और प्रभावी प्रबंध किए गए हैं` समस्त भारतीय समाज आदिकाल से भी प्रकृति के साथ रस-भाव या सम-भाव से सराबोर रहा है` वसन्त पंचमी का उत्सव भी प्रकृति से जुड़ा हुआ है` भगवान श्रीकृष्ण ने गीता में स्पष्ट करते हुए कहा है कि ऋतुओं में मैं बसंत हूं। वसंत को ऋतुओं का राजा अर्थात सर्वश्रेष्ठ ऋतु माना गया है क्योंकि इस समय ठण्ड का मौसम उतार पर होता है और गर्मी का मौसम अभी शुरू नहीं हुआ होता है` इस कारण ऐसा माना जाता है कि पंचतत्त्व अपना प्रकोप छोड़कर सुहावने रूप में प्रकट होते हैं। पंचतत्त्व-जल, वायु, धरती, आकाश और अग्नि सभी अपने मोहक रूप में होते हैं। जिस प्रकार मनुष्य जीवन में यौवन आता है उसी प्रकार बसंत इस प्रकृति का यौवन है।

यह अनायास नहीं है कि कवियों और कलाकारों को वसन्त ऋतु सहज ही आकर्षित करती है` केदार नाथ अग्रवाल की कविता बसंती हवा एक साथ महुआ और आम से लेकर अरहर, अलसी और सरसों की फसलों के मिले-जुले नैसर्गिक सौन्दर्य को अभिव्यक्त करती है पन्त को प्रकृति क्रीड़ा, कौतूहल, कोमलता, मोद, मधुरिमा, हास, विलास, लीला, विस्मय, अस्फुटता, भय, स्नेह, पुलक, सुख, और सरल-हुलास से भारी दिखाई देती है` इसलिए पंचमी में वसंत पंचमी को सर्वश्रेष्ठ पंचमी माना जाता है और इसे श्री पंचमी भी कहा जाता है` यह दिन प्रकृति के नवीनीकरण और समृद्धि का उत्सव होता है, जिसमें ज्ञान, कला और संस्कृति का सम्मान किया जाता है।

भारतीय संस्कृति में प्रकृति को देवी के रूप में पूजा जाता है, और उसे उपभोग करने की बजाय संरक्षण और सम्मान की भावना के साथ जीने का आह्वान किया जाता है। यह उस विदेशी संस्कृति से बिल्कुल अलग है जिसमें वलेन्टाइन डे से लेकर बर्थ डे, वाथ डे तक न जाने क्या क्या डे मनाया जाता है जहाँ प्रकृति के सरंक्षण के बजाय उसका उपभोग और दोहन होता है जबकि भारतीय सनातन परंपरा में मनुष्य और पर्यावरण में उपभोक्ता और उपभोग का संबंध नहीं है` भारतीय सनातन परंपरा में चर और अचर, भौतिक और अभौतिक सत्ताओं में एक ही चेतना उद्भासित होती है` यह दृष्टिकोण जीवन के हर पहलू में संतुलन और आंतरिक शांति की ओर मार्गदर्शन करता है, जहां हर तत्व एक-दूसरे से जुड़ा हुआ होता है और प्रकृति का सम्मान किया जाता है।

प्रयागराज पर बम गिराने वाला है जापान... अंग्रेजो ने फैलाया था अफवाह

कुंभ, वर्ल्ड वॉर और अटैक का सायाः प्रयाग पर बम गिराने वाला है जापान... जब अंग्रेजों ने कुंभ के डर से फैला दी ऐसी अफवाह, बापू लाठी लेकर...

अभिनय आकाश

आजादी से पहले की बात है, अंग्रेज देश में राज कर रहे थे। भारत वाले कहते जाओ वो नहीं जा रहे थे। इन सब के बीच साल 1942 में प्रयागराज में कुंभ का आयोजन हुआ था। दुनिया युद्ध की मार झेल रही थी और भारत अपनी आजादी के लिए संघर्ष कर रहा था।

अश्वमेध सहस्राणि वाजपेय शतानि च। लक्षप्रदक्षिणा भूमेः कुम्भस्नानेन तत् फलम्।

अर्थात एक हजार अश्मेघ यज्ञ कर लीजिए, एक सौ वाजपेय यज्ञ कर लीजिए, या एक लाख बार पृथ्वी की परिक्रमा कर लीजिए उसके बाद जो फल प्राप्त होता है। वही फल इस मनुष्य शरीर को कुंभ स्नान से मिलता है। गंगा, यमुना और त्रिवेणी के महासंगम पर महाकुंभ आयोजित होता है। ये एक मेटाफिजिकल कास्मिक इवेंट है और इससे हमारी धरती का एक पेसेफिक एरिया कॉस्मिक एनर्जी से जुड़ जाता है। यानी डायरेक्ट कनेक्ट विद गॉड। अब आप कहेंगे कि भई ये क्या भला बात हुई, ईश्वर तो कण कण में व्याप्त हैं। लेकिन ईश्वर से सीधा कनेक्शन बना रहे इसके लिए नियमित मंदिर भी जाते हैं। क्योंकि मंदिर एक बैंक की तरह है जहां हजरों वर्षों से प्रार्थनाएं जमा हो रही हैं। हम सुखी हो तो मंदिरों में प्रार्थनाएं जमा करें और किसी संकट में हो तो अपने और अपने पूर्वजों के जमा किए पुण्य प्रताप को विड्रा कर लें। यही सनातन का साइंस है। प्रयाग में होने वाले महाकुंभ के साइंस को सरल भाषा में समझें तो डेढ़ महीनों तक दैवीय शक्तियों के सारे सैटेलाइट उनके सारे सिग्नल संगम तट पर फोकस रहेंगे। जो पुण्य अनगिनित तीर्थ यात्राओं और तपस्याओं के बाद प्राप्त होते हैं। वो संगम तट पर आने से और सूर्य को जल चढ़ाने से हो जाएंगे।

आजादी से पहले की बात है, अंग्रेज देश में राज कर रहे थे। भारत वाले कहते जाओ वो नहीं जा रहे थे। इन सब के बीच साल 1942 में प्रयागराज में कुंभ का आयोजन हुआ था। दुनिया युद्ध की मार झेल रही थी और भारत अपनी आजादी के लिए संघर्ष कर रहा था।

अंग्रेजों ने इसे रोकने के लिए किया हर संभव प्रयास

ये तो सभी को पता है कि भारत की धरती पर जब कुंभ मेले

का आयोजन होता है तो केवल ये धार्मिक आयोजन नहीं होता। प्रयागराज के संगम पर उमडती अनगिनत श्रद्धालुओं की भीड़, उनकी आस्था की डुबकी और गंगा, यमुना, सरस्वती का पवित्र संगम ये सब मिलकर कुंभ को अद्वितीय बनाते हैं। लेकिन इस धार्मिक आयोजन ने कभी ऐसा मोड़ लिया था जिसने अंग्रेजी हुकूमत की नींद उड़ा दी थी। ये वो दौड़ था जब भारत अंग्रेजों की गुलामी में जकड़ा हुआ था। महात्मा गांधी ने हाल ही में चंपारण में सत्याग्रह का नेतृत्व किया था। देश की आजादी की लड़ाई ने एक नई दिशा पकड़ ली थी। अंग्रेजों के लिए कुंभ मेला केवल एक धार्मिक आयोजन नहीं बल्कि उनके लिए एक राजनैतिक और सामाजिक खतरा बन चुका था। लाखों श्रद्धालुओं का संगम पर जुटना उनके लिए केवल एक आस्था का प्रदर्शन नहीं बल्कि भारतीयों की एकजुटता का प्रतीक था। ये एक ऐसा मंच था जहां धर्म और स्वतंत्रता की चेतना का संगम होता था। आजादी से पहले जब कुंभ का आयोजन हुआ तो अंग्रजों ने इसे रोकने के लिए हर संभव प्रयास किए।

जब बापू पहुंचे कुंभ

तत्कालीन रेलवे बोर्ड के अध्यक्ष आर डब्ल्यू गिलन ने आदेश दिया कि प्रयागराज जाने वाली ट्रेनों की संख्या सीमित की जाए। टिकट की बिक्री पर रोक लगाई जाए। अंग्रेजों को डर था कि ये भीड़ उनके शासन के खिलाफ विद्रोह का रूप ले सकती है। लेकिन गांधी जी ने इन्हें केवल धार्मिक आयोजन नहीं माना। वो इसे कुंभ में पहुंचे और संगम में डुबकी लगाई और आस्था के उस संगम से लोगों को आजादी की लड़ाई में शामिल होने के लिए प्रेरित किया। उस समय असहयोग आंदोलन का बीज बोया जा चुका था। कुंभ मेले में भारतीय स्वतंत्रता संग्राम को नई गति दी। अंग्रेज ये समझ गए कि कुंभ अब केवल आस्था का पर्व नहीं रहा। ये आजादी के आंदोलन का नया मंच बन चुका है।

रेल टिकटों की बिक्री भी रोक दी

साल 1942 में भारत छोड़ो आंदोलन का बिगुल बज चुका था। देश भर में आजादी की लहर दौड़ रही थी। प्रयागराज में कुंभ की तैयारी चल रही थी। लेकिन इस बार माहौल अलग था। 1942 में प्रयागराज में कुंभ मेले की तारीख 4 जनवरी से 4 फरवरी तक तय की गई थी। कुंभ का मेला देशभक्तों और स्वतंत्रता सेनानियों का केंद्र बन चुका था। अंग्रेजों ने इसे भांप लिया। उन्हें लगा कि कुंभ मेला उनके खिलाफ विद्रोह का सबसे बड़ा मंच बन सकता है। अंग्रेजों को शक था कि मेले के बहाने एक स्थान पर जमा होकर गड़बड़ी पैदा कर सकते हैं। इसलिए उन्होंने एक चौंकाने वाला फैसला लिया। श्रद्धालु मेले में न पहुंच पाएं इसलिए अंग्रेजों ने इसी अवधि के दौरान इलाहाबाद के लिए रेल टिकटों की बिक्री भी रोक दी। लेकिन ये फैसला कारगर नहीं हुआ। लोगों के हौसलों को कोई रोक नहीं पाया। पैदल, साइकिलों पर बैलगाड़ियों पर सवार होकर लोग प्रयागराज पहुंचे। संगम पर डुबकी लगाई। स्वतंत्रता के नारे गूंजने लगा। 1942 का कुंभ मेला अंग्रेजों के लिए एक बड़ा सबक था।

जापान गिरा सकता है बम

अंग्रेजों ने अखाड़ों और तीर्थयात्रियों को इस अवधि के दौरान मेला क्षेत्र से दूर रहने के लिए मनाने के लिए हर संभव प्रयास किया, इस बहाने के साथ कि मेले को लेकर अफवाह थी कि मेले पर जापान बम गिरा सकता है। इसलिए एक तरह की युद्ध आपात स्थिति थी। श्रद्धालुओं को जमा होने से रोकने की कई कोशिशों के बावजूद वे नहीं रुके। कुंभ ने हमें सिखाया कि जब लाखों दिल एक साथ धड़कते हैं तो कोई भी ताकत उन्हें रोक नहीं सकती। संगम पर उमड़ती भीड़ ने ये साबित कर दिया कि भारतीयों की स्वतंत्रता की इच्छा को कोई अंग्रेजी हुकूमत दबा नहीं सकती। यही वजह है कि 1942 का कुंभ मेला धर्म और आजादी के संगम का प्रतीक बन गया।

स्पीड न्यूज

यौन शोषण के दोषी को दस वर्ष कैद की सजा

रांची। अपर न्यायायुक्त विशाल श्रीवास्तव की अदालत ने छह साल पुराने शादी का झांसा देकर लगातार महिला साथी से शारीरिक संबंध बनाने के मामले में सीआरपीएफ के जवान अमित उरांव को दोषी करार कर 10 साल कैद की सजा सुनाई है। साथ ही उस पर 10 हजार रुपये का जुर्माना लगाया है। जुर्माने की राशि नहीं देने पर उसे अतिरिक्त एक साल जेल काटनी होगी। अभियुक्त लोहरदगा के कुडू थाना क्षेत्र के चद्रा गांव निवासी है। घटना को लेकर पीड़िता ने नगड़ी थाना में 15 मार्च 2019 को नामजद प्राथमिकी दर्ज कराई थी। इसमें कहा गया था कि अभियुक्त अमित उरांव का सीआरपीएफ में 2017 में चयन हुआ था। वह प्रशिक्षण के लिये चला गया और अप्रैल 2018 में आया। अभियुक्त और पीड़िता रॉक गार्डेन आई थी। जहां अभियुक्त ने शारीरिक संबंध बनाया। इसके बाद शादी का झांसा देकर संबंध बनाता रहा। बाद में शादी से मुकर गया। मामले में सुनवाई के दौरान एपीपी एमके सिंह ने पीड़िता समेत 4 गवाहों की गवाही दर्ज कराई थी।

भाजपा ने जारी किये जिला चुनाव अधिकारी एवं सह चुनाव अधिकारियों की सूची-

रांची। भाजपा के प्रदेश चुनाव अधिकारी सह सांसद डॉ प्रदीप वर्मा ने सोमवार को संगठन पर्व के कार्यों को ज़िलों में संपन्न कराने केलिये जिला चुनाव अधिकारी एवं सह चुनाव अधिकारी की घोषणा की है। डॉ वर्मा के हस्ताक्षर से जारी लिस्ट में पार्टी के सभी 27सांगठनिक जिलों केलिये एक चुनाव अधिकारी और दो जिला सह चुनाव अधिकारी की घोषणा की गई है। सूची के अनुसार रांची महानगर जिला गीता कोड़ा चुनाव अधिकारी और सुनील साहू एवं ओम प्रकाश सह चुनाव अधिकारी बने हैं। रांची ग्रामीण जिला चुनाव अधिकारी घूरन राम सह चुनाव अधिकारी लक्ष्मण सिंह मुंडा और मनोज चौधरी बने हैं। इसी प्रकार खूंटी जिला में नन्द जी प्रसाद चुनाव अधिकारी और संतोष साहू और गंदौरी गुड़िया सह चुनाव अधिकारी, गुमला जिला केलिये राकेश भास्कर चुनाव अधिकारी एवं सविंदर सिंह और भैरो सिंह खैरवार सह चुनाव अधिकारी, सिमडेगा जिला में किसलय तिवारी चुनाव अधिकारी, दुर्गा विजय सिंहदेव और श्रद्धानंद बेसरा सह चुनाव अधिकारी, लोहरदगा जिला केलिये पवन साहू चुनाव अधिकारी, बिंदेश्वर उरांव और बालकृष्ण सिंह सह चुनाव अधिकारी बनाये गये हैं। पलामू में सुरेश प्रसाद साव चुनाव अधिकारी, नरेंद्र पांडे और लवली गुप्ता सह चुनाव अधिकारी, गढ़वा जिला केलिये अमरदीप यादव चुनाव अधिकारी ओमप्रकाश केसरी और मधुलता सह चुनाव अधिकारी, चतरा जिला मनोज महतो बाजपेयी चुनाव अधिकारी, प्रदीप सिंह, नवीन साह सह चुनाव अधिकारी, लातेहार जिला रामबाबू तिवारी चुनाव अधिकारी हरे कृष्ण सिंह और लाल कौशल नाथ शाह देव सह चुनाव अधिकारी बनाये गये हैं। हजारीबाग विनोद सिंह चुनाव अधिकारी, कैलाशपति ओझा और टुन्नु गोप सह चुनाव अधिकारी, रामगढ़ सरोज सिंह चुनाव अधिकारी, चंद्रशेखर चौधरी, संजय सिंह सह चुनाव अधिकारी, कोडरमा सुबोध सिंह गुड्डू चुनाव अधिकारी, नितेश चंद्रवंशी और जूही दास गुप्ता सह चुनाव अधिकारी, गिरिडीह शशि भूषण भगत चुनाव अधिकारी, अशोक उपाध्याय और प्रदीप साहू सह चुनाव अधिकारी, धनबाद महानगर अमित मंडल चुनाव अधिकारी राजकुमार अग्रवाल और चंद्रशेखर सिंह सह चुनाव अधिकारी, धनबाद ग्रामीण केलिये विनय जायसवाल चुनाव अधिकारी जयप्रकाश सिंह और विकास महतो सह चुनाव अधिकारी, बोकारो चुन्नूकांत चुनाव अधिकारी वीरभद्र प्रसाद और ईश्वरचंद्र प्रजापति सह चुनाव अधिकारी, जामताड़ा बबन गुप्ता चुनाव अधिकारी सुकुमानी हेंब्रम, मितेश साह सह चुनाव अधिकारी, दुमका शैलेन्द्र सिंह चुनाव अधिकारी सुरेश मुर्मू और बबलू मंडल सह चुनाव अधिकारी, पाकुड़ दिलीप वर्मा चुनाव अधिकारी मीरा प्रवीण और कामेश्वर दास सह चुनाव अधिकारी, साहेबगंज संजीव जजवाड़े चुनाव अधिकारी कृष्णा महतो और कृपानाथ मंडल सह चुनाव अधिकारी, देवघर राज सिन्हा चुनाव अधिकारी दिवाकर गुप्ता और राकेश नरौने सह चुनाव अधिकारी, गोड्डा अभय सिंह चुनाव अधिकारी अजय साह और अनीता सोरेन सह चुनाव अधिकारी,जमशेदपुर महानगर मनोज कुमार सिंह चुनाव अधिकारी मिथिलेश सिंह यादव और खेलाराम बेसरा सह चुनाव अधिकारी, पूर्वी सिंहभूम आरती कुजूर चुनाव अधिकारी, सुमन कल्याण मंडल और गुरुचरण रजवार सह चुनाव अधिकारी, प्ि्रम सिंहभूम अशोक शर्मा चुनाव अधिकारी, जगदीश पाट पिंगुवा और गोविंद पाठक सह चुनाव अधिकारी, सरायकेला खरसावां जिला केलिये जटाशंकर पांडेय चुनाव अधिकारी, विजय महतो और देवाशीष राय सह चुनाव अधिकारी बनाये गये हैं।

आदिवासी समुदाय की सुरक्षा सुनि्ित करें मुख्यमंत्री : राफिया नाज

रांची। भाजपा की प्रदेश प्रवक्ता राफिया नाज ने सीएम हेमंत सोरेन के उस बयान पर तीखी प्रतिक्रिया दी है, जिसमें पूरे देश के आदिवासियों को झारखंड आमंत्रित किया गया था। उन्होंने मुख्यमंत्री के बयान को हास्यास्पद बताते हुये कहा कि यह बयान केवल हवा-हवाई है। इसकी कोई वास्तविकता नहीं है। दरअसल, सीएम ने कहा था कि पूरे देश में जहां कहीं भी आदिवासी हैं, वे झारखंड आयें, हम उन्हें बसायेंगे। उन्होंने कहा कि हकीकत यह है कि झारखंड के आदिवासी भाई-बहन असुरक्षित महसूस कर रहे हैं। जबकि अन्य राज्यों में आदिवासी पूरी तरह से सुरक्षित हैं। उन्होंने झारखंड के आदिवासी समुदाय की सुरक्षा को लेकर गंभीर चिंता व्यक्त की। उन्होंने आरोप लगाया कि बांगलादेशी घुसपैठियों के कारण राज्य में आदिवासी समुदाय असुरक्षित महसूस कर रहा है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री जी पहले राज्यभर के आदिवासी समुदाय की सुरक्षा को सुनि्ित करें। उन्होंने कहा कि झारखंड के आदिवासी समुदाय की भूमि और संसाधनों पर लगातार बांग्लादेशी घुसपैठियों का कब्जा हो रहा है। जो न केवल उनके अस्तित्व के लिए खतरा बन चुका है। बल्कि उनकी सामाजिक और सांस्कृतिक पहचान को भी मिटाने की साजिश की जा रही है। यह घुसपैठी गतिविधियां झारखंड के सांप्रदायिक और सामाजिक ताने-बाने को भी नुकसान पहुंचा रही हैं।
उन्होंने कहा कि झारखंड में सीमा सुरक्षा की स्थिति और राज्य सरकार की निष्क्रियता के कारण बांगलादेशी घुसपैठियों का लगातार बढ़ता प्रभाव बड़ा खतरा बन चुका है। भाजपा इस मुद्दे पर सख्त कदम उठाने की मांग करती है। उन्होंने कहा कि हमारी पार्टी आदिवासी समुदाय के हितों की रक्षा के लिये हमेशा प्रतिबद्ध हैं। उन्होंने कहा कि झारखंड के आदिवासी मूलभूत सुविधाओं के लिए तरस रहे हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि राज्य सरकार आदिवासियों के कल्याण के लिये कोई ठोस कदम नहीं उठा रही है। जबकि मुख्यमंत्री अपनी बेमानी बातों से जनता को गुमराह कर रहे हैं।

सिरसीता नाले को आदिवासी तीर्थस्थल के रूप में विकसित किया जाएगा : मंत्री चमरा लिंडा

सिरसीता नाले में राजकीय समारोह का हुआ आयोजन, विभिन्न क्षेत्रों के विधायक सहित भारी संख्या में लोग हुए शामिल

खबर मन्त्र संवाददाता

राजकीय मेला का उदघाटन करते मंत्री चमरा लिंडा व अन्य, धार्मिक प्रार्थना करते अतिथि व अन्य तथा कार्यक्रम में शामिल लोग

गुमला। जिले के डुमरी प्रखंड स्थित अकासी पंचायत में सोमवार को सिरसीता नाले (दोन) कंकड़ों लता में राजकीय समारोह का भव्य आयोजन किया गया। इस अवसर पर झारखंड सरकार के अनुसूचित जनजाति, अनुसूचित जाति एवं पिछड़ा वर्ग कल्याण मंत्री चमरा लिण्डा मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में सिसई विधायक जिग्गा सुसारन होरो, खूंटी विधायक राम सूर्य मुंडा, चक्रधरपुर विधायक सुखराम उरांव, खिजरी विधायक राजेश कच्छप सहित अन्य माननीय जनप्रतिनिधि भी शामिल हुए। कार्यक्रम की शुरुआत देश के वीर शहीदों को नमन करते हुए उनके चित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलन के साथ हुई। इसके उपरांत सभी मुख्य अतिथियों ने सिरसीता नाले में पूजा-अर्चना कर सामूहिक प्रार्थना की। कार्यक्रम में आए सभी अतिथियों का स्वागत करते हुए उपायुक्त कर्ण सत्यार्थी ने अपने संबोधन में कहा कि पहली बार गुमला जिले में इस प्रकार के राजकीय मेले का आयोजन किया जा रहा है। उन्होंने इसे ऐतिहासिक पहल बताते हुए कहा कि आने वाले वर्षों में इसे और अधिक व्यापक स्तर पर आयोजित किया जाएगा। उपायुक्त ने कुड़ुख भाषा में भी जनसमुदाय को संबोधित किया और आदिवासी संस्कृति एवं परंपराओं के संरक्षण की दिशा में जिला प्रशासन की प्रतिबद्धता दोहराई। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि कल्याण मंत्री चमरा लिण्डा ने आदिवासी समाज की सांस्कृतिक पहचान, धार्मिक अधिकारों और उनके उत्थान पर महत्वपूर्ण विचार व्यक्त किए। उन्होंने आयोजन को आदिवासी धर्म और संस्कृति को राष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिलाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम बताया। मंत्री श्री लिण्डा ने घोषणा की कि सिरसीता नाले क्षेत्र को आदिवासी तीर्थस्थल के रूप में विकसित किया जाएगा और इसे राष्ट्रीय स्तर पर कुंभ मेले की तरह मान्यता दिलाने के प्रयास किए जाएंगे। उन्होंने कहा कि यह स्थल आदिवासियों के आध्यात्मिक, सांस्कृतिक और सामाजिक जागरूकता का केंद्र बनेगा। जहां लोग आत्मिक शांति और अपने दुखों से मुक्ति प्राप्त कर सकेंगे। उन्होंने यह भी कहा कि माघ पंचमी के अवसर पर हर वर्ष इस स्थल पर भव्य आयोजन किया जाएगा। जिसमें लाखों श्रद्धालुओं के भाग लेने की संभावना है। उन्होंने जोर देकर कहा कि आदिवासी समाज सदियों से सूर्य, चंद्रमा, धरती, जल, जंगल और प्रकृति की पूजा करता आ रहा है और यही उसकी पहचान का मूल आधार है। उन्होंने सरना धर्म को भारत सरकार से मान्यता दिलाने के लिए चल रहे संघर्ष को जारी रखने की प्रतिबद्धता व्यक्त की और कहा कि यह आयोजन उसी दिशा में एक सशक्त कदम है। खूंटी विधायक राम सूर्य मुंडा ने कहा कि हमारे पूर्वजों ने जो परंपराएं स्थापित की हैं। उन्हें संरक्षित रखना हमारा कर्तव्य है। हमें अपने जंगल, पहाड़ और सांस्कृतिक रीति-रिवाजों को सुरक्षित रखना होगा।

चक्रधरपुर विधायक सुखराम उरांव ने इसे ऐतिहासिक आयोजन बताते हुए कहा कि सरकार धार्मिक स्थलों के माध्यम से ऐतिहासिक परंपराओं को पुनर्जीवित करने का प्रयास कर रही है। इस आयोजन से समाज अपनी संस्कृति से और अधिक जुड़ सकेगा। उन्होंने कहा कि सरकार के प्रयासों से अब लोग कंकड़ों लता के ऐतिहासिक महत्व को जान सकेंगे।

सिसई विधायक जिग्गा सुसारन होरो ने कहा कि अगले वर्ष इस आयोजन को और भी भव्य रूप दिया जाएगा। उन्होंने उन श्रद्धालुओं की भी सराहना की जो उपवास करके लंबी दूरी तय कर इस पवित्र स्थल तक पहुंचे। उन्होंने कहा कि आदिवासी समाज की शक्ति प्रकृति से जुड़ी हुई है और पर्वत एवं जंगल उनकी आस्था के प्रतीक हैं। इस दौरान अन्य अतिथियों ने भी अपने विचार रखे और इस आयोजन को ऐतिहासिक एवं सांस्कृतिक धरोहर के संरक्षण की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल बताया।

समारोह में हजारों श्रद्धालु एवं जनप्रतिनिधि शामिल हुए और आयोजन की सराहना की।

चिटाहीधाम रामराज मंदिर में धार्मिक अनुष्ठान आज से

रामायण के 'राम' अरुण गोविल भी आएंगे धनबाद, 18 राज्यों की टीम बिखेरेगी अपना जलवा

खबर मन्त्र संवाददाता

कतरास। बाघमारा के चिटाहीधाम रामराज मंदिर में 4 फरवरी से आयोजित वार्षिकोत्सव सह श्रीराम महायज्ञ को लेकर तैयारियां पूरी हो चुकी हैं। श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए कई समितियां गठित की गयी हैं। श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए मंदिर तरफ आने वाली हर सड़कें दुरुस्त की गई हैं। मंदिर और यज्ञशाला की भव्यता और सजावट देखते ही बन रही है। पूरा मंदिर रंग बिरंगी रोशनी से जगमगा रहा है। 4 फरवरी से जल यात्रा के साथ श्रीराम महायज्ञ की शुरुआत होगी। कलश यात्रा सुबह श्री रामराज मंदिर से निकलेगी, जिसमें लाखों की संख्या में राम भक्त शामिल होंगे।

सांसद ढुल्लू महतो एवं विधायक शत्रुघ्न महतो ने मंदिर परिसर में आज पत्रकारों को बताया कि अठारह राज्य की कई टीम यात्रा में अपना जलवा बिखेरेगी। 51 हजार महिलाएं कलश यात्रा में शामिल होंगी। कानपुर की झांकी, हाथी, ऊंट तथा इक्यावन घोड़े शामिल रहेंगे। महाराष्ट्र का बैंड, ताशा और नगाड़े भी लोगों के बीच आकर्षण के केंद्र रहेंगे। कलश यात्रा के दौरान श्रद्धालुओं के लिए जगह जगह पानी और शर्बत की व्यवस्था की गई है। यात्रा रामराज मंदिर से निकलेगी, जो तेलमच्चो स्थित दामोदर नदी पहुंचेगी, जहां पंडितों की टोली मंत्रोच्चार के साथ कलश में जल भरण कराएगी।

सांसद और विधायक ने कहा कि ऐतिहासिक महायज्ञ को सफल और भव्य बनाने के लिए कमेटी पूरी तरह कृतसंकल्प है। सभी भक्तजनों के लिए हर सुविधा उपलब्ध हो, इसकी पूरी व्यवस्था की जा रही है। श्री श्री रवि शंकर, कुमार विश्वास, पवन सिंह, अरुण गोविल जैसे कई ख्याति प्राप्त लोगों ने इस धार्मिक उत्सव में आने की स्वीकृति प्रदान की है।

निर्मला कॉन्वेंट हाई स्कूल में सरस्वती पूजा का आयोजन

रांची। निर्मला कॉन्वेंट हाई स्कूल एदलहातू में सरस्वती पूजा का आयोजन किया गया। इसमें कक्षा प्री नर्सरी से 10वीं तक के छात्र-छात्राओं ने अपने अभिभावकों के साथ मां सरस्वती की पूजा अर्चना कर आशीर्वाद प्राप्त किया। विद्यालय में सर्वप्रथम विद्यादायिनी मां सरस्वती की प्रतिमा की पूजा अर्चना पूरे विधि विधान के साथ की गयी। मौके पर विद्यालय की सचिव सीमा शर्मा, प्राचार्य विजय कुमार शर्मा तथा छात्र-छात्राओं ने मां सरस्वती की प्रतिमा के ऊपर पुष्प अर्जित कर पूरे समाज के हित की कामना की।

मौके पर विद्यालय के प्राचार्य विजय कुमार शर्मा ने समस्त विद्यालय परिवार तथा अभिभावकों को सरस्वती पूजा की हार्दिक शुभकामनाएं दी ।

मां शारदे की आराधना में डूबे लोग, भक्तिमय हुआ माहौल

- जगह-जगह पंडाल बनाकर मूर्ति स्थापित कर मां सरस्वती की हुई पूजा

खबर मन्त्र संवाददाता

मां सरस्वती की पूजा करते लोग तथा पॉलीटेक्निक कॉलेज गुमला में सरस्वती पूजा में शामिल लोग

गुमला। विद्या की देवी मां सरस्वती की पूजा सोमवार को गुमला जिला में पूरे भक्ति भाव से आरंभ हुआ। चहुंओर मां की भक्ति व आराधना में लोग डूबे दिखलाई पड़े। हर गली, चौक-चौराहों पर पंडाल बनाकर मां की प्रतिमा स्थापित कर पूजा अर्चना की गई। पूजा के दौरान लोग मां सरस्वती से ज्ञान प्राप्ति का वरदान मांगा। पूजा को लेकर सबसे अधिक उत्साहित छोटे बच्चे दिखलाई पड़े। सोमवार की सुबह उपवास रखकर पुरोहितों के वैदिक मंत्रोच्चार के साथ सभी पूजा पंडालों, शैक्षणिक संस्थानों व घरों में मां सरस्वती की पूजा की गई। पूजा अर्चना के बाद मां की आरती हुई। जिसके बाद उपस्थित भक्तों के बीच प्रसाद का वितरण किया गया। शहर के तेली छात्रावास, सरस्वती शिशु विद्या मंदिर, आक्सफोर्ड पब्लिक स्कूल, स्टार डीपीएस स्कूल, एस.एस बालक उच्च विद्यालय, पॉलिटेक्नीक कॉलेज गुमला, सबरी आश्रम गुमला सहित विभिन्न सरकारी व गैर सरकारी विद्यालयों एवं घाटो बगीचा, मुरली बगीचा, शास्त्री नगर, लोहरदगा रोड मिशन चौक, दुन्दुरिया, ज्वाहर नगर, पालकोट रोड, सिसई रोड, शांति नगर, सरना टोली, ढोढ़री टोली, तर्री आदि मुहल्लों व गांवों में मां सरस्वती की प्रतिमा स्थापित कर पूजा अर्चना की गई। सभी पूजा पंडालों में मां के भक्ति व आराधना के गीत साउंड बॉक्स में बजते रहें। युवा व बच्चे मां की आराधना में झूमते भी नजर आये। वहीं जिले के जारी,डुमरी, चैनपुर, रायडीह, विशुनपुर, घाघरा, सिसई, भरनो, कामडारा, बसिया, पालकोट प्रखंड सहित टोटो, मुरकुंडा आदि स्थानों में भी मां की प्रतिमा स्थापित कर भक्ति भाव से लोगों ने पूजा अर्चना की।

लांयस क्लब में स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन

गुमला। लायंस क्लब ऑफ गुमला के द्वारा आंखों के विभिन्न तरह के बीमारियों की जांच शिविर का आयोजन किया गया। जिसमें 57 मरीज ने अपनी सहभागिता निभाई और सभी लोगों का जांच कर दवा एवं दिशा निर्देश दिया गया। जिनके भी आंखों में तकलीफ है वह दोबारा लायंस क्लब से संपर्क कर अपना प्रॉब्लम बता सकते है। अगला कैंप 23 फरवरी 2025 दिन रविवार को किया जाएगा। मौके पर अध्यक्ष ला. राजकुमार अग्रवाल, सचिव ला. अशोक कुमार जायसवाल, उपाध्यक्ष ला. मुरली मनोहर प्रसाद पूर्व अध्यक्ष ला. शंकर लाल जाजोदिया, संजीव उर्वशी, शशि किरण जायसवाल एवं सरस्वती देवी उपस्थित थे।

कोल इंडिया अंतर कम्पनी कैरम टूनार्मेंट 2024-25 का आगाज

रांची। सीएमपीडीआई के बीन्द्र भवन में सोमवार से 5 फरवरी तक आयोजित तीन-दिवसीय कोल इंडिया अंतर कम्पनी कैरम टूनार्मेंट 2024-25 का उद्घाटन संस्थान के अध्यक्ष-सह-प्रबंध निदेशक मनोज कुमार ने किया। इस अवसर पर निदेशक (तकनीकी/पीएंडडी/आरडीएंडटी) अजय कुमार, जेसीसी सदस्य सर्वश्री अशोक यादव, आरपी सिंह एवं देवेन्द्र तिवारी, महाप्रबंधक (का एवं प्र) संजय कडम्बार, मुख्यालय एवं क्षेत्रीय संस्थान-3-रांची के महाप्रबंधक व विभागाध्यक्षगण सहित बड़ी संख्या में खेल प्रेमी उपस्थित थे। मौके पर श्री कुमार ने कहा कि यह टूनार्मेंट अंतर कम्पनी के खिलाड़ियों से मिलने, विचार एवं अनुभव साझा करने तथा खेलने का मंच प्रदान करता है। खेल न केवल शारीरिक स्वास्थ्य प्रदान करता बल्कि यह मानसिक रूप से सबल बनाता है। खेल भावना में हार-जीत का कोई स्थान नहीं होता है। खेल हमें बेहतर करने का प्रेरणा एवं हमें उत्साह उत्पन्न करता है।

बीएयू के वैज्ञानिक सेल बोकारो हाफ मैराथन में 7वें स्थान पर रहे

रांची। बिरसा कृषि विश ?वविद्यालय (बीएयू) के असिस्टेंट प्रोफेसर सह जूनियर साइंटिस्ट (सांख्यिकी) डॉ. अबसार अहमद ने सेल बोकारो हाफ मैराथन में भाग लिया। मैराथन 2 फरवरी 2025 को आयोजित किया गया था। इसमें वे 7वें स्थान पर रहे। स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड द्वारा आयोजित इस मैराथन में लगभग 5000 प्रतिभागियों ने भाग लिया। डॉ. अबसार ने हाफ मैराथन को 1 घंटे 48 मिनट 40 सेकंड में पूरा कि ?या। यह उनकी सक्रिय जीवनशैली और खेल आयोजनों के प्रति उनके प्रोत्साहन को दशार्ता है। वे अपने आयु वर्ग (40-60) में 7वें स्थान पर रहे। डॉ अहमद एक अनुभवी मैराथन धावक हैं। अब तक पूरे भारत में 29 से अधिक हाफ मैराथन, मैराथॉन और 25 किलोमिटर मैराथॉन में भाग ले चुके हैं

विश्व कैंसर दिवस आज, स्क्रीनिंग कार्यक्रम का उद्घाटन करेंगे मंत्री

रांची। विश्व कैंसर दिवस के अवसर पर मंगलवार को एनपी-एसनसीपी के तहत राज्य में सामान्य कैंसर के वृहत रूप से स्क्रीनिंग कार्यक्रम का उद्घाटन स्वास्थ्य मंत्री डॉ इरफान अंसारी करेंगे। कार्यक्रम का आयोजन आईपीएच ऑडिटोरियम आरसीएच कैंपस नामकुम में सुबह 10 बजे से किया गया है।

नेशनल गेम्स उत्तराखंड के लिए गुमला के दो खिलाड़ी दीपक और विक्रम का हुआ चयन

- स्थानीय टावर चौक से खिलाड़ियों को किया गया रवाना

खबर मन्त्र संवाददाता

गुमला। 38 वीं राष्ट्रीय खेल का शुभारंभ हो चुका है। भारत के जगह जगह से चयनित खिलाड़ी अपने अपने खेलो में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर रहे हैं। साथ ही जिले और राज्य का मान सम्मान बढ़ा रहे है । झारखंड बीच हैंडबॉल में टीम प्रबंधक के रूप में सैयद जुन्नू रैन के बाद हैंडबॉल में गुमला स्पोर्ट्स अकादमी के 2 होनहार सितारे दीपक कुमार पिता गणेश साहू व विक्रम राज ठाकुर पिता अशोक ठाकुर का चयन झारखंड राज्य के तरफ से खिलाड़ी के रूप में हुआ है। गुमला से मात्र इन दोनों का ही चयन इस राष्ट्रीय खेल में हुआ है। जमशेदपुर में एक दिवसीय हैंडबॉल ट्रायल में चयन होने के बाद 10 दिन झारखंड सरकार के हैंडबॉल राष्ट्रीय कैंप पर भाग लिया। जिनमें अच्छे प्रदर्शन पर दोनों खिलाड़ी को झारखंड टीम में जगह मिली। यह स्पोर्ट्स अकादमी के लिए बड़ी उपलब्धि है । स्पोर्ट्स अकादमी के निदेशक सैयद जुन्नू रैन जी ने बताया 7 फरवरी से 11 फरवरी तक उत्तराखंड के रुद्रपुर जिले में इनडोर हैंडबॉल खेल का आयोजन किया गया है। जिसमें चयनित 8 राज्य ही शामिल होंगे । वही स्पोर्ट्स अकादमी के अध्यक्ष हफीजुर रहमान ने विक्रम और दीपक के चयन पर झारखंड हैंडबॉल टीम के प्रति आभार जताया है। दोनों खिलाड़ी सोमवार को स्थानीय टावर चौक से उतराखंड के लिए रवाना हुए।

संस्थापक
स्व. डॉ अभय कुमार सिंह
स्वामित्व वृन्दा मीडिया पब्लिकेशन्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए
मुद्रक, प्रकाशक
मंजू सिंह
द्वारा चिरौंदी, बोड़ेया रोड, रांची (झारखंड) से मुद्रित एवं प्रकाशित।
संपादक
अविनाश ठाकुर*
फोन : 95708-48433
पिनः -834006
e-mail
khabarmantra.city@gmail.com
R.N.I No.
JHAHIN/2013/51797
*पीआरबी एक्ट के अंतर्गत खबरों के चयन के लिए उत्तरदायी। प्रकाशित खबरों से संबंधित किसी भी विवाद का निपटारा रांची न्यायालय में ही होगा।

उमरा के दौरान इबादत पर खास ध्यान देंगे : मौलाना मोहम्मद शेराज

09 फरवरी को रांची, लोहरदगा, हजारीबाग, गुमला, जमशेदपुर और आसपास से उमरा के जायरीनों का होगा प्रस्थान : हाफिज मोहम्मद इमरान

- 09 फरवरी को रांची, लोहरदगा, हजारीबाग, गुमला, जमशेदपुर और आसपास से उमरा के जायरीनों का होगा प्रस्थान : हाफिज मोहम्मद इमरान

खबर मन्त्र संवाददाता

लोहरदगा। उमरा के पवित्र यात्रा पर जाने वाले भाग्यशाली तीर्थयात्रियों के लिए सईद कॉम्प्लेक्स न्यू रोड लोहरदगा में एक महत्वपूर्ण प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरूआत हाफिज मोहम्मद इमरान द्वारा कुरआन पाक की तिलावत से की गई। जिले से आगामी 09 फरवरी को हज उमराह पर जाएंगे और 24 फरवरी को वापसी होगी। जायारीनों को उमराह से संबंधित प्रशिक्षण दिया गया। प्रशिक्षण के दौरान प्रशिक्षक जनाब अल्हाज हाफिज मुहम्मद इमरान हज एवं उमरा सर्विस लोहरदगा ने बताया कि जायरीन को हज के दौरान अरकानों को पूरा करते समय कुछ जरूरी चीजों का खास ख्याल रखना चाहिए। जायरीन अपने साथ जरूरत का ही सामान लेकर जाएं, सामानों की पैकिंग सही तरीके से करें, जो व्यक्ति कोई विशेष बीमारी की दवा खाता हैं तो अपनी दवा साथ ले जाए। अपने साथियों के साथ ही कैंप में रहें, कोई दिक्कत हो तो घबराएं नहीं बल्कि पूछताछ केंद्र से संपर्क करें, हज उमराह के अरकान पूरा करते समय अन्य लोगों का खास खयाल रखें आदि। इस प्रशिक्षण शिविर में मौलाना मो. शेराज ने कहा कि इस मुबारक कार्य को इबादत की नियत से पूरी ईमानदारी और श्रद्धा के साथ करें। कहा कि उमरा के दौरान इबादत पर खास ध्यान दें। अपने समय को कीमती बनाने की भरपूर कोशिश करें, दिल से दुआ करें, अपने लिए साथ ही साथ देश में अमन, चैन और खुशहाली के लिए भी दुआ करें। शरीयत की रोशनी में हर कार्य को करने का प्रयास करें। मौके पर हाजी एहरार आलम साहब, इरफान आलम, ताबिश आलम आदि ने भाग लिया। हाजी हाफीज मोहम्मद इमरान आलम ने बताया कि इस बार कुल 70 लोग हज उमरा के लिए जा रहे हैं। लोहरदगा के इस ट्रेनिंग कैंप में जायरीनों में रांची, लोहरदगा, गुमला, जमशेदपुर, हिरही, रामपुर, इटकी, जशपुर से कुल 70 मर्द और औरत जायरीन शामिल हुए।

मुख्यमंत्री छात्रवृति योजना का लाभ लेने के लिए अब आधार जरूरी

रांची। मुख्यमंत्री छात्रवृति योजना का लाभ लेने के लिए अब छात्रों व शिक्षकों को आधार कार्ड से जोड़ना अनिवार्य कर दिया गया है। शैक्षणिक उत्कृष्टता के लिए इस योजना का उदेश्य झारखंड के उच्च शिशा संस्थानो में छात्रों और शिक्षकों को वजीफा, छात्रवृति और वित्तीय सहायता प्रदान करा है। इसका संचालन झारखंड राज्य उच्च शिक्षा परिषद की ओर से किया जा रहा है। यह योजना पर खर्च झारखंड सरकार की संचित निधि से किया जाता है। इसलिए, आधार (लक्षित वितरण वित्तीय और अन्य सब्सिडी, लाभ और सेवाएं) अधिनियम, 2016 (18 का 2016) की धारा 7 के अनुसरण में, झारखंड सरकार द्वारा निम्नलिखित अधिसूचित किया गया है।

क्या है सीएम छात्रवृति योजना : मुख्यमंत्री छात्रवृति योजना के तहत पीएचडी छात्रों के लिए अनुसंधान छात्रवृत्ति, पेपर प्रस्तुत करने के लिए यात्रा अनुदान, शिक्षण सहायक के रूप में छात्रों को वजीफा, और चुने गए विदेशी विश्वविद्यालयों में पढ़ रहे छात्रों को लाभ प्रदान किया जाता है। और चूंकि, यह योजना झारखंड सरकार की संचित निधि से खर्च करती है।

आधार प्रमाणीकरण की आवश्यकता : योजना के तहत लाभ प्राप्त करने के लिए पात्र व्यक्ति को आधार संख्या के स्वामित्व का प्रमाण प्रस्तुत करना होगा या आधार प्रमाणीकरण कराना होगा। कोई भी व्यक्ति, जो आधार संख्या नहीं रखता या आधार के लिए नामांकित नहीं है, उसे योजना में पंजीकरण से पहले आधार के लिए आवेदन करना होगा। ऐसे व्यक्ति नजदीकी आधार नामांकन केंद्र (जिसकी सूची यूआईडीएआई की वेबसाइट पर उपलब्ध है) पर जाकर नामांकन कर सकते हैं।

स्पीड न्यूज

रांची से टाटा लौट रहे युवक-युवती की कार दुर्घटना में मौत

जमशेदपुर। गोलमुरी नामदा बस्ती के रहने वाले ऋतुराज कुमार और जान्हवी कुमारी रांची में एक शादी समारोह में भाग लेकर कार से लौट रहे थे। रड़गांव के पास उनकी कार की टक्कर एक दूसरी कार से हो गई। इस दुर्घटना में 25 वर्षीय ऋतुराज और 22 वर्षीय जान्हवी की मौत घटना स्थल पर ही हो गई जबकि रोहिणी नामक युवती घायल हो गई है।

राजेश सिंह की दिवार से दब कर मौत

जमशेदपुर। जादूगोड़ा के राजेश सिंह अपना घर बनाने के दरमियान दीवाल से गिर जाने के बाद उनकी मौत हो गई। आज उनके शव का एमजीएम मेडिकल कॉलेज में पोस्टमार्टम हुआ।

चांडिल : टाटा-छपरा ट्रेन में सवार हो रही बुर्जुग महिला गिरी, मौत

जमशेदपुर। भागलपुर की रहने वाली 68 वर्षीय बुर्जुग महिला शकुंतला देवी की मौत ट्रेन से गिर कर हो गई। वे बी शर्मा की पत्नी थीं और चांडिल स्टेशन पर टाटा-छपरा ट्रेन पर चढ़ने के दौरान वे गिर गईं जिससे घटना स्थल पर ही उनकी मौत हो गई।

मानगो : सुंदरबन फेज -2 में डॉक्टर के फ्लैट में चोरी

जमशेदपुर। शहर के मानगो स्थित सुंदरबन फेस 2 स्थित संजीवनी फ्लैट में डॉ दरखशां अंजुम के फ्लैट में देर रात चोरों ने चोरी कर ली। घटना के समय डॉक्टर अपने फ्लैट में नहीं थे क्योंकि वे दूसरे फ्लैट में सोने के लिए चले गए थे। इस बीच ही चोरों ने घटना को अंजाम दे दिया। बताया जा रहा है कि घटना के समय डॉ दरखशां अंजुम अपनी पत्नी के साथ किसी दूसरे फ्लैट में सोने के लिए गए थे। घटना में जेवर और नकदी की भी चोरी हुई है। इसकी जानकारी मानगो पुलिस को दे दी गई है।

गम्हरिया : सिख नौजवान सभा का चुनाव संपन्न

गम्हरिया। गुरुद्वारा प्रांगण में सिख नौजवान सभा का चुनाव शांतिपूर्ण माहौल में सम्पन्न हुआ। इसमें सर्वसम्मति से सरदार शरणजीत सिंह को चेयरमैन, हरिंदर पाल सिंह को प्रधान, प्रभजोत सिंह को उप प्रधान, देवेंदर सिंह को सचिव, प्रभदीप सिंह को कोषाध्यक्ष तथा राजेंदर सिंह को अंकेक्षक चुना गया। इसके अलावा कार्यकारिणी कमेटी में हर्षदीप सिंह, साहेब राज सिंह, सिमरप्रीत सिंह, पुनीत पाल सिंह, नवजीत सिंह, हरमनप्रीत सिंह, हरदेव सिंह, गुरप्रीत सिंह, करण सिंह, जसप्रीत सिंह, नवनीत सिंह, शरणदीप सिंह, गौरव सिंह चन्नी और हरमन सिंह डाडवाल को सदस्य के रूप में रखा गया है। चुनाव के दौरान एसजीपीसी के सीनियर प्रधान चंचल सिंह, गम्हरिया गुरुद्वारा के प्रधान इंद्रजीत सिंह समेत कई सदस्य उपस्थित थे।

हैदराबाद में सरयू राय ने प्रख्यात चिकित्सक डॉ रेड्डी को दी बधाई

जमशेदपुर/हैदराबाद। जमशेदपुर पश्चिमी के विधायक सरयू राय ने सोमवार को एशियन इंस्टीट्यूट ऑफ गैस्ट्रोइंट्रोलोजी, हैदराबाद के अध्यक्ष डॉ डी नागेश्वर रेड्डी को पद्म विभूषण से समादृत किये जाने पर बधाई दी। गौरतलब है कि इस साल भारत सरकार ने गणतंत्र दिवस के अवसर पर डॉ रेड्डी को देश के दूसरे सर्वोच्च सम्मान पद्म विभूषण दिये जाने की घोषणा की थी। डॉ रेड्डी उन सात लोगों में शामिल हैं, जिन्हें इस बार देश के दूसरे सबसे बड़े नागरिक पुरस्कार से सम्मानित करने की घोषणा हुई है। डॉ रेड्डी को एंडोस्कोपिक प्रक्रियाओं के विकास में उनके योगदान के लिए जाना जाता है, विशेष रूप से चिकित्सीय एंडोस्कोपी और गैस्ट्रोइंटेस्टाइनल कैंसर प्रबंधन में। डॉ रेड्डी पहले चिकित्सक हैं, जिन्हें पद्मश्री, पद्मभूषण और पद्मविभूषण तीनों मिले हैं।

22 से 28 फरवरी तक श्रीधाम वृंदावन से पधार रहे पूज्य आचार्य राजेन्द्र जी, सुनायेंगे श्रीराम कथा

श्रीराम मंदिर स्थापना के पांचवीं वर्षगांठ पर सूर्य मंदिर समिति करवा रही श्रीराम कथा, राम काज के लिए 10 रुपये के आर्थिक सहयोग का आह्वान

जमशेदपुर के एक लाख घरों में आमंत्रण पत्र देकर लोगों को आमंत्रित करने में जुटे सूर्य मंदिर समिति के सदस्य

खबर मन्त्र ब्यूरो

जमशेदपुर। सूर्य मंदिर समिति के कार्यकारणी की एक विशेष बैठक सिदगोड़ा स्थित सूर्यधाम के प्रांगण में सोमवार को सम्पन्न हुई। सूर्य मंदिर समिति के अध्यक्ष भूपेंद्र सिंह की अध्यक्षता में आयोजित बैठक में श्रीराम मंदिर स्थापना की पांचवीं वर्षगांठ को धूमधाम से मनाने का निर्णय लिया गया। इस दौरान सूर्य मंदिर समिति के मुख्य संरक्षक सह पूर्व मुख्यमंत्री रघुवर दास मुख्यरूप से मौजूद रहे। वहीं, संरक्षक चंद्रगुप्त सिंह, पदाधिकारी, कार्यसमिति सदस्य एवं विशेष आमंत्रित सदस्य ने बैठक में भाग लिया। इस दौरान सर्वसम्मति से श्रीराम मंदिर के पांचवी वर्षगांठ के सफल और व्यवस्थित आयोजन हेतु उप- समिति का गठन किया गया। वहीं, सूर्य मंदिर समिति के उपाध्यक्ष के रूप में सुशांतो पांडा, बोलटू सरकार मंत्री एवं अमरजीत सिंह राजा को सह कोषाध्यक्ष मनोनीत किया गया। बैठक के प्रारंभ में मंदिर समिति के अध्यक्ष भूपेंद्र सिंह ने श्री राम मंदिर की स्थापना की पांचवीं वर्षगांठ महोत्सव के दौरान होने वाले कार्यक्रम की रूपरेखा पर प्रकाश डालते हुए बताया कि महोत्सव का शुभारंभ 21 फरवरी 2025 को होगा जबकि 1 मार्च को महाप्रसाद वितरण के साथ महोत्सव संपन्न होगा।

21 फरवरी को दोपहर 3 बजे बारीडीह मंदिर सुगना कॉलोनी से सिदगोड़ा सूर्यधाम तक भव्य नगर भ्रमण सह शोभा यात्रा निकलेगी। 22 से 28 फरवरी तक लगातार सात दिन श्री राम कथा की मर्मज्ञ कथा वाचिका श्रीधाम वृंदावन से पधार रहे पूज्य आचार्य राजेन्द्र जी महाराज शंख मैदान में श्रीरामचरित मानस की संगीतमय कथा प्रस्तुत करेंगे। राम कथा प्रत्येक दिन अपराह्न 3 बजे से संध्या 7:30 बजे तक चलेगी।

राजेंद्र जी महाराज की फाइल फोटो।

श्री राम मंदिर स्थापना की पांचवीं वर्षगांठ हेतु उपसमिति

- >> कार्यक्रम प्रभारी-कमलेश सिंह
- >>शोभा यात्रा- मिथलेश सिंह यादव, दिनेश कुमार, शैलेश गुप्ता , जीवन साहू बबलू गोप पप्पू उपाध्याय।
- >>नगर सज्जा- अमरजीत सिंह राजा, कंचन दत्ता, तेजिंदर सिंह जॉनी, कुमार अभिषेक, विकाश शर्मा।
- >>महाप्रसाद प्रभारी- गुंजन यादव भूपेंद्र सिंह सुशांतो पांडा, बंटी अग्रवाल, संतोष ठाकुर, सुरेश शर्मा, सूरज सिंह, युवराज सिंह, विकाश गुप्ता।
- >> बैनर एवं पोस्टर-राकेश सिंह, नारायण पोद्दार, ओंकार सिंह।
- >>कथावाचक देखरेख -अमित अग्रवाल, अभिषेक अग्रवाल।
- >>मंच व्यवस्था प्रभारी-खेमलाल चौधरी, अमरजीत सिंह राजा, कृष्ण मोहन।
- >>अतिथि सत्कार प्रभारी - रामबाबु तिवारी, चंद्रशेखर मिश्रा, गुंजन यादव, कुलवंत सिंह बंटी, संजीव सिंह, अखिलेश चौधरी, राकेश कुमार।
- >>यातायात व्यवस्था प्रभारी -बोलटू सरकार, श्रीराम प्रसाद, बबलू गोप।
- >>साउंड लाइट एवं टेंट व्यवस्था- सुशांतो पांडा, शशिकांत सिंह, बाबू यादव।
- >>प्रेस एवं मीडिया- प्रेम झा, प्रमोद मिश्रा।
- >>सोशल मीडिया प्रभारी- कौस्तव राय, निर्मल गोप, अनिमेष सिंह, सतीश सिंह।

इस बैठक में यह भी निर्णय लिया गया कि मंदिर के पदधारी और कार्यकर्तागण अपने-अपने क्षेत्र के घरों में जाकर धर्मप्रेमी से मुलाकात करेंगे तथा उन्हें महोत्सव के कार्यक्रमों में भाग लेने के लिए सादर आमंत्रित करेंगे।

विकास कार्यों के लिए जमीन अधिग्रहण को समग्र विस्थापन व पुनर्वास नीति बनाये केंद्र सरकार : सांसद

विद्युतबरण महतो ने संसद में उठाया विस्थापितों के साथ होने वाले अन्याय का मामला

सांसद महतो ने कहा कि कि अक्सर बड़े डैम, बांध, नहर, खनन कार्य, राष्ट्रीय राजमार्ग एवं रेलवे सहित विभिन्न राष्ट्रीय हित के कार्यों के लिए भूमि का अधिग्रहण करना पड़ता है

खबर मन्त्र ब्यूरो

जमशेदपुर। सांसद बिद्युत बरण महतो ने सोमवार को नियम 377 के अधीन सूचना देते हुए झारखंड राज्य में विस्थापन एवं पुनर्वास का मामला को उठाया।

उन्होंने कहा कि आज झारखंड राज्य के औद्योगिक क्षेत्र में भूमि अधिग्रहण से प्रभावित परिवारों के पुनर्वास और उनके अधिकारों की रक्षा के विषय पर कुछ शब्द रखना चाहता हूं। झारखंड की खनिज संपदा और औद्योगिक विकास ने राज्य को एक प्रमुख आर्थिक केंद्र बना दिया है, लेकिन इस विकास की कीमत पर जो हमारे किसान और आदिवासी भाई-बहन अपनी जमीन खो चुके हैं, उनके जीवन में अत्यधिक कष्ट और असमंजस पैदा हो रहा है। सांसद महतो ने कहा कि कि अक्सर बड़े डैम, बांध, नहर, खनन कार्य, राष्ट्रीय राजमार्ग एवं रेलवे सहित विभिन्न राष्ट्रीय हित के कार्यों के लिए भूमि का अधिग्रहण करना पड़ता है। भूमि अधिग्रहण के बिना ये सारी योजनाएं पूरी नहीं हो सकती है। हम सभी जानते हैं कि जब-जब भूमि अधिग्रहण की आवश्यकता होती है, तो स्थानीय समुदायों को उचित मुआवजा और पुनर्वास की व्यवस्था करना अत्यंत आवश्यक है।

जमशेदपुर के सांसद विद्युतबरण महतो।

दुर्भाग्यवश, अब तक की कई परियोजनाओं में प्रभावित परिवारों को न तो पर्याप्त मुआवजा मिला है और न ही उनकी नई जीवनशैली के लिए उपयुक्त योजनाएं बनाई गई हैं। सांसद महतो ने कहा कि बोकारो धनबाद से लेकर संपूर्ण कोयलांचल में भूमि का अधिग्रहण किया गया है। इसके अतिरिक्त चांडिल डैम से लेकर सीतारामपुर डैम में बड़ी संख्या में लोगों को विस्थापित होना पड़ा है। उसके विस्थापन का दंश आज तक लोग झेल रहे हैं। सांसद महतो ने कहा कि ना ही उन्हें रोजगार मिला है और ना ही उन्हें मुआवजा की पर्याप्त राशि मिली है। आज भी वे लोग दर-दर की ठोकर खा रहे हैं।

सांसद ने उपरोक्त मामलों को देखते हुए कहा कि मेरा माननीय मंत्री जी से निवेदन है कि प्रभावित परिवारों के लिए एक समग्र और संरचित पुनर्वास नीति बनाई जाए। सांसद महतो ने कहा पुनर्वास केवल जमीन के बदले एक घर देने तक सीमित न हो, बल्कि उन्हें शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार, और अन्य बुनियादी सेवाओं की भी गारंटी मिले, ताकि वे अपने पुराने जीवन को खोने के बाद एक नई शुरूआत कर सकें। सांसद महतो ने कहा कि राष्ट्रीय स्तर अधिग्रहण-विस्थापन एवं पुनर्वास-रोजगार की नीति को पुन परिभाषित एवं निर्धारित करने की अत्यंत जरूरत है। राष्ट्रीय स्तर पर इसके लिए एक समग्र नीति बने एवं इन नीतियों का प्रभावी कार्यान्वन हो सुनिश्चित हो यह भी प्रावधान किया जाय।

इवनिंग क्लब, टिनप्लेट में दो दिवसीय वार्षिक शास्त्रीय संगीत समारोह 8 से

खबर मन्त्र ब्यूरो

जमशेदपुर। शहर के शास्त्रीय संगीत कलाकारों का मंच जमशेदपुर म्यूजिक सर्किल, जमशेदपुर एवं शहर के पुरातन सामाजिक संस्था दी इवनिंग क्लब के तत्वाधान में 8 एवं 9 फरवरी को नौवां वार्षिक शास्त्रीय संगीत समारोह का आयोजन दी इवनिंग क्लब सभागार, टिनप्लेट में आयोजन किया जायेगा क प्रत्येक दिन कार्यक्रम का शुभारम्भ संध्या 6.00 बजे से होगा। कार्यक्रमों में 8 फरवरी को समारोह के पहले दिन चार प्रस्तुतियां होगी, पहली प्रस्तुति में वर्षा चक्रवर्ती, कत्थक नृत्य पेश करेंगी जबकि दूसरी प्रस्तुति में अनिल सिंह एवं उनके शिष्यों के द्वारा उद्घाटन गायन पेश किया जायेगा। उनके साथ तबले पर कार्तिक कर्मकार संगत करेंगे। तीसरी प्रस्तुति में बिरेन्द्र उपाध्याय शास्त्रीय गायन पेश करेंगे उनके साथ तबले पर प्रदीप भट्टाचार्जी एवं हारमोनियम पर पवन चौबे संगत करेंगे। जबकि अंतिम प्रस्तुति में अशोक दास का बांसुरी वादन होगा उनको तबले पर स्वरुप मोइत्रा संगत करेंगे। 9 फरवरी 2025 को समारोह के अंतिम दिन भी 3 प्रस्तुतियीं होगी।

पहली प्रस्तुति में कार्तिकेय मिश्रा एवं आकाश रंजन के द्वारा युगल तबला वादन पेश किया जायेगा। उनको बिरेन्द्र उपाध्याय हारमोनियम पर संगत करेंगे।

जमशेदपुर महिला विवि का द्वितीय दीक्षांत समारोह आज

खबर मन्त्र ब्यूरो

जमशेदपुर। जमशेदपुर महिला विश्वविद्यालय, जमशेदपुर 4 फरवरी 2025 को अपने दूसरे दीक्षांत समारोह की मेजबानी करने जा रहा है।

कार्यक्रम की सभी तैयारियां अब अंतिम सोपान पर हैं। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में महामहिम राज्यपाल सह कुलाधिपति महोदय माननीय संतोष कुमार गंगवार जी अपनी उपस्थिति से कार्यक्रम की शोभा बढ़ाएंगे। सिदगोड़ा स्थित विवि परिसर में आयोजित होने जा रहे समारोह की व्यवस्था को सुनिश्चित करने के लिए बनाई गई विभिन्न कमिटियों ने अपने-अपने कार्यों को अंतिम रूप दे दिया है। कुलपति प्रो (डॉ) अंजिला गुप्ता के निर्देशन और मार्गदर्शन में यह आयोजन सिदगोड़ा कैंपस में अत्यंत भव्य तरीके से होने जा रहा है।

माननीय कुलपति प्रो (डॉ) अंजिला गुप्ता के निर्देशन में सभी कमिटियों की बैठक आयोजित की गई जिसमें समारोह की तैयारियों के विभिन्न कार्यों का निरीक्षण किया। द्वितीय दीक्षांत समारोह में 872 छात्राओं का पंजीकरण हुआ है। 32 छात्राओं को स्वर्ण पदक दिया जाएगा। इस दौरान 59 रैंक होल्डर्स उपस्थित रहेंगे।

बैठक में छात्र कल्याण अधिष्ठाता डॉ किश्वर आरा, प्रॉक्टर डॉ सुधीर कुमार साहु, कुलसचिव राजेंद्र जायसवाल, परीक्षा नियंत्रक रमा सुब्रमण्यन, वित्त पदाधिकारी डॉ जावेद अहमद, विकास पदाधिकारी डॉ सलोमी कुजूर, स्पोर्ट्स और कल्चर कमिटी के चेयरमैन डॉ सनातन दीप, आइक्यूएसी डायरेक्टर, डॉ रत्ना मित्रा और सभी संकायाध्यक्ष, विभागाध्यक्ष एवं शिक्षकगण मौजूद थे। बीते शाम 5 बजे विश्वविद्यालय की एकेडमिक परेड की अंतिम रिहर्सल किया गया।

एक्सेल इंडिया मॉडल स्कूल का वार्षिक खेलकूद संपन्न

खबर मन्त्र ब्यूरो

जमशेदपुर। बिरसानगर जोन-3ई, प्रधान कालोनी स्थित एक्सेल इंडिया मॉडल स्कूल का वार्षिक खेलकूद का आयोजन लालू मैदान (हुरलुंग) में संपन्न हुआ। कार्यक्रम का उद्घाटन मुख्य अतिथि विकास सिंह, प्रिंसिपल, विकास विद्यालय, मानगो एवं सम्मानित अतिथि डॉ देवेश बहादुर, एक्स-चीफ रेडियोलॉजिस्ट, टिनप्लेट हॉस्पिटल ने संयुक्त रुप से किया। उद्घाटन कार्यक्रम के दौरान जूनियर तथा सीनियर वर्ग के बच्चों ने शानदार परेड एवं आकर्षक ड्रिल प्रस्तुत किया। खेलकूद प्रतियोगिता में भाग लेने वाले विजेता बच्चों को विकास सिंह, डॉ देवेश बहादुर के अलावा समाजसेवी केवर प्रसाद राव, लालू लोहार, अभिमन्यु सिंह आदि ने पुरस्कृत किया जिनमें प्रमोद कुमार, रंगीला सोरेन, मौसमी मुंडा, धनेश्वर महतो, अंतूराम

चाकी, अनिकेत उरांव, विजय भूमिज, मिंटू कुमार साहू तथा अंजली कुमारी प्रमुख थी। इस अवसर पर अभिभावकों के लिए आयोजित म्यूज़िकल चेयर खेल में काजल गोप को प्रथम, सरस्वती बेसरा को द्वितीय तथा पिंकी मुर्मू को तृतीय स्थान प्राप्त हुआ। इस अवसर पर प्रिंसिपल ममता कुमारी के अलावा शिक्षक-शिक्षिकाएं, कर्मचारी व अभिभावकगण भी उपस्थित थे।

नारायण आइटीआई में मनी सरस्वती पूजा

खबर मन्त्र ब्यूरो

जमशेदपुर। नारायण आईटीआई लुपुंगडीह चांडिल प्रांगण में सोमवार को धूमधाम से सरस्वती पूजा की गई। इस अवसर पर है इस संस्थान के संस्थापक डॉक्टर जटाशंकर पांडे ने छात्रा छात्रों के उज्जवल भविष्य की कामना करते हुए कहा कि बसंत पंचमी के दिन कई लोग नए कार्यों की शुरूआत करते हैं। यह मान्यता है कि इस दिन शुरू किया गया कार्य सफल होता है। इस अवसर पर एडवोकेट निखिल कुमार, प्रिंसिपल जयदीप पांडे, शांति राम महतो, प्रकाश महतो पवन कुमार महतो, अनूप कुमार महतो, भगत लाल तेली, प्रशान्त गोप, अजय मंडल, संजीत महतो, गौरव महतो उपस्थित रहे।

संजीव सरदार ने दो दर्जन से अधिक सरस्वती पूजा पंडालों का किया उद्घाटन

खबर मन्त्र टीम

पोटका/जमशेदपुर। क्षेत्र के विधायक संजीव सरदार ने बसंत पंचमी के शुभ अवसर पर क्षेत्र के विभिन्न सरस्वती पूजा समारोहों में शामिल होकर मां सरस्वती का आशीर्वाद लिया।

उन्होंने पोटका, जमशेदपुर और डुमरिया प्रखंडों में आयोजित दो दर्जन से अधिक पूजा पंडालों का उद्घाटन किया और श्रद्धालुओं के साथ पूजा-अर्चना में भाग लिया। डुमरिया प्रखंड के कसमार में आयोजित सरस्वती पूजा समारोह में उन्होंने शिरकत की। पोटका प्रखंड के मुक्तेश्वरधाम उच्च विद्यालय, हरिणा में हवन और पूजन कर छात्रों और शिक्षकों के साथ मां सरस्वती वंदना की। इसके अलावा, हरिणा, कालिंदी बस्ती, पोड़ा भालकी, बुकामडीह, पांडियासाई, महलिसाई और कुत्सुरी समेत कई जगहों में आयोजित पूजा समारोहों में शामिल होकर उन्होंने मां सरस्वती का आशीर्वाद लिया।

पोटका प्रखंड के कुत्सुरी में न्यू बॉयस क्लब द्वारा आयोजित सार्वजनिक सरस्वती पूजा में उन्होंने पूजा पंडाल का फीता काटकर उद्घाटन किया। इसी तरह, जमशेदपुर प्रखंड के बीडीएस क्लब और युवा क्लब द्वारा आयोजित सरस्वती पूजा समारोह में उन्होंने भाग लिया और विधिवत रूप से पंडालों का उद्घाटन किया।

विधायक संजीव सरदार ने क्षेत्रवासियों को बसंत पंचमी की शुभकामनाएं दीं और आयोजकों की सराहना की। उन्होंने मां सरस्वती से सभी के ज्ञान, बुद्धि और समृद्धि की कामना की तथा इस तरह के धार्मिक व सांस्कृतिक आयोजनों को समाज के लिए महत्वपूर्ण बताया।

एक नजर में

भाकपा माले के वरिष्ठ नेता विनोद लहेरी का निधन

जमशेदपुर। भाकपा माले जमशेदपुर के वरिष्ठ नेता विनोद लहेरी का निधन रविवार देर रात इलाज के दौरान रिम्स, रांची में हो गया। उनका शव सोमवार की सुबह एम्बुलेंस से रहरगोडा स्थित उनके निवास स्थान पर लाया गया, जहां पहले से मौजूद पार्टी कार्यकर्ताओं और स्थानीय लोगों ने दिवंगत नेता को श्रद्धांजलि दी। यह जानकारी माले के वरिष्ठ नेता, छात्र आंदोलन के समय उनके संघर्षों के साथी एस एन एस जिज्ञासु ने दी। बाद में गमगीन माहौल में परिजनों और पार्टी कार्यकर्ताओं, स्थानीय लोगों की उपस्थिति में मानगो के श्मशान घाट में उनकी अंत्येष्टि संपन्न हुई। इस अवसर पर माले जिला सचिव राम पालक चौधरी, पूर्व जिला सचिव एस के राय, भरत यादव, पंकज राय, शिवजी शर्मा सहित बड़ी संख्या में वामपंथी कार्यकर्त्ता मौजूद रहे। आल बिहार स्टूडेंट्स यूनियन के पूर्व संगठन मंत्री जिज्ञासु ने बताया कि लहेरी स्टूडेंट यूनियन के जिला सचिव, भाकपा माले के जिला सचिव और झारखण्ड प्रदेश भाकपा माले राज्य कार्यालय के सचिव कि जिम्मेवारी निभा चुके थे। मात्र पंद्रह वर्ष की उम्र से ही वे वामपंथी, क्रांतिकारी आंदोलन से जुड़े और घर वॉर छोड़ कर गरीब जनता की सेवा में जुड़ गए। वे लम्बे समय से रांची में रहकर किडनी का इलाज करवा रहे थे। उनके निधन से भाकपा माले ने अपना एक बहुमूल्य कार्यकर्त्ता खो दिया है। भाकपा माले महासचिव दीपंकर भट्टाचार्य, पोलित ब्यूरो सदस्य धीरेन्द्र झा, एमएलसी शशि यादव, ऐपवा महासचिव मीना तिवारी, महिला नेता निर्मला यादव, सीएसपी यादव ने दु:ख व्यक्त करते हुए उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि दी है।

टाटा मोटर्स यूनियन का एजीएम संपन्न

जमशेदपुर। टाटा मोटर्स वर्कर्स यूनियन के महामंत्री आरके सिंह ने आज यूनियन की वार्षिक आम सभा बुलायी थी। आम सभा में सदस्यों से सहमति लेकर यूनियन द्वारा किए गए कार्य की रिपोर्ट और आकर्षित लिखा विवरण को पारित किया गया। इसके पश्चात सत्र 26 /11 /2024 से 25/11/ .27 कुल 3 वर्षों की अवधि के लिए संपन्न यूनियन की आम चुनाव परिचर्चा एवं नवनिर्वाचित पद धारक एवं कार्यकारी सदस्यों का आम सभा में चर्चा एवं आम सभा के पटल से पारित कराया गया। यह भी पारित कराया गया कि नए यूनियन सदस्य बनने के लिए आवेदिक आवेदन जो की कार्यकारिणी द्वारा अनुमोदित किया गया है आम सभा के पटल पर चर्चा एवं निर्णय किया जायेगा। सोशल सिक्योरिटी स्कीम के तहत लाभान्वित कर्मचारियों के नाम की जानकारी आम सभा के पटल पर रखा गया। साथ ही दिवंगत कर्मचारियों की आत्मा की शांति के लिए 1 मिनट का मौन रखा गया। साथ ही उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित करने के साथ दिवंगत कर्मचारियों के लवांवित आश्रितों से कर आमसभा के सदस्यों से परिचय कराया गया।

सी पी समिति मध्य विद्यालय केबुल बस्ती में मां सरस्वती की पूजा संपन्न

जमशेदपुर। सी पी समिति मध्य विद्यालय केबुल बस्ती में मां सरस्वती पूजा का भव्य आयोजन किया गया। प्रात: से ही वैदिक मंत्रोच्चार के साथ विद्यालय के महासचिव परमानंद कौशल ने पंडित के रूप में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई और पूजन कार्य को संपन्न करवाया, प्रधानाध्यापक अमित कुमार सिंह ने यजमान के रूप में विधि विधान के साथ पूजन कार्य किया। विद्यालय के अध्यक्ष दिनेश कुमार ने इस अवसर पर कहां की माता सरस्वती विद्या, कला की देवी है, आज के वर्तमान और भविष्य को तैयार करने के साथ उनके उज्ज्वल भविष्य को तैयार करने में माता सरस्वती का बहुत बड़ा योगदान रहता है लेकिन पूजा के साथ विद्या ग्रहण करने का गुण भी बच्चो में आना चाहिए। विद्यालय के संरक्षक खेमलाल चौधरी जी भी उपस्थित रहे, पूजन के पश्चात सभी बच्चों के बीच प्रसाद एवं भोग का वितरण किया गया। पूजा के समय सालिक दास देवांगन, रामनरेश साहू, संतोष कुमार, रेमन कुमार, आकाश साहू, जैसप देवांगन, सरस्वती साहू, रेखा रजक शिक्षिका के सावित्री, श्रीमती, नागश्री सामद, हीरादास मानिकपुरी, कौशिक दत्ता, अर्चना सिंह, सीमा, संगीता मेरी सुरेन, रेखा, अनुसुइया, ऋचा मिश्रा, अन्नपूर्णा प्रधान, तारकेश्वरी देवी, सुमन सिंह, निर्मला कौर, रीता शर्मा, अंजली, मुस्कान कुमारी, सारा मसीह, दीक्षा कुमारी, अर्चना सिंह, कुमकुम सिंह, कृतिका सिंह, कविता कुमारी साहू और विद्यालय के बच्चों और अभिभावकगण उपस्थित थे।

श्रीनाथ पब्लिक स्कूल में की गई मां शारदे की अराधना

जमशेदपुर। आदित्यपुर स्थित श्रीनाथ पब्लिक स्कूल में विद्या की देवी मां शारदे की पूजा अर्चना धूमधाम से की गई। इस अवसर पर विद्यालय के प्रांगण में मां शारदा की प्रतिमा स्थापित की गई, जहां सुबह-सुबह बच्चे एवं शिक्षक गणो ने मां शारदे की पूजा आराधना की। विशेष पूजा अर्चना कक्षा दसवीं एवं वारवीं के छात्र छात्राओं के लिए की गई जो इस वर्ष बोर्ड की परीक्षा में सम्मिलित होने जा रहें हैं। छात्रों ने श्रद्धा सुमन अर्पित कर सद्बुद्धि और विद्या का वरदान मांगा। इस अवसर पर विद्यालय के संस्थापक शंभू नाथ महतो सह संध्या रानी महतो अध्यक्ष सुखदेव महतो प्रधानाचार्य संजय कुमार सिंह एवं विद्यालय प्रबंधन समिति सदस्या अनिता महतो उपस्थित हुए।

आरवीएस अकादमी में सरस्वती पूजा संपन्न

जमशेदपुर। आर.वी.एस. अकादमी में सरस्वती पूजा का शुभ अवसर भक्तिमय और आध्यात्मिक वातावरण में बड़े हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इस अवसर ने छात्रों को उनके शैक्षणिक और व्यक्तिगत जीवन में ज्ञान प्राप्त करने के लिए प्रेरित किया। दिन की शुरूआत विद्यालय के सभागार में पारंपरिक पूजा के साथ हुई, जिसे बड़ी श्रद्धा और भक्ति के साथ संपन्न किया गया। पूरा वातावरण धूप, फूलों की सुगंध और मंत्रों के मधुर उच्चारण से सुशोभित हो गया। इस पावन अवसर पर विद्यालय के चेयरमैन बिंदा सिंह जी, प्रधानाचार्या वीशा मोहिंद्रा, उपप्रधानाचार्या पूजा सुमन, समन्वयकगण, शिक्षकगण और विद्यार्थियों की गरिमामयी उपस्थिति रही। कार्यक्रम का समापन विद्यार्थियों और विद्यालय के समस्त स्टाफ में प्रसाद एवं मिठाइयों के वितरण के साथ हुआ।

साई देवस्थानम में की गयी मां सरस्वती की पूजा

जमशेदपुर। साईं परिवार विश्व सेवा संस्थान, जमशेदपुर के तत्वाधान में वसंत पंचमी के पावन अवसर पर सोमवार को सरस्वती पूजा का आयोजन श्री साईनाथ देवस्थानम, घोड़ाबांधा में किया गया। इस पावन अवसर पर श्री साईनाथ देवस्थानम के विद्वान पुरोहितों के द्वारा पूजन अनुष्ठान संपन्न हुआ। पूजन अनुष्ठान में छोटे छोटे बच्चों ने विद्यारंभ संस्कार पूजन किया। इस अवसर पर आस पास के भक्तों ने अपने बच्चों के साथ पूजा में सम्मिलित हुए।

झारखंड दिवस स्थापना समारोह भव्यतापूर्वक हुआ संपन्न

दुमका। 46 वां झारखंड दिवस स्थापना समारोह रविवार को देर रात संपन्न हुआ। समापन पर खिजुरिया स्थित प्रमंडलीय कार्यालय में झारखंड मुक्ति मोर्चा जिला इकाई ने प्रेसवार्ता आयोजित कर नगर वासियों एवं कार्यकत्ताओं का आभार प्रकट किया। इस अवसर पर प्रवक्ता अब्दुस सलाम अंसारी ने स्थापना दिवस समारोह उत्सापूर्वक संपन्न होने पर नगर वासियों एवं जिला कार्यकत्ताओं के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि भव्यता पूर्वक आयोजन में सभी का सहयोग रहा है। खास तौर पर स्थानीय विधायक बसंत सोरेन की महत्ती भूमिका रही है। जिन्होंने स्वयं मौजूद रखकर बारिकीयों से हर कार्य को देखा और आवश्यक निर्देश देते हुए भव्यता से शांतिपूर्ण तरीके से सफल आयोजन हुआ। उन्होंने नगर कमेटी के दायित्वों के निर्वहन और व्यवस्थित तरीके कार्यक्रम संपन्न होने में सराहनीय भूमिका बताया। उन्होंने कहा कि सरकार स्थापना दिवस पर पार्टी सुप्रीमों शिबू सोरेन के अधूरे सपने को पूरा करने के लिए हर संभव प्रयास करेगी।

सूबे के मुख्यमंत्री निजी कार्यक्रम में शामिल होने पहुंचे बोकारो

खबर मन्त्र संवाददाता

बोकारो। झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन एक निजी व्यक्तिगत समारोह में शामिल होने बोकारो पहुंचे। उनके साथ उनकी धर्मपत्नी व विधायक कल्पना सोरेन समेत अन्य थे। एक विशेष विमान से बोकारो एयरपोर्ट पहुंचने पर मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन एवं विधायक श्रीमती सोरेन को गुलदस्ता देकर पुलिस उप महानिरीक्षक कोयला प्रक्षेत्र सुरेंद्र झा बोकारो उपायुक्त श्रीमती विजया जाधव पुलिस अधीक्षक मनोज स्वर्गियारी आदि ने स्वागत किया। मौके पर उपस्थित बोकारो जिला अंतर्गत चंदनकियारी के विधायक उमाकांत रजक ने भी प्रदेश के मुख्यमंत्री को गुलदस्ता भेंटकर स्वागत किया। इस अवसर पर जिला स्तरीय अनेक पदाधिकारी उपस्थित थे। उल्लेखनीय हो कि मुख्यमंत्री श्री सोरेन एक निजी कार्यक्रम में शामिल होने के लिए बोकारो पहुंचे थे।

सीएम ने सुनी समस्याएं दिया समाधान का भरोसा

खिजुरिया आवास पर अपनी समस्याएं लेकर उमड़े लोग

खबर मन्त्र संवाददाता

दुमका। मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन से सोमवार को दुमका स्थित खिजुरिया आवास पर विभिन्न क्षेत्रों से पहुंचे आम लोगों ने मुलाकात कर अपनी समस्याओं से उन्हें अवगत कराया। मुख्यमंत्री ने लोगों की समस्याओं के शीघ्र निराकरण करने का निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए। इस मौके पर मुख्यमंत्री ने लोगों से कहा कि यह अबुआ सरकार है। आप सभी के आशीर्वाद से राज्य में एक बार पुनः मजबूत सरकार का गठन हुआ है। आपकी समस्याओं का निराकरण हमारी सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल है। मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारी सरकार के विगत कार्यकाल में 'आपकी योजना-आपकी सरकार-आपके द्वार' कार्यक्रम के अंतर्गत गांव-गांव और पंचायत-पंचायत में लगे शिविरों में लाखों की संख्या में लोगों ने सरकार की कल्याणकारी योजनाओं का लाभ लेने के लिए आवेदन दिए और उसका त्वरित निष्पादन भी हुआ।

अधिकारियों ने आपके घर के दरवाजे पर पहुंचकर पूरी संवेदनशीलता के साथ आपकी समस्याओं को सुना और उसका समाधान किया। वर्तमान समय में सरकार की विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं के साथ मुख्यमंत्री मंईयां सम्मान योजना के माध्यम से राज्य में महिलाओं को सशक्त बनाने का कार्य किया जा रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारी सरकार ने जो भी वादे किए, उन सभी वादों को पूरा करते हुए राज्य को सकारात्मक दिशा की ओर ले जाने का काम कार्य हो रहा है।

खबर एक नजर में

रोटरी क्लब चास के सदस्यों ने सहयोग विलेज के बच्चों के साथ मनाया अन्नपूर्णा दिवस

बोकारो। स्वर्गीय सूरज देवी चोपड़ा की जयंती पर आई टी आई मोड़ स्थित सहयोग विलेज के सभी बच्चों को भोजन कराया गया। मौके पर रोटरी क्लब चास के अध्यक्ष बिनोद चोपड़ा ने कहा कि बच्चों के प्रति सद्भावना और सामाजिक सहायता उपलब्ध कराना ही सच्ची पूजा है। क्लब की चयनित अध्यक्ष डिंपल कौर ने कहा कि ऐसे आयोजनों से बच्चों में सकारात्मक परिवर्तन होता है। रोटरी क्लब चास के संस्थापक अध्यक्ष संजय बैद ने कहा कि रोटरी का उद्देश्य मानवता की सेवा है। रोटरी चास के सचिव मुकेश अग्रवाल ने कहा की समाज के हर वर्ग से जुड़ना हमारा कर्तव्य है। इस दौरान बच्चों ने देशभक्ति गीत और कविताएं भी सुनाई। कार्यक्रम को सफल बनाने में बिनोद चोपड़ा मुकेश अग्रवाल डिंपल कौर संजय बैद प्रेम शंकर सिंह मंजीत सिंह हरबंस सिंह प्रेम कुमार ललिता चोपड़ा सूमी कौर श्वेता रस्तोगी अर्चना सिंह का अहम योगदान रहा।

उपराजधानी में धूमधाम से मनी विद्या की देवी मां सरस्वती की पूजा

दुमका। उपराजधानी दुमका में सरकारी, गैर सरकारी स्कूलों एवं गली-मुहल्लों में मां सरस्वती की पूजा धूमधाम के साथ मनाई गई। सोमवार को लोगों ने विद्या, कला व संगीत की देवी मां सरस्वती की पूजा-अर्चना भक्ति भावपूर्वक की। पूजा के मौके पर मंत्रोच्चार से पूरा क्षेत्र भक्तिमय हो उठा। लोगों ने अहले सुबह स्नान कर अपने-अपने घरों में मां सरस्वती की तस्वीर रख कर पूजा अर्चना की। वहीं छात्रों ने अपने-अपने विद्यालयों में मां सरस्वती की प्रतिमा स्थापित कर पूजा अर्चना की। विभिन्न सरस्वती पूजा समितियों के सदस्यों ने रंग-बिरंगे व आकर्षक पंडाल बना कर तथा बेहतर साज सज्जा कर मां सरस्वती की पूजा-अर्चना की और मां सरस्वती को प्रसाद के रूप में गाजर, मिश्रीकंद, बैर, सेब, केला, नारंगी, अंगूर, बंदिया का भोग लगाया।

एनएचएम अनुबंध कर्मचारी संघ ने सीएम के नाम सौंपा आठ सूत्री मांग पत्र

स्थायीकरण, आश्रितों को अनुकंपा का लाभ देने समेत अन्य मांग है शामिल

खबर मन्त्र संवाददाता

गांडेय विधायक को मांगपत्र सौंपते एनएचएम अनुबंध कर्मचारी संघ प्रतिनिधिमंडल

दुमका। फुलो झानो मुर्मू एनएचएम अनुबंध कर्मचारी संघ प्रतिनिधिमंडल ने सोमवार को मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन एवं गांडेय विधायक कल्पना सोरेन से मुलाकात कर 8 सूत्री मांग पत्र सौंपा। प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व जिला अध्यक्ष एनीशवेता टुडू, सचिव एली बागे, कोषाध्यक्ष पुष्पा सोरेन एवं सुसरना सोरेन ने संयुक्त रूप से की। सीएम को सौंपे मांगपत्र में एनएचएम अनुबंध कर्मियों को प्रत्येक माह के 2 तारीख को मानदेय भुगतान करने, अनुबंध कर्मचारी लॉयल्टी बोनस 15 प्रतिशत मूल मानेदय जोड़ते हुए बकाया राशि एरियर के रूप में देने, एनएचएम अनुबंध कर्मचारी को राज्य कर्मचारी घोषित करते हुए समान काम का, समान वेतन लागू करने, कोविड-19 में कार्य किए सभी एनएचएम अनुबंध कर्मचारियों को लंबित प्रोत्साहन राशि भुगतान करने, एनएचएम अनुबंध कर्मचारी के आश्रितों को अनुकंपा का लाभ देते हुए तृतीय वर्गीय एवं चतुर्थ वर्गीय नौकरी देने, एनएचएम अनुबंध कर्मचारियों को 20 लाख रुपया का सरकारी बीमा योजना कराने, एनएचएम अनुबंध कर्मचारी का स्थायीकरण करने एवं एनएचएम अनुबंध कर्मचारी सेवानिवृत होने के बाद प्रत्येक माह 20 हजार पेंशन भुगतान करने का मांग किया।

दुमका से जल्द शुरू होगी हवाई सेवा : सीएम हेमंत

खबर मन्त्र संवाददाता

दुमका। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने कहा की बहुत जल्द दुमका हवाई अड्डा से हवाई सेवा शुरू हो जाएगी। इसको लेकर सरकार प्रयासरत है। हवाई सेवा शुरू करने की मांग को लेकर स्थानीय विधायक बसंत सोरेन ने मुख्यमंत्री को मांग पत्र सौंपा। दो दिवसीय दौरे पर दुमका से रांची जाने के दौरान सीएम ने कहा कि छोटे बड़े शहरों को हवाई सेवा से जोड़ने का मंशा राज्य सरकार का भी है और भारत सरकार का भी है। जिस तरह का आधरभुत संरचना है। उसी अनुरूप यहां सुविधा उपलब्ध करने का प्रयास जारी है और इसको लेकर हमलोगों ने बात बढ़ाई है कि यहां बड़ी नहीं तो छोटी फ्लाइट का व्यवस्था हो। जिससे यहां के लोगों का यात्रा सुगम हो सके। अगल बगल राज्यों और जिलों को जोड़ा जा सके।

बहुत जल्द यह प्रयास होंगी कि हवाई सेवा चालू हो। उराजधानी दुमका में हवाई सेवा शुरू होने को लेकर झारखंड सरकार ने केबिनेट मे भी पास किया है। जिससे यहां के लोग हवाई सेवा का लाभ ले सके। सीएम जेएमएम के 46 वें झारखंड दिवस कार्यक्रम में शामिल होने पहुचे थे। आज सीएम हवाई मार्ग से रांची के लिए प्रस्थान कर गये। सीएम हेमंत सोरेन के साथ उनकी पत्नी गाण्डेय विधायक कल्पना सोरेन भी साथ में रांची के लिए रवाना हुए।

रुक्मिणी देवी पब्लिक स्कूल में बसंत पंचमी पर मेले का आयोजन

बेरमो। रूक्मिणी देवी पब्लिक स्कूल, फुसरो के प्रांगण में बसंत पंचमी के शुभ अवसर पर बाल मेला 2025 का आयोजन किया गया। मेले का शुभारंभ माँ सरस्वती की पूजा-अर्चना एवं आरती के बाद बच्चों द्वारा हुआ। इसके बाद बच्चों द्वारा सरस्वती वंदना एवं विभीन्न सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किये गये। मेले में विभीन्न प्रकार के विज्ञान, गणित, सामाजिक विज्ञान एवं हस्त कला से संबंधित प्रदर्शनी की गई। विज्ञान में कक्षा दशम से नमन गुप्ता ने इलेक्ट्रीसिटी जेनेरेशन थु वेस्टेज, गणित में आकांक्षा सिन्हा, वर्ग आठ से पाइथागोरस थियोरम। सामाजिक विज्ञान से लूनर इकलिप्स वर्ग 3 के इफत अंजुम, हस्त कला में शिवम कुमार राव ने राम मंदिर के प्रारुप को तैयार किया।

एक खुनी कार ने तीन को मारी टक्कर, दो की हालत गंभीर

खबर मन्त्र संवाददाता

बेरमो /जारंगडीह। इन दिनों बेरमो कोयलांचल में मानो दुर्घटनाओं की बाढ़ सी आ गई है। इस सड़क पर दौड़ने वाली हाइवा की बातें तो दुर अब चार पहिया वाहन भी लोगो को दुर्घटना का शिकार बनाने मे अव्वल साबित हो रही है।

इसी तरह का एक मामला बीते देर शाम जारंगडीह मुख्य मार्ग पर देखने को मिली जब एक खुनी कार संख्या जेएच 09 ए जेड 5264 ने अपनी तेज रफ्तारी का शिकार तीन लोगो को बनाया जिसमे दो ससुर व दामाद बताये जाते है जिसकी हालत काफी गंभीर बताई जाती है। घटना के संबंध में मिली जानकारी के अनुसार बीते देर शाम सबसे पहले उपरोक्त कार जारंगडीह भगत सिंह चौक पर एक बाइक सवार को टक्कर मार भागने के चक्कर में जारंगडीह कांटा घर के समीप एक और बाइक संख्या जेएच 09 के 6662 को अपना शिकार बनाया जिसमे दो लोग सवार थे।

दोनों चलकरी बस्ती का रहने वाला बताया गया। पहले बाइक पर सवार व्यक्ति को मामुली चोट आई पर दुसरे बाइक को इतनी जबरदस्त टक्कर मारी की बाइक के परखच्चे उड़ गये और इस पर सवार दोनो व्यक्ति बुरी तरह घायल हो गया। आनन फानन में लोगो ने दोनो को ढोरी रिजनल अस्पताल पहुंचाया मगर दोनो की गंभीर हालत को देखते हुए चिकित्सकों ने उन्हें बेहतर इलाज के लिए बोकारो बीजीएच भेज दिया।

विधायक श्वेता सिंह ने शहरी विकास सचिव को बताई समस्याएं, मिला सकारात्मक आश्वासन

खबर मन्त्र संवाददाता

बोकारो। रांची प्रवास के दौरान बोकारो विधायक श्वेता सिंह ने अपने विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत जनहित के विभिन्न मामलों को लेकर प्रोजेक्ट भवन रांची में शहरी विकास एवं आवास विभाग सह पथ निर्माण विभाग के सचिव सुनील कुमार से भेंट की।

इस मुलाकात में श्रीमती सिंह ने सर्वप्रथम चास नगर निगम में व्याप्त सीवरेज की गंभीर समस्या पेयजल कालोनियों में सुदृढ़ सड़क स्वच्छता के तमाम जनसमस्याओं से सचिव को अवगत करवाया। श्रीमती सिंह ने कहा कि उक्त मामले पिछले 10 वर्षों से लंबित हैं जिसके कारण चास नगर निगम क्षेत्र की जनता लगातार दिक्कतों का सामना कर रही है। विधायक ने कहा कि सीवरेज अव्यवस्थित होने के कारण क्षेत्र में बीमारियों का फैलना आम बात सी हो गई है।

वहीं कई ऐसे मुहल्ले हैं जहां नई सड़क के निर्माण के साथ-साथ पुरानी सड़कों के जीर्णोद्धार की भी आवश्यकता है।

जुस्को द्वारा पेयजलापूर्ति के कार्यों में तीव्र गति लाने की आवश्यकता है ताकि तय समय पर जनता को स्वच्छ पेयजल की आपूर्ति हो सके। विधायक के अनुसार वार्ता के क्रम में सुनील कुमार ने आश्वासन दिया है कि तमाम जनसमस्याओं और सीवरेज की समस्या को प्राथमिकता में रखते हुए और इसके निवारण हेतु जल्द ही डीपीआर बनाकर तथा इसके बाद टेंडर जारी कर इन सभी मामलों का जनहित में निष्पादन किया जाएगा।

बसंत पंचमी पर बाबा के तिलकोत्सव में उमड़ी भीड़

खबर मन्त्र संवाददाता

देवघर, दुमका। बसंत पंचमी के अवसर पर सोमवार को देवघर स्थित बाबा बैजनाथ और बासुकीनाथ धाम मंदिर में जल अर्पण करने के लिए सुबह से ही श्रद्धालुओं की भारी भीड़ लगी रही। स्थानीय लोगों के साथ-साथ मिथिलांचल से आये श्रद्धालु जल अर्पण के बाद तिलकोत्सव में शामिल होकर उत्साह मना रहे हैं। बसंत पंचमी के दिन बाबा भोलेनाथ और मैया पार्वती का परम्परा के अनुसार विधि विधान पूर्वक तिलक उत्सव मनाया जाता है। मिथिलांचल से महिला और पुरुष कांवरियां पूरे नियम पूर्वक सुल्तानगंज से जल लेकर गाजे-बाजे के साथ आते हैं और बाबा पर तिलक चढ़ाते हैं। उन लोगों की ऐसा मानयता है की माता पार्वती का माइका मिथिलांचल ही था, इसलिए मिथिलांचल के लोग ही आकर बाबा पर तिलक चढ़ाते हैं और उत्साह मनाते हैं।

बाबा पर तिलक चढ़ाने के साथ ही होली की भी शुरूआत हो जाती है। बसंत पंचमी के दिन से ही लोग मंदिर में अबीर गुलाल लगाकर खुशी मनाते हैं।

स्थानीय प्रशासन और मंदिर पंडा समाज भी बाबा के तिलक उत्सव में शालि रहा। अत्यधिक भीड़ को देखते हुए अरघा लगाया गया। लोगों ने अरघा के माध्यम से बाबा पर जलार्पण किया। पंडा धर्मरक्षिणी सभा के महामंत्री संजय झा ने कहा कि बासुकीनाथ मंदिर में वर्षों से चली आ रही परंपरा का हम लोग नियम पूर्वक निर्वहन करते हैं।

डीपीएस चास के 12वीं के छात्र-छात्राओं को मिली विदाई

बोकारो। दिल्ली पब्लिक स्कूल चास में बारहवीं कक्षा के विद्यार्थियों को आकर्षक सांस्कृतिक कार्यक्रमों के साथ विदाई दी गई। 11वीं के विद्यार्थियों के आकर्षक संगीत व नृत्य की प्रस्तुति ने माहौल को आकर्षक बना दिया। तत्पश्चात कक्षा बारहवीं के छात्रों द्वारा मनमोहक नृत्य प्रस्तुति ने दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। हेड गर्ल राजेश्वरी सिंह तनुश्री हांसदा एवं हेड बॉय दीप्तांशु प्रकाश ने अपनी भावनाओं और स्कूल में बिताए क्षणों के अनुभव साझा किए। अमित कुमार शर्मा मास्टर स्टाइल अंबरीन फरेहा मिस स्टाइल सोमादीप चौधरी मास्टर पॉपुलर राजेश्वरी सिंह मिस पॉपुलर राधिका श्रीवास्तव मिस वसेर्टाइल के खिताब से नवाजे गए। डॉ तिवारी ने विदा हो रहे छात्र-छात्राओं के उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

झामुमो के स्थापना दिवस में

कसमार से हजारों झामुमो कार्यकर्ता होंगे शामिल

खबर मन्त्र संवाददाता

बोकारो/कसमार। धनबाद में झामुमो का 53वां स्थापना दिवस के भव्य आयोजन के निमित्त कसमार प्रखंड के झामुमो कार्यकताओं ने कसमार में पार्टी के वरीय नेता फारूख अंसारी के नेतृत्व में अयोजित बैठक में चर्चा करते हुए कहा कि इस बार का स्थापना दिवस समारोह ऐतिहासिक होगा। झामुमो की अगुवाई में हेमंत सरकार द्वारा राज्य के लोगों के लिए कई कल्याणकारी योजनाएं चलाई जा रही है। खासकर मुख्यमंत्री महिला सम्मान योजना से महिलाएं प्रभावित हैं। स्व बिनोद बिहारी महतो शिबू सोरेन और एके राय के नेतृत्व में गठित झामुमो ने झारखंड अलग राज्य की लड़ाई को मुकाम तक पहुंचाने का कार्य किया है। झामुमो ने आपकी सरकार आपके योजना के माध्यम से राज्य के सभी वर्गों का समन्वित कार्य कर रही है। मौके पर सिकंदर कपरदार जगेश्वर महतो महेंद्र सिंह राजेश महतो मनोहर महतो शिवनंदन महतो एकराम अंसारी दिलीप गंझू राजेन्द्र मुर्मू दिलीप तूरी आजाद अंसारी जानी बाबू परमेश्वर सिंह देवाशीष मुखर्जी आदि दर्जनों कार्यकर्ता मौजूद थे।

बोकारो में सरस्वती पूजनोत्सव सोल्लास सम्पन्न

खबर मन्त्र संवाददाता

बोकारो। ज्ञान विद्या व संगीत की अधिष्ठात्री देवी मां सरस्वती का पूजनोत्सव बोकारो-चास सहित आसपास के इलाके में पूरे हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। छोटे-छोटे नन्हें विद्यार्थियों के साथ-साथ नवयुवक छात्र-छात्राओं ने कई दिनों से चली आ रही तैयारियों के इस आयोजन को मूर्त रूप दिया। शहर में जगह-जगह छोटे-बड़े आकर्षक पंडालों के बीच मां शारदे की भव्य प्रतिमाएं स्थापित की गयीं तथा उनकी विधिवत पूजा की गयी। मुहल्ले भर के बच्चों अपनी-अपनी किताबें, कापियां आदि देवी सरस्वती के चरणों में रखकर पूरी श्रद्धा के साथ पूजा की तथा विद्या की वरदान मांगा। चिन्मय मिशन बोकारो की आचार्य स्वामिनी संयुक्तानंद सरस्वती और विद्यालय सचिव महेश त्रिपाठी की देखरेख में पूरा विद्यालय परिवार सफल आयोजन में लगा रहा। चिन्मय विद्यालय बोकारो में मां शारदे की पूजा-अर्चना व भक्ति संगीत के साथ वसंत ऋतु का भव्य स्वागत किया गया।

रोटरी क्लब चास के सदस्यों ने मनाया अन्नपूर्णा दिवस

बोकारो। स्वर्गीय सूरज देवी चोपड़ा की जयंती पर आई टी आई मोड़ स्थित सहयोग विलेज के सभी बच्चों को भोजन कराया गया। मौके पर रोटरी क्लब चास के अध्यक्ष बिनोद चोपड़ा ने कहा कि बच्चों के प्रति सद्भावना और सामाजिक सहायता उपलब्ध कराना ही सच्ची पूजा है। क्लब की चयनित अध्यक्ष डिंपल कौर ने कहा कि ऐसे आयोजनों से बच्चों में सकारात्मक परिवर्तन होता है। रोटरी क्लब चास के संस्थापक अध्यक्ष संजय बैद ने कहा कि रोटरी का उद्देश्य मानवता की सेवा है। रोटरी चास के सचिव मुकेश अग्रवाल ने कहा की समाज के हर वर्ग से जुड़ना हमारा कर्तव्य है। इस दौरान बच्चों ने देशभक्ति गीत और कविताएं भी सुनाई। कार्यक्रम को सफल बनाने में बिनोद चोपड़ा मुकेश अग्रवाल डिंपल कौर संजय बैद प्रेम शंकर सिंह मंजीत सिंह हरबंस सिंह प्रेम कुमार ललिता चोपड़ा सूमी कौर श्वेता रस्तोगी अर्चना सिंह का अहम योगदान रहा।

बीजीएच के सेवानिवृत्त डॉ श्रवण को चास रोटरी ने दी विदाई

खबर मन्त्र संवाददाता

बोकारो। बीजीएच के ब्लड बैंक प्रभारी एवं रोटरी क्लब चास के संस्थापक सदस्य डॉ श्रवण के सेवानिवृत्त होने पर सम्मान सह विदाई समारोह का आयोजन रोटरी भवन चीरा चास में किया गया। अध्यक्ष बिनोद चोपड़ा एवं सचिव मुकेश अग्रवाल ने संयुक्त रूप से डॉ श्रवण के उज्जवल भविष्य की कामना करते हुए कहा कि उन्होंने ईमानदारी पूर्वक चिकित्सा के क्षेत्र में सेवा कार्य किया। संस्थापक अध्यक्ष संजय बैद ने डॉ श्रवण के पेशेवर दृष्टिकोण एवं कर्मठता की प्रशंसा करते हुए सफल कार्यकाल के लिए बधाई दी।

डॉ श्रवण ने केक काटकर जीवन के नए अध्याय की शुरूआत की। वरीय सदस्य नरेंद्र सिंह एवं माधुरी सिंह ने शॉल ओढ़ाकर डॉक्टर को सम्मानित किया। डॉ श्रवण ने सम्मानित किए जाने पर रोटरी क्लब चास एवं उसके सदस्यों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि बोकारोवासियों से उनको बहुत प्यार मिला और भविष्य में भी वे अपनी सेवाएं समाज को देते रहेंगे।

रोटरी क्लब चास के बिनोद चोपड़ा मुकेश अग्रवाल डॉ सुमन डॉ पुष्पा नरेंद्र सिंह मंजीत सिंह माधुरी सिंह प्रेम शंकर सिंह डिंपल कौर श्वेता रस्तोगी कविता मल्लिक अर्चना सिंह ललिता चोपड़ा रितु अग्रवाल राखी चौधरी ने डॉ श्रवण के सुखद एवं उज्जवल भविष्य की कामना की।

पेज एक का शेष

झारखंड व आंध्र...

इस मामले में नैक निरीक्षण टीम के चेयरमैन, को-आर्डिनेटर और कई सदस्य शामिल पाये गये। इस मामले में सीबीआई ने दो दिनों तक देश के 20 शहरों में छापेमारी कर लाखों की नकदी, कागजात व उपकरण बरामद किए हैं। सीबीआई ने जिन 20 ठिकानों पर छापेमारी की, उनमें चेन्नई, बेंगलुरु, विजयवाड़ा, पलामू (झारखंड), संबलपुर (ओडिशा), भोपाल (मध्य प्रदेश), बिलासपुर (छत्तीसगढ़), गौतमबुद्धनगर और दिल्ली शामिल हैं।

अमृत स्नान पर ...

केवल स्नान और गंगा पूजन करेंगे। पीएम के कार्यक्रम को देखते हुए उनकी टीम ने सोमवार को रिहर्सल भी किया। तैयारी देखने मंगलवार को सीएम योगी आदित्यनाथ भी प्रयागहराज पहुंचेगे। वह भूटान नरेश के साथ संगम स्नान के लिए पहुंच रहे हैं।

सेक्टर-20 में बैलून फटा, 6 घायल : बसंत पंचमी के अमृत स्नान के मौके पर सेक्टर-20 में बैलून फटने से छह लोग घायल हो गये। सभी को एसआरएन की बर्न यूनिट में भर्ती कराया गया है।

स्पीड न्यूज

जापान ने नई पीढ़ी के एच3 रॉकेट से नेविगेशन उपग्रह किया लॉन्च

टोक्यो। जापान ने अपनी अंतरिक्ष क्षमताओं को और मजबूत करते हुए रविवार को एच3 रॉकेट के माध्यम से एक महत्वपूर्ण नेविगेशन उपग्रह का सफल प्रक्षेपण किया। यह उपग्रह जापान की अधिक सटीक और स्वायत्त स्थान निर्धारण प्रणाली विकसित करने की दिशा में एक और महत्वपूर्ण कदम है। मिचिबिकी-6 नामक इस उपग्रह को तनेगाशिमा अंतरिक्ष केंद्र से लॉन्च किया गया, जो जापान के दक्षिण-पश्चिमी द्वीप पर स्थित है। जापान एयरोस्पेस एक्सप्लोरेशन एजेंसी (खअअ) ने पुष्टि की कि लॉन्च के सभी चरण सफलतापूर्वक पूरे हुए और उपग्रह को सही कक्षा में स्थापित कर दिया गया। वर्तमान में जापान की अर्ध-जेनिथ उपग्रह प्रणाली (देरर) चार उपग्रहों के साथ कार्यरत है, जिसे 2018 में पूरी तरह सक्रिय किया गया था। यह प्रणाली अमेरिकी जीपीएस तकनीक के साथ मिलकर स्मार्टफोन, ऑटोमोबाइल, समुद्री नेविगेशन और ड्रोन संचालन के लिए उच्च-स्तरीय स्थान संबंधी जानकारी प्रदान करती है।

सऊदी के शाह और सीरिया के अंतरिम राष्ट्रपति ने मुलाकात की

रियाद। सऊदी के शाह एवं प्रधानमंत्री मोहम्मद बिन सलमान अल सऊद और सीरिया के अंतरिम राष्ट्रपति अहमद अल-शरा ने रविवार को रियाद में द्विपक्षीय संबंधों और सीरिया में नवीनतम विकास पर समीक्षा के लिए एक दूसरे से मुलाकात की।सऊदी प्रेस एजेंसी ने बताया कि दोनों पक्षों ने सीरिया की सुरक्षा और स्थिरता को बढ़ाने के तरीकों के साथ-साथ विभिन्न क्षेत्रों में सहयोग के अवसरों पर चर्चा की तथा क्षेत्रीय विकास और उन्हें संबोधित करने के लिए चल रहे प्रयासों पर विचारों का आदान-प्रदान किया। सऊदी के शाह ने श्री अल-शरा को सीरिया का राष्ट्रपति पद संभालने पर बधाई दी और सीरियाई लोगों की आकांक्षाओं को पूरा करने में उनकी सफलता की कामना की।

दक्षिण अफ्रीका को वित्तीय सहायता देना बंद करेंगे ट्रंप

वाशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि वह दक्षिण अफ्रीका को वित्तीय सहायता देना तब तक के लिए बंद कर देंगे, जब तक कि अमेरिका उन कुछ वर्गों के लोगों की जांच नहीं कर लेता, जिनके साथ वहां बहुत बुरा व्यवहार किया जा रहा है।
श्री ट्रंप ने सबूतों का हवाला दिए बिना दावा किया है कि दक्षिण अफ्रीका में कुछ वर्गों के लोगों के साथ बहुत बुरा बर्ताव किया जा रहा है। उन्होंने ट्रुथ सोशल पर अपनी पोस्ट में कहा, ह्लदक्षिण अफ्रीका जमीन जब्त कर रहा है और कुछ वर्ग के लोगों के साथ बहुत बुरा व्यवहार कर रहा है। अमेरिका इसे बर्दाश्त नहीं करेगा, हम कार्रवाई करेंगे।

महाकुम्भ के तीसरे अमृत स्नान में उमड़ा आस्था का जनसमुद्र

2.33 करोड़ श्रद्धालुओं ने लगाई डुबकी

महाकुम्भ नगर। पंचाक्षरी मंत्र की अनुगूंज, मधुर भजन स्वर लहरी, हर-हर गंगे के जयघोष के मध्य कुम्भ के तीसरे अमृत (शाही) स्नान बंसत पंचमी पर्व पर सोमवार को अखाड़ों और नागा संन्यासियों की अवधूती शान से संगम पर सनातनी आस्था का वैभव मुखर हो उठा। उमंग-उत्साह के बीच बैरागी अखाड़ों के वैराग्य का रंग और नागा संन्यासियों का आकर्षण अलग अलौकिक आध्यात्म की अनुभूति करा रहा था।
महाकुम्भ के अंतिम एवं तीसरे अमृत स्नान के मौके पर प्रयागराज में करोड़ों श्रद्धालुओं ने पवित्र संगम में आस्था की डुबकी लगाई। देश के कोने-कोने से यहां पहुंचे अलग-अलग वेशभूषा, बोलचाल, रंग-ढंग के लोगों ने भावनात्मक एकता का शानदार परिचय दिया। बसंत पंचमी के दौरान प्रयागराज की सर्दी श्रद्धालुओं की आस्था के आड़े न आ सकी। आधी रात से संगम में श्रद्धालु पवित्र डुबकी लगाने के लिए जुटने लगे थे। ये सिलसिला भोर से लेकर दिनभर चला और अभी भी जारी है। मेला प्रशासन ने बताया कि 02 फरवरी की रात्रि से बसंत पंचमी के स्नान मुहूर्त आरंभ हो गया। इस दौरान 40 घाटों पर शाम 06 बजे तक 2.33 करोड़ श्रद्धालु संगम में डुबकी लगा चुके थे। अभी रात्रि तक स्नान जारी रहेगा। श्रद्धालु लगातार स्नान कर रहे हैं।
तीसरे अमृत स्नान पर अखाड़ों के साधु-संत निर्धारित क्रम एवं समय के अनुसार गाजे-बाजे के साथ संगम तट की ओर प्रातः 4 बजे बढ़े। साधु-संतों और नागा साधुओं की झलक देखने के लिए लाखों श्रद्धालु मार्ग में खड़े थे। साधु-संतों और नागाओं को देखते ही श्रद्धालुओं की भीड़ हर-हर महादेव का जयकारा जोर से लगाती रही। हर-हर महादेव के उद्घोष के साथ अखाड़ों ने अंतिम और तीसरा शाही स्नान किया।

इस अखाड़े ने किया पहला स्नानवर्षों से चली आ रही परम्परा को इस बार भी दोहराया गया। महानिवार्णी एवं शम्भू पंचायती अटल अखाड़ा को स्नान का पहला अवसर मिला। ऐसे में आज सुबह 5 बजे पंचायती अखाड़ा महानिवार्णी ने अमृत स्नान किया। इसके पीछे अब निरंजनी अखाड़ा, आनन्द अखाड़ा, जूना अखाड़ा, दशनाम आवाहन अखाड़ा और पंचाग्नि अखाड़ा, पंच निमोर्ही, पंच दिगंबर, पंच निवार्णी, अनी अखाड़ा, नया उदासीन अखाड़ा बड़ा उदासीन व अन्य अखाड़े अमृत स्नान कर रहे हैं।

हेलिकाप्टर से पुष्पवर्षा, अभिभूत हुए संत, संन्यासी व श्रद्धालु महाकुम्भ के अंतिम अमृत स्नान में संगम तट पर डुबकी लगाने पहुंचे करोड़ों श्रद्धालुओं पर योगी सरकार ने हेलीकॉप्टर से पुष्प वर्षा कराई। हेलीकॉप्टर से सभी घाटों और अखाड़ों पर स्नान के दौरान श्रद्धालुओं पर फूलों की बारिश की गई। पुष्प वर्षा की शुरूआत सुबह 6.30 बजे से ही हो गई और सायं तक चलती रही, जब तक अखाड़ों का अमृत स्नान जारी रहा।

रोजगार की स्थिति पर युवाओं को जवाब नहीं दे पा रही है सरकार : राहुल

एजेंसी

नयी दिल्ली। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने कहा है कि देश में विनिर्माण क्षेत्र साठ साल में सबसे कमजोर हुआ है और जिन मोबाइल बनाने का हम दावा कर रहे हैं उसके सारे पुर्जे चीन से आते हैं इसलिए देश के युवाओं को रोजगार पर स्पष्ट जवाब सरकार से नहीं मिल रहा है।
श्री गांधी ने कहा कि लोकसभा और विधानसभा चुनाव के बीच हिमाचल प्रदेश और महाराष्ट्र की मतदाता सूची में बहुत अंतर आया है। हजारों नये मतदाता जोड़े गये हैं और भाजपा जहां जीती है उन सीटों पर यह फेरबदल ज्यादा देखने को मिला है इसलिए चुनाव आयोग को यह सूची कांग्रेस, राकांपा तथा शिवसेना को सौंपनी चाहिए। उन्होंने यह भी कहा कि देश में भले ही विकास की बात की जा रही है और कहा जा रहा है कि मोबइल भारत मे बनता है, ड्रोन बनाए जा रहे हैं लेकिन सच यह है कि इन सबकी तकनीकी चीन के पास है। भारत में इनके पुर्जों को एसेम्बल कर मोबाइल बनाया जा रहा है और इस तरह से अपने युवाओं को रोजगार के सवाल पर स्पष्ट जवाब नहीं दिया जा सकता है।
श्री गांधी ने लोकसभा में सोमवार को राष्ट्रपति के अभिभाषण पर चर्चा में हिस्सा लेते हुए कहा कि देश का भविष्य युवाओं के द्वारा तय होना है इसलिए युवाओं की बात पर सबका फोकस होना चाहिए। देश तरक्की कर रहा है भले ही तेजी से नहीं लेकिन बेरोजगारी सबसे बड़ी चुनौती बना हुआ है। किसी भी सरकार ने देश के युवाओं को उनके सवालों का सीधा जवाब नहीं दिया है। सरकार कहती है कि विकास हो रहा है लेकिन विनिर्माण गिर रहा है और विनिर्माण उद्योग की वृद्धि दर 60 साल में सबसे नीचे है और सरकार इसे रोकने में असफल हो रही है। उन्होंने कहा , किसी भी देश में उपभोग और उत्पादन को व्यवस्थित करने की आवश्यकता होती है। पहले उपभोग को व्यवस्थित करना होता है और फिर उत्पादन को व्यवस्थित किया जा सकता है और उपभोग को नये परिवेश में नयी तकनीकि सेवा के जरिए व्यवस्थित किया जा सकता है।

मोदी सरकार अमीरों को और अमीर बना रही है : खरगे

नयी दिल्ली। राज्यसभा में विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खरगे ने मोदी सरकार के नारे- सबका साथ विकास विकासह्व को खोखला करार देते हुए सोमवार को कहा कि यह अमीरों को और अमीर तथा गरीबों को और गरीब बना रही है।
श्री खरगे ने सदन में राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव पर चर्चा में हिस्सा लेते हुए कहा कि सरकार ह्ल सबका साथ सबका विकासह्व की बात करती है लेकिन गरीबों का विकास नहीं हो रहा है। केवल अमीरों का विकास हो रहा है। किसान आत्महत्या कर रहे हैं। किसानों को उनकी उपज के दाम नहीं मिल रहे हैं।
युवाओं को रोजगार नहीं मिल रहा है। सरकारी नौकरी की 40-50 लाख रिक्तियां हैं। उन भर्तियां नहीं की जा रही है। उन्होंने कहा कि सबके विकास के लिए सरकारी नौकरियों पर भर्ती कर आवश्यक है। विपक्ष के नेता ने कहा कि मोदी सरकार गरीबों को सशक्त नहीं करना चाहती हैं और इसलिए सरकारी पदों पर भर्ती नहीं करती है। यह सरकार कृषि को अर्थव्यवस्था का इंजन नंबर एक बताती है लेकिन किसानों को बजट में पर्याप्त पैसा नहीं दिया जा रहा है। किसान अन्नदाता है और वह देश की जनता का पेट भरता है। सरकार को उसकी जरुरतों को पूरा करना चाहिए। श्री खरगे ने कहा कि डालर की तुलना में रुपए की कीमत लगातार गिर रही है जबकि सरकार को इसकी कोई चिंता नहीं है। देश में लगातार मंहगाई बढ़ रही है और सरकार इसे नियंत्रित नहीं कर पा रही है। अर्थव्यवस्था में गिरावट आ रही है। सरकार की नीतियां विफल हो रही है।

विपक्ष के नेता ने गलत तथ्य सदन में रखे हैं : गोयल

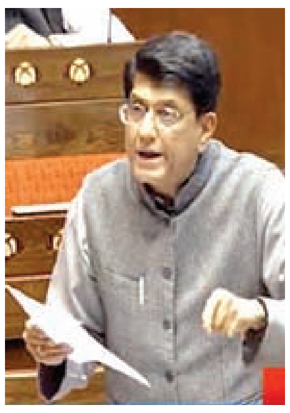

नयी दिल्ली। केन्द्रीय वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल ने राज्यसभा में विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खरगे पर सदन में गलत जानकारी देने का आरोप लगाते हुये सोमवार को कहा कि विपक्ष के नेता ने नः न सिर्फ देश की छबि अंतराष्ट्रीय स्तर पर खराब की है बल्कि महाकुंभ जैसे आयोजन पर भी राजनीति करने की कोशिश की है।
श्री खरगे ने राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव पर चर्चा की शुरूआत करते हुये कहा कि महाकुंभ में हुयी भगदड़ में हजारों लोगों की मृत्यु हुयी है लेकिन राज्य सरकार आंकड़े छुपा रही है। इसके साथ ही उन्होंने राष्ट्रीय अपराध रिकाड्र्स ब्यूरो का हवाला देते हुये कहा कि देश में बड़े पैमाने पर किसान आत्महत्या कर रहे हैं।
श्री खरगे की इन्हीं बातों पर श्री गोयल ने कहा कि विपक्ष के नेता गलत तथ्य रखकर भारत की छबि खराब की है। उन्होंने ब्यूरो के आंकड़े का हवाला देते हुये कहा कि मोदी सरकार के 10 वर्ष के कार्यकाल की तुलना में इससे पूर्ववर्ती सरकार के 10 वर्ष के कार्यकाल में 57 प्रतिशत अधिक किसानों से आत्महत्या की थी। उन्होंने कहा कि पंडित जवाहरलाल नेहरू के प्रधानमंत्री कार्यकाल में तीन फरवरी 1954 को मौनी अमावश्या के दिन कुंभ में मची भगदड़ में 800 लोगों की मौत हुयी थी। श्री राजीव गांधी के प्रधानमंत्रीकाल में 1986 में भी कुंभ में हुयी भगदड़ में 200 लोगों की जाने गयी थी। श्री वीर बहादुर सिंह के मुख्यमंत्रीकाल में अन्य मुख्यमंत्रियों को लेकर कुंभ में जाने से मची भगदड़ में 200 लोगों की मौत हुयी थी। इसके अतिरिक्त 2013 में आयोजित कुंभ में भगदड़ में 42 लोगों की मौत हुयी थी। अभी 40 करोड़ से अधिक लोग आये हैं।

कांग्रेस नेताओं ने ली स्वर्णिम दिल्ली के हर सपने को पूरा करने की शपथ

एजेंसी

नयी दिल्ली। कांग्रेस ने कहा है कि पार्टी की दिल्ली इकाई का घोषणा पत्र केवल चुनावी वादा नहीं, बल्कि राष्ट्रीय राजधानी को स्वर्णिम दिल्ली बनाने और नागरिकों के हर सपने को पूरा करने की प्रतिज्ञा है। कांग्रेस के प्रदेश कार्यालय में आयोजित संवाददाता सम्मेलन के दौरान पार्टी के नेताओं ने दिल्ली का वायु प्रदूषण दूर करने, साफ पानी का प्रबंध करने, दिल्ली को कूड़ा मुक्त करने और यमुना की सफाई करने तथा स्वर्णिम दिल्ली के हर सपने को पूरा करने की प्रतिज्ञा ली। इसके साथ ही गरीबों, दलितों, आदिवासियों, अल्पसंख्यकों, पिछड़ों और पूर्वांचल के लोगों के हितों का संरक्षण करने, बहनों के खाते में 2,500 रुपये प्रति माह डालने, लोगों को 25 लाख रुपए तक के मुफ्त इलाज की सुविधा मुहैया कराने, युवाओं की पहली नौकरी पक्की करने, लोगों को 300 यूनिट बिजली मुफ्त में देने, महंगाई से मुक्ति दिलाने, 500 रुपए में गैस सिलिंडर और राशन किट देने की शपथ ली। इस मौके पर प्रदेश कांग्रेस के अध्यक्ष देवेंद्र यादव ने कहा कि दिल्ली की जनता आम आदमी पार्टी (आप) और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के भ्रष्टाचार से तंग आ चुकी है और वह मजबूती के साथ कांग्रेस के साथ खड़ी है।

सोनाक्षी सिन्हा ने बेचा अपना बांद्रा पश्चिम का मकान

बॉलीवुड अभिनेत्री सोनाक्षी सिन्हा ने मुंबई में अपना एक मकान 22.50 करोड़ रुपये में बेच दिया है। यह घर बांद्रा पश्चिम के एमजे शाह ग्रुप 81 ओरिएंटल इलाके में स्थित था। इस इलाके में सुनील शेट्टी, रणवीर सिंह और दीपिका पादुकोण जैसे कुछ बड़े अभिनेताओं के घर भी हैं। एमजे शाह ग्रुप 81 ऑरियट परियोजना 4.48 एकड़ क्षेत्र में फैली हुई है। इसमें कई 4 बीएचके मकान हैं। अभिनेत्री सोनाक्षी सिन्हा ने 2020 में यह मकान 14 करोड़ रुपये में खरीदा था। अब उन्होंने उसी घर को 22.50 करोड़ रुपये में बेच दिया है।

दो दशक से बंद उप स्वास्थ्य केंद्र पोटाली फिर हुआ बहाल, डब्ल्यूएचओ ने माना बड़ी उपलब्धि

एजेंसी

World Health Organization

नयी दिल्ली। छत्तीसगढ़ में दंतेवाड़ा जिले के कुआकोंडा ब्लॉक में स्थित उप स्वास्थ्य केंद्र पोटाली नक्सली हिंसा के कारण करीब 20 वर्षों से बंद पड़ा था जो फिर से बहाल हो गया है। दुरूह नक्सल प्रभावित क्षेत्र में उप स्वास्थ्य केंद्र पोटाली के पूरी तरह से कार्यशील होने पर विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) ने इसे बड़ी उपलब्धि के रूप में रेखांकित किया है।

भारत सरकार के अस्पिरेशनल ब्लॉक प्रोग्राम, छत्तीसगढ़ सरकार की नियाद नेल्लानार योजना और डब्ल्यूएचओ इंडिया के सहयोग से इस उप स्वास्थ्य केंद्र को आयुष्मान भारत - स्वास्थ्य एवं कल्याण केन्द्र के रूप में विकसित किया गया है। यह केंद्र अब तीन गांवों के 2,583 निवासियों को स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान कर रहा है। स्वास्थ्य केंद्र में छह बेड का वार्ड के साथ ही एक सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारी, एक ग्रामीण स्वास्थ्य अधिकारी और 26 आशा कार्यकताओं को (मितानिन) पदस्थ किया गया है। पोटाली में उप स्वास्थ्य केंद्र 2003 में बनाया गया था, लेकिन नक्सलियों की धमकियों के कारण इसे कभी चालू नहीं किया जा सका। इसके चलते स्वास्थ्य सेवाएं 10 किमी दूर किकरी पारा गांव के एक अस्थायी केंद्र से संचालित की जा रही थीं, जिससे ग्रामीणों, विशेष रूप से महिलाओं को काफी कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा था। वर्ष 2021 में सरकार ने इसे आयुष्मान भारत - स्वास्थ्य एवं कल्याण केन्द्र के रूप में विकसित करने का फैसला किया और विश्व स्वास्थ्य संगठन इंडिया ने तकनीकी सहयोग प्रदान किया।

अप्रैल 2023 में अरनपुर में आईईडी विस्फोट में 10 सुरक्षाकर्मियों की मौत के बाद निर्माण कार्य रुक गया और ठेकेदारों ने डर के कारण काम बंद कर दिया। इसके बाद नवंबर 2023 में जब इसे दोबारा शुरू करने की कोशिश की गई, तो परियोजना का नेतृत्व कर रहे जनपद पंचायत के पूर्व सदस्य जोगा राम की हत्या कर दी गई, जिससे विकास कार्य एक बार फिर बाधित हो गया। स्थानीय निवासियों, जिला प्रशासन और स्वास्थ्य विभाग के मजबूत इरादों के चलते इस परियोजना को पुनः गति मिली और अंततः यह स्वास्थ्य केंद्र अब पूरी तरह से बहाल हो गया।

अफीम की खेती की रोकथाम के लिए झारखड पुलिस की अपील!

अफीम की खेती को ना कहें, नशे के खतरों से भविष्य को बचाएं, इसके खिलाफ अभियान में सहयोग करें...

झारखंड पुलिस आम जनता से अपील करती है कि वे अफीम की खेती के खिलाफ अभियान में सहयोग करें। अफीम की खेती से भूमि की उर्वरा शक्ति खत्म होती है तथा जलस्त्रोत दूषित होता है। इससे मानव जीवन और मानव स्वास्थ्य पर गंभीर रूप से प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है। यदि आपके निजी खेत में अफीम का फसल लगायी गयी है, तो आप सभी स्वयं नष्ट कर लें।

अफीम की खेती करने वालों के विरूद्ध NDPS एवं PITNDPS अधिनियम के तहत कड़ी कानूनी कार्रवाई का प्रावधान है। अफीम की खेती करने पर 20 वर्ष आजीवन कारावास तक की सजा एवं भारी जुर्माना हो सकता है। अफीम की खेती, परिवहन एवं दुरूपयोग से निपटने के लिए इस गतिविधि में शामिल व्यक्तियों के खिलाफ कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाएगी तथा उनकी अर्जित अवैध संपत्ति को भी जब्त किया जाएगा।

निवेदक,
झारखंड पुलिस

PRNO 345665 (Police) IPRD 24-25